ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कर्नाटक में बहुसंख्यकों के खिलाफ कांग्रेस की साजिश का हिस्सा @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 02 सितंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-242

ढाका में भारतीय उच्चायोग पर हमले की खतरनाक साजिश नाकाम

अफसरों को बंधक बना कर फिरौती में हसीना को वापस मांगते

ढाका के बारीधारा राजनयिक क्षेत्र में स्थित भारतीय उच्चायोग पर बांग्लादेशी आतंकी संगठनों के हमले की एक भयानक तैयारी का पर्दाफाश हुआ है। अमेरिकी डीप स्टेट और अमेरिकी पिट्ठू मोहम्मद यूनुस द्वारा बुने गए षडयंत्र में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई भी शामिल है। ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग (हाईकमीशन) पर सशस्त्र आतंकवादियों द्वारा हमला कर वरिष्ठ राजनयिकों को बंधक बनाने और फिरौती में नई दिल्ली में शरण लेकर रह रहीं बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का प्रत्यर्पण कराने की खतरनाक तैयारी थी।

भारत की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) को इस साजिश की भनक मिल गई। रॉ ने बांग्लादेश की खुफिया एजेंसी के साथ-साथ रूस, चीन, इजराइल समेत कई देशों को आधिकारिक तौर पर इसकी सूचना दे दी, जिससे यह खतरनाक षडयंत्र फिलहाल नाकाम हो गया। इस साजिश में शामिल एक चरमपंथी संगठन के ऐसे ठोस सबूत खुफिया एजेंसियों को हाथ लग गए, जिसे कोई नकार नहीं पाया। इस खुलासे से घबराकर, अमेरिकी खुफिया समुदाय के कुछ वरिष्ठ

शुभ-लाभ विशेष

अधिकारियों ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की मदद से एक कवर स्टोरी गढ़ने की कोशिश की। उन्होंने एक अनजानी, कम जानी-पहचानी वेबसाइट के जरिए यह कहानी फैलाई कि चरमपंथियों का असली निशाना ढाका स्थित अमेरिकी दूतावास था और हमलावर दूतावास में एक खास धर्म के चुनिंदा स्थानीय कर्मचारियों की हत्या करना चाहते थे। लेकिन इस कहानी का कलई जल्दी ही खुल गई। इस कहानी में गंभीर विसंगतियां मिलीं जिसकी गहन जांच की गई और अंततः कहीं ज्यादा विस्फोटक सच्चाई यह सामने आई कि आतंकवादियों का निशाना भारतीय उच्चायोग था, अमेरिकी दूतावास नहीं।

‘रॉ’ की सतर्कता से फ्लॉप हुई अमेरिकी डीप स्टेट की साजिश

साजिश में शामिल थी आईएसआई और अमेरिका की सीआईए

साजिश उजागर होते ही सीआईए फैलाने लगी मनगढ़ंत कहानी

खिलाड़ी बनकर आतंकियों ने की थी भारतीय दूतावास की रेकी

घटना के अमेरिकी प्रायोजित संस्करण के अनुसार, बांग्लादेशी अधिकारियों को ढाका स्थित अमेरिकी दूतावास में काम करने वाले एक हिंदू कर्मचारी के अपहरण और उसकी हत्या की योजना के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी। इन आतंकवादियों में जमातुल अंसार फिल हिंदल शर्किया (जेएए-चएस) और भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा ▶10पर

शांति प्रयासों के लिए भारत की पहल सराहनीय : पुतिन

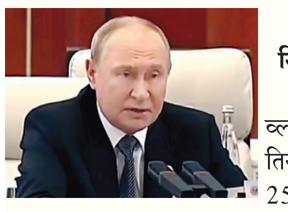

तियानजिन, 01 सितंबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तियानजिन में आयोजित 25वें एससीओ राष्ट्राध्यक्ष परिषद शिखर सम्मेलन में रूस-यूक्रेन युद्ध को सुलझाने के लिए भारत के प्रयासों की सराहना की। पुतिन ने व्हाइट हाउस के सलाहकार और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक शीर्ष सहयोगी पीटर नवारो के इस दावे का खंडन किया जिसमें उन्होंने कहा था कि यूक्रेन मोदी का युद्ध है। पुतिन ने इस संघर्ष की जड़ों के लिए नाटो और पश्चिमी हस्तक्षेप को जिम्मेदार ठहराया।

चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग परिषद (एस-सीओ) के सदस्यों के सत्र को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने यूक्रेन के साथ जारी रूस के संघर्ष के दौरान शांति प्रयासों के लिए भारत और चीन को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, मैं यूक्रेन संकट को सुलझाने के लिए चीन और भारत के प्रयासों की सराहना करता हूं। पुतिन ने कहा, मैं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अपनी अलास्का बैठक के विवरण द्विपक्षीय बैठकों के दौरान नेताओं को बताऊंगा। उन्होंने मॉस्को के इस रुख को दोहराया कि यूक्रेन में संकट किसी आक्रमण के कारण नहीं, बल्कि यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगियों की ओर से समर्थित कीव में तख्तापलट के परिणामस्वरूप उत्पन्न हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अलास्का शिखर सम्मेलन में हुई सहमति यूक्रेन में शांति का मार्ग प्रशस्त करती है।

डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष सहयोगी पीटर नवारो ने भारत पर सस्ते तेल खरीद के जरिए रूस के युद्ध को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। नवारो ने कहा था कि अगर भारत रूसी तेल खरीदना बंद कर देता है तो उसे अमेरिकी टैरिफ में सीधे 25 प्रतिशत की छूट मिल जाएगी। व्हाइट हाउस के शीर्ष अधिकारी ने यह भी कहा था कि यूक्रेन में शांति का ▶10पर

भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत

एससीओ के साझा घोषणा-पत्र में पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र

पहलगाम आतंकी हमले की सभी देशों ने की निंदा

तियानजिन (चीन), 01 सितंबर (एजेंसियां)। चीन के तियानजिन में चल रहे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत हुई है। सभी देशों ने एक सुर से पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने संबोधन में पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया था। एससीओ देशों ने प्रधानमंत्री मोदी का समर्थन किया और आतंकवाद पर एक साझा बयान जारी किया गया। यह महत्वपूर्ण इसलिए भी है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मौजूदगी में चीन की धरती पर यह समवेत निंदा का प्रस्ताव जारी हुआ है। शंघाई सहयोग संगठन (एस-सीओ) के सदस्य देशों ने तियानजिन घोषणा-पत्र में पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और दोषियों को सजा देने की मांग की। उन्होंने

आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद के खिलाफ मिलकर लड़ने की प्रतिबद्धता जताई और दोहरे मापदंडों को खारिज किया। साझा घोषणा पत्र में कहा गया कि सभी देश 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कठोर शब्दों में निंदा करते हैं। मृतकों के परिवारों के प्रति हमारी संवेदना है। ऐसे हमलों के अपराधियों, आयोजकों और प्रायोजकों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। इससे पहले पीएम मोदी ने एससीओ बैठक में बिना नाम लिए पाकिस्तान को घेरा और आतंकवाद पर काफी खरी-खरी सुनाई। पीएम मोदी ने कहा था कि इस वर्ष भारत ने ज्वाइंट इन्फॉर्मेशन ऑपरेशंस को लीड करते हुए आतंकी संगठनों से लड़ने की पहल की है। टेरर फाइनेंसिंग के खिलाफ आवाज उठाई है। इसपर मेरे समर्थन के लिए सभी देशों का मैं आभार व्यक्त करता हूं। भारत पिछले चार दशक से आतंकवाद का दंश झेल रहा है। कितने ही बच्चे खोए और कितने ही बच्चे अनाथ हो गए। अभी हाल ही में पहलगाम में आतंकवाद का बहुत ही घिनौना रूप देखा है। इस दुख की घड़ी में जो मित्र देश हमारे साथ खड़े रहे, मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं। पीएम मोदी ने पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए कहा कि पहलगाम हमला मानवता में विश्वास रखने वाले हर देश और व्यक्ति के समक्ष खुली चुनौती था। ऐसे में प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या कुछ देशों द्वारा आतंकवाद को खुला समर्थन हमें स्वीकार्य हो सकता है? हमें स्पष्ट रूप से और एक स्वर में कहना होगा कि आतंकवाद पर कोई भी दोहरा मापदंड स्वीकार्य नहीं होगा।

आतंकवाद पर कोई भी दोहरा मापदंड स्वीकार नहीं होगा

पाकिस्तानी पीएम के सामने ही जारी हुआ निंदा प्रस्ताव

तियानजिन घोषणा में एस-सीओ सदस्य देशों ने आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद के खिलाफ अपनी मजबूत प्रतिबद्धता को दोहराया और इस बात ▶10पर

दादागीरी और ताकत की राजनीति बर्दाश्त नहीं : जिनपिंग

तियानजिन (चीन), 01 सितंबर (एजेंसियां)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शंघाई सहयोग संगठन (एस-सीओ) के शिखर सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में दादागीरी वाले व्यवहार की आलोचना की और निष्पक्ष, न्यायपूर्ण तथा बहुपक्षीय व्यवस्था की मांग की। उन्होंने सभी देशों से सहयोग, विविधता का सम्मान और साझा विकास को बढ़ावा देने की अपील की। जिनपिंग ने मतभेदों के बावजूद एकता बनाए रखने पर जोर दिया। जिनपिंग की ओर से यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत समेत कई देशों पर भारी टैरिफ लगाए जाने की कड़ी निंदा हो रही है।

राष्ट्रपति जिनपिंग ने यह बात 20 से ज्यादा देशों के नेताओं के सामने कही, जिनमें भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और मध्य एशिया, पश्चिम एशिया, दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के राष्ट्राध्यक्ष शामिल थे। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप का नाम लिए बगैर कुछ शक्तिशाली देशों पर हठधर्मिता और शक्ति की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने एक ऐसी विश्व व्यवस्था की मांग की जो न्याय और समानात पर आधारित हो और जिसमें सभी को भागीदारी का अधिकार हो। जिनपिंग ने कहा, लगभग 24 साल पहले जब इस संगठन की स्थापना हुई थी, तब हमने शंघाई भावना की नींव रखी थी। यह भावना आपसी विश्वास, आपसी लाभ, समानता, सलाह-मशविरा, सभ्यताओं की विविधता का सम्मान और साझा विकास की कोशिशों पर आधारित है। हमने अपनी सीमाओं पर सैन्य विश्वास बढ़ाने की व्यवस्था सबसे पहले की, जिससे हमारी लंबी सीमाएं दोस्ती, विश्वास और सहयोग का सेतु बन गईं। हमने सबसे पहले आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद की तीन ताकतों के खिलाफ मिलकर ▶10पर

भारत जैसे देश को कमतर आंकना, समझदारी नहीं: विशेषज्ञ

बीजिंग, 01 सितंबर (एजेंसियां)। चीन के भू-राजनीति मामलों के विशेषज्ञ एइनार टैंगन ने कहा कि तियानजिन में पीएम मोदी और शी जिनपिंग की बैठक, अमेरिका के लिए एक कड़ा संदेश है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत जैसे देश को कमतर आंकना अमेरिकी की समझदारी नहीं है। यग पूरी तरह साफ हो गया है कि अमेरिका, भारत या अन्य देशों पर धौंस नहीं जमा सकता। ताइहे इंस्टीट्यूट के वरिष्ठ फेलो एइनार टैंगन ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप भारत को मजबूर करना चाहते थे, ▶10पर

वायरल हो रही मोदी, पुतिन और जिनपिंग की अंतरंग तस्वीरें

दुनिया ने देखी एक मंच पर एक साथ तीन महाशक्तियां

तियानजिन (चीन), 01 सितंबर (एजेंसियां)। पूरी दुनिया ने एक मंच पर एक साथ तीन महाशक्तियों को बेहद अंतरंग होते हुए देखा। कूटनीतिक जगत के साथ-साथ सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्मों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अंतरंग तस्वीरें खूब वायरल हो रही हैं। वह तस्वीर भी खूब चर्चा में है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन एक ही कार से रवाना हो रहे हैं। जबकि प्रोटोकॉल के मुताबिक अन्य राष्ट्राध्यक्षों के लिए अलग-अलग कारों की व्यवस्था थी। इस बात की चर्चा जोरों पर है कि पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन ने अपने संबंधों के बीच में प्रोटोकॉल की बाधा नहीं आने दी और दुनिया को संदेश भी दे डाला। प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति जिनपिंग की एक साथ हो रही बातचीत और मोदी एवं पुतिन का गले मिलना

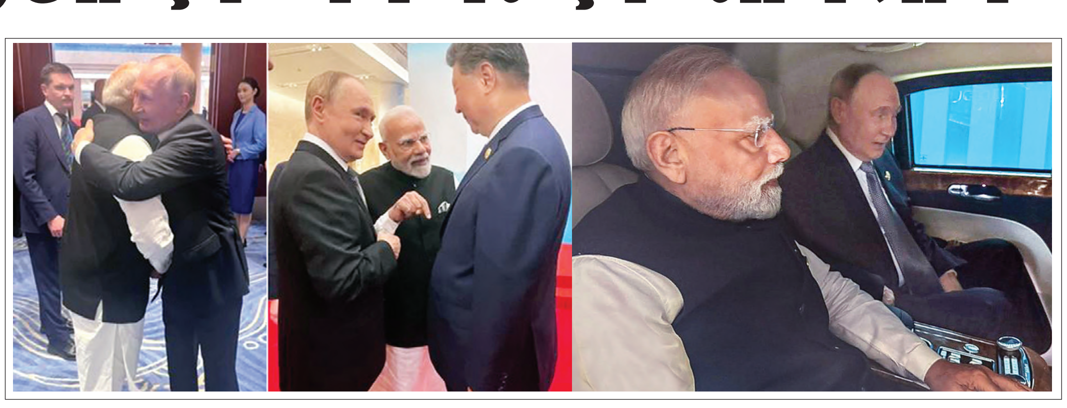

सुर्खियों में है।

समिट में पीएम मोदी, शी जिनपिंग और पुतिन की केमिस्ट्री लोगों का ध्यान खींच रही है। सामने आई तस्वीरों में तीनों को एक-दूसरे के साथ हंस-हंसकर बातें करते हुए देखा जा सकता है। एससीओ के राष्ट्राध्यक्षों का शिखर सम्मेलन सोमवार को चीन के तियानजिन में शुरू हुआ। शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन शुरू होने से पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अपनी बातचीत की तस्वीरें पोस्ट कीं। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, तियानजिन में बातचीत जारी है। बैठक से पहले पीएम मोदी, राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति जिनपिंग की अंतरंग बातचीत और एक किनारे पर गुमसुम खड़े पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की तस्वीरें दुनियाभर में चर्चा में हैं। इन तस्वीरों ने एक ओर अमेरिका के मनमाने टैरिफ के रवैये को आईना दिखाया तो दूसरी ओर दुनिया को बताया कि भारत के पास डोनाल्ड ट्रंप की हर रणनीति का काट है। प्रधानमंत्री मोदी की पुतिन के साथ मित्रता साफ-साफ दिखाई दे रही थी। दोनों ने प्रसन्नता के भाव से गले मिलकर एक-दूसरे का अभिवादन किया। पीएम मोदी ने पुतिन का अभिवादन करते और उन्हें गले लगाते हुए अपनी दो तस्वीरें भी पोस्ट की हैं। तीनों ही नेता हसंते और ठहाके लगाते नजर आए। पीएम मोदी ने पुतिन का हाथ पकड़ रखा था और जिनपिंग दोनों से बातें कर रहे थे। इस दौरान तीनों ही नेता ठहाके लगाकर हंसते दिखाई दिए। एससीओ शिखर सम्मेलन के पूर्ण सत्र से पहले तीनों राष्ट्र प्रमुखों ने कुछ हल्की-फुल्की टिप्पणियों का भी आदान-प्रदान किया, जिसके बाद वे एससीओ सदस्यों की तस्वीर के लिए मंच की ओर बढ़े। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच यह बातचीत उनकी द्विपक्षीय बैठक से पहले हुई, जो पूर्ण सत्र के बाद होने वाली है। ▶10पर

एक ही कार से रवाना हुए पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन

त्रिमूर्ति की राजनीतिक केमिस्ट्री पर चारों तरफ हो रही चर्चा

कई राष्ट्राध्यक्षों से मिले पीएम मोदी, अहम मसलों पर चर्चा हुई

तियानजिन (चीन), 01 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एससीओ समिट में आए कई राष्ट्राध्यक्षों से अलग-अलग मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी नेपाल, मालदीव, मिस्र, बेलारूस, ताजिकिस्तान, कजाकिस्तान, वियतनाम, म्यांमार, लाओस, तुर्कमेनिस्तान और आर्मेनिया के राष्ट्राध्यक्षों से व्यक्तिगत रूप से मिले और उन सबसे व्यापार से लेकर सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दिया। ▶10पर

दो स्थानों पर आयोजित रक्तदान शिविर में 386 यूनिट रक्तदान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
एफटीएस युवा बेंगलूरु द्वारा रविवार को दो स्थानों अग्रसेन भवन, अशोका पिल्लर और कोटेगेपाल्या में भव्य मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। प्रातः 9 बजे से सायं 4 बजे तक चले इन शिविरों में कुल 386 यूनिट रक्तदान हुआ, जिनमें अग्रसेन भवन से 271 यूनिट और कोटेगेपाल्या से 115 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। शिविर का शुभारंभ अग्रसेन भवन में दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसमें वन बंधु परिषद राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश माहेश्वरी, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष त्रिभुवन काबरा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रमेश अग्रवाला, वन बंधु परिषद साउथ जोन सचिव विमल सराओगी, बेंगलूरु चैप्टर संरक्षक मुरारीलाल सराओगी एवं सुरेन्द्र गोयल, चैप्टर अध्यक्ष हाथीमल बैद तथा सचिव वैभव गुप्ता उपस्थित रहे। इस शिविर में 12 ऐसे वरिष्ठ रक्तदाता भी शामिल हुए जिन्होंने अब तक 50 से अधिक बार रक्तदान किया है। युवा टीम की ओर से उन्हें दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया। साथ ही अग्रसेन भवन ट्रस्ट द्वारा शिविर हेतु निःशुल्क भवन उपलब्ध कराने के लिए विशेष आभार व्यक्त किया गया। शहर के चार प्रमुख ब्लड बैंक एस्टर ब्लड बैंक, अपोलो, नारायण हेल्थ और संकल्प इंडिया फाउंडेशन ने दोनों शिविरों में अपनी सेवाएँ प्रदान कीं और रक्तदाताओं को सुरक्षित व आधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराईं। इस महा अभियान में अनेक सामाजिक, व्यावसायिक और सांस्कृतिक संगठनों का भी सहयोग रहा। इनमें इंटरनेशनल विश्व फेडरेशन (कर्नाटक युथ विंग), राष्ट्रीय प्रजा प्रभुत्व सेना, खण्डेलवाल युथ विंग, किल्लारी रोड ट्रेड एसोसिएशन, श्री रावणा राजपूत समाज ट्रस्ट, गुर्जर गौर ब्राह्मण समाज, गौड़ ब्राह्मण संघ तथा मारवाड़ी युवा मंच (बेंगलूरु शाखा) शामिल रहे।

इसके पश्चात युवा अध्यक्ष प्रितेश बुरड़ ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य केवल रक्त संग्रह करना नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता और नई ऊर्जा पैदा करना भी है। उन्होंने स्वयं अपना 94वाँ रक्तदान कर युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत उदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की सफलता में संयोजक पवन राजलीवाल, उत्तम बागरेचा, गौरव शर्मा और गौरव अग्रवाल का विशेष योगदान रहा। वहीं युवा टीम से विक्रम अग्रवाल, आशीष गुप्ता, विकास गुप्ता, साकेत गर्ग, आरती अग्रवाल, गणपत माली, अमित सिंह, रचना डालमिया, दीपिका जैन, अरुण शर्मा, बृजेश अग्रवाल, आयुष अग्रवाला, पुनीत गोयल, मृदुल अग्रवाल, अनिल कुमार, प्रवीण गहलोत, प्रह्लाद जोशी, मितेश खंडेलवाल, गौरव अग्रवाल, शुभम लोहिया एवं जितेंद्र गुप्ता ने सक्रिय सहयोग दिया। इस शिविर की सबसे बड़ी विशेषता रही कि महिलाओं ने बढ़-चढ़कर रक्तदान में भाग लिया तथा बड़ी संख्या में पहली बार रक्तदान करने वाले दाताओं ने भी हिस्सा लिया। इससे समाज में नई ऊर्जा और जागरूकता का संदेश गया। विशेष आकर्षण के रूप में रक्तदाताओं के लिए लकी ड्रॉ और उपहार वितरण हुआ तथा सभी उपस्थितजनों के लिए स्वादिष्ट नाश्ते की भी व्यवस्था की गई।

हुब्बल्ली से जोधपुर के लिए सीधी ट्रेन सेवा शुरू

जेआरयूसीसी सदस्य महेंद्र सिंघी ने किया स्वागत

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
उत्तर कर्नाटक, विशेषकर हुब्बल्ली-धारवाड़ क्षेत्र के प्रवासी राजस्थानी बंधुओं के लिए एक ऐतिहासिक दिन आया है। लंबे समय से उठ रही मांग के बाद श्री सिद्धारुढ स्वामी जी हुब्बल्ली से भगत की कोठी जोधपुर के लिए विशेष ट्रेन सेवा की शुरुआत हो गई है।

यह सेवा दक्षिण भारत के कर्नाटक राज्य को सीधे उत्तर भारत के राजस्थान राज्य से जोड़ती है। दक्षिण पश्चिम रेलवे के जेआरयूसीसी सदस्य महेंद्र सिंघी ने हुब्बल्ली-जोधपुर सीधी ट्रेन सेवा का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए एक मील का पत्थर बताया।

नई स्पेशल ट्रेन संख्या 07359 हुब्बल्ली से हर रविवार शाम 7:30 बजे रवाना होकर मंगलवार को भगत की कोठी, जोधपुर पहुंचेगी। वापसी में, ट्रेन संख्या 07360 भगत की कोठी से हुब्बल्ली के लिए हर मंगलवार सुबह 7: 50 बजे प्रस्थान करेगी और बुधवार दोपहर 3:15 बजे हुब्बल्ली पहुंच जाएगी। सिंघी ने बताया कि यह सीधी ट्रेन न केवल यात्रियों, व्यापारियों, छात्रों और पर्यटकों को सुगमता प्रदान करेगी, बल्कि दोनों राज्यों के बीच व्यापार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और पर्यटन को भी नई दिशा देगी। यह सेवा विशेष रूप से उन लोगों के लिए लाभकारी है, जो राजस्थान और उत्तर भारत से उत्तर कर्नाटक आने-जाने की सुविधा चाहते थे।

महेंद्र सिंघी ने बताया कि इस ट्रेन की शुरुआत के लिए उन्होंने हाल ही में जोधपुर में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, दिल्ली में केंद्रीय मंत्री एवं धारवाड़ सांसद प्रल्हाद जोशी तथा रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना, रेलवे अधिकारियों से मुलाकात कर इस विषय को प्रमुखता से उठाया था। उनका यह प्रयास अब साकार हो गया है।

माहेश्वरी सभा की 50वीं वार्षिक साधारण सभा एवं सत्र 2025-27 नई कार्यसमिति का गठन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
माहेश्वरी सभा की 50वीं वार्षिक साधारण सभा एवं सत्र 2025-27 की नई कार्यसमिति का गठन किया गया। माहेश्वरी सभा के समस्त पदाधिकारी व अध्यक्ष नवलकिशोर मालू, माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा श्वेता बियानी, माहेश्वरी युवा संघ के अध्यक्ष दीपक मंत्री, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के चेयरमैन गोपालदास इन्नाणी, माहेश्वरी फाउंडेशन के चेयरमैन प्रहलाद आगीवाल तथा माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट को-ऑपरेटिव लिमिटेड के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण डागा ने इस अवसर पर भगवान महेश का पूजन, दीप प्रज्वलन किया। बैठक का शुभारम्भ भगवान महेश की सुंदर संगीतमई वदना से हुई। सह सचिव राजेश मारू द्वारा सभा का आरंभ किया गया।

प्रथम दिवंगत सभा सदस्यों एवं उनके परिजनों को श्रद्धांजलि अर्पण की गयी। अध्यक्ष नवलकिशोर मालू ने सभागार में उपसस्थित सदस्यों का शब्द सुमनों से स्वागत किया। अपने सफल कार्यकाल का श्रेय अपनी टीम को देते हुए समाज से मिले सहयोग के लिए सभी को धन्यवाद दीया। सचिव अजय राठी ने पिछली वार्षिक साधारण सभा 2023-24 की कार्यवाही प्रस्तुत की, जिसे पारित किया गया। वर्ष 2024-25 के प्रतिवेदन की प्रस्तुति सदन में रखी। कोषाध्यक्ष राजगोपाल मर्दा ने वर्ष 2024-25 के आय व्यय की प्रस्तुति दी, जिसे सदन ने पारित किया।

2013 के बाद इस वर्ष नई सभा सदस्य निर्देशिका का विमोचन किया गया। संगठन मंत्री सत्यनारायण मालानी ने बताया कि सभा के कार्यो को सुचारू रूप से चलाने हेतु ट्रैफिक और बेंगलूरु के बढ़ते रेडियस को देखते हुए 6 जोन का निर्माण किया गया था जो सभा के अंतर्गत अलग-अलग एरिया में कार्यरत थे, लेकिन डायरी के लिए डाटा इकट्ठा करते समय और कुछ सदस्यों के सुझाव अनुसार बहुत बारीकी से देखकर 6 की जगह पिन कोड के अनुसार 5 जोन बना दिए गए हैं। सभा से जुडी अन्य संस्थाओं ने भी इस अवसर पर अपने प्रतिवेदन प्रस्तुत किये।

सचिव निर्मला कांकाणी ने माहेश्वरी महिला संघठन की, कुशल जाजू ने माहेश्वरी युवा संघ, मैनेजिंग ट्रस्टी भगवान बलदवा ने माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, ट्रस्टी कृष्णाकुमार मोहता ने माहेश्वरी फाउंडेशन तथा उपाध्यक्ष महेश रांदड़ ने माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

वर्ष 2025-26 हेतु मानद अंकेक्षक प्रकाश चंद एंड कम्पनी को नियुक्त किया गया।

सत्र 2025 से 2027 के कार्यकारिणी नियुक्ति एवं चुनाव कार्यवाही को भी सरलता और बखूबी निभाने के लिए चुनाव समिति सदस्य विक्रम राठी एवं प्रदीप तोतला को सदन में सम्मानित किया गया। सहसचिव राजेश मारू ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा धन्यवाद ज्ञापित किया।

इसी अवसर पर नई कार्यसमिति के गठन के लिए बैठक रखी गई जिसमें पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। इसके तहत भगवानदास लाहोटी - अध्यक्ष, राजगोपाल मर्दा - उपाध्यक्ष, सत्यनारायण मालानी सचिव, राजेश मारू कोषाध्यक्ष, विनीत कुमार बियानी संगठन मंत्री, सह सचिव रविकांत राठी तथा सह कोषाध्यक्ष के रूप में राजीव सामरिया को चुना गया। कार्यसमिति सदस्यों में भगवानदास जाजू, संजय साबु, मुकेश चितलांगिया, अशोककुमार भूतड़ा, राजेश झंवर, संजीव झंवर, सुन्दर सोमानी, संदीप गांधी, अमित रांडद, मनमोहन बाहेती, धीरज काबरा एवं मनोनीत सदस्य विजय बंग तथा निवर्तमान अध्यक्ष नवल किशोर मालू शामिल हैं।

भक्ति आंखों से नहीं केवल भाव से होती है: साध्वी शीतल गुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने रक्षा पोटली का महत्व समझाते हुए कहा कि रक्षा पोटली यह हमारे जैन होने का ही नहीं, बल्कि हमारे भीतर जैनत्व होने का भी प्रमाण है। रक्षा पोटली के महत्व को समझें, इसका सम्मान करें और इसके सम्मान को बनाए रखें।

उन्होंने कहा कि जैनियों के दाहिने हाथ पर बंधी रक्षा पोटली अपने आप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब भगवान तीर्थकर का जन्म होता है, तो इंद्र महाराज जन्मोत्सव कल्याणक मनाने आते हैं, जिससे पहले अलग-अलग दिशाओं से 56 दिक कुमारिकाएं भी पहुंचती हैं। भस्म (राख) जिसका अर्थ है रक्षा पोटली, पोटली, भगवान के दाहिने हाथ की कलाई से बंधी है। उन्होंने कहा कि इस रक्षा पोटली के अंदर जले हुए राई या सरसों के बीज रखे जाते हैं और गुरु महाराज द्वारा रक्षा पोटली के लिए एक विशेष मंत्र के साथ जप किया जाता है। इनके रंग की जानकारी में आत्मा का अंतिम धाम सिद्धशीला है, जिसका रंग लाल है। सिद्धचक्र की पूजा में लाल रंग की रक्षा पोटली और भगवान गौतम स्वामी एवं दादा गुरुदेव की पूजा में पीले रंग की रक्षा पोटली बांधी जाती है।

उन्होंने कहा कि सरस्वती की पूजा में सफेद रंग की रक्षा पोटली का प्रयोग किया जाता है। बांधते समय भी आचार्य भगवंत या साधु-साध्वी भगवंत के मुख से एक विशेष मंत्र का उच्चारण किया जाता है। साथ ही किसी भी नियम के लिए पच्छखाण दिया जाता है। उन्होंने कहा कि केसर तिलक और रक्षा पोटली भगवान के श्रावक या श्राविका होने के प्रतीक हैं। रक्षा पोटली डोरी से बंधी पोटली होती है, जो फल देने और रक्षा करने में बहुत ही प्रभावशाली होती है। इस अवसर पर साध्वी शीतल गुणा श्री ने कहा कि भक्ति आंखों से नहीं होती है, वरना सूरदासजी कभी नहीं कर पाते। भक्ति जाती देख के नहीं होती, वरना शबरी को कभी प्रभु नही मिल पाते। भक्ति धन से नहीं होती है वरना हरिदास कभी कर नहीं पाते। भक्ति बोलने, सुनने, ताकत से भी नहीं होती। भक्ति तो केवल भाव से होती है जो हृदय से होकर सीधे हमारी आत्मा से जुड़ जाती है। इसलिए सच्चे भाव से सच्चे मन से भक्ति करते रहिए। गुरु को भावों से रिझाते रहिए उनकी लीला अपरंपार है। बीज की यात्रा वृक्ष तक है, नदी की यात्रा सागर तक है और मनुष्य की यात्रा परमात्मा तक है। संसार में जो कुछ भी हो रहा है, वह सब ईश्वरीय विधान है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी, उपाध्याय राजेन्द्र कुमार पोरवाल, महावीर कुमार संघवी, अंबालाल शाह, भंवरलाल जैन, महेंद्र कुमार जैन, राजु भंडारी, संजय कुमार पोरवाल, सुरेश कुमार पोरवाल, नटवरलाल जैन, मोहनलाल जैन, किशोरमल जैन आदि उपस्थित श्री संघ ने साध्वीवृंद से आगामी 2026 के चातुर्मास की आग्रहपूर्ण विनंती की।

आलसी मनुष्य संसार में मृत के समान: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि जिस मानव हृदय में भक्ति नहीं है, वह मानव मानव नहीं है। जिसमें भगवान के प्रति आस्था नहीं है, श्रद्धा नहीं है वह जीवित शव के समान हैं। ऐसा मनुष्य जीते जी मरने जैसा होता है। अत्यंत आलसी व्यक्ति दरिद्र की श्रेणी में आता हैं। भगवान ने हाथ पैर सब कुछ सही दिया है, लेकिन अपने आलस के कारण कुछ करता नहीं है। जहां पड़ा है वहां पड़ा ही रहता हैं। ऐसा मनुष्य दरिद्र के समान हैं। ऐसे मनुष्य का सब भव बेकार हो जाता है। आलसी मनुष्य संसार में जिंदा होकर भी मरा रहता है। आलस के साथ गरीबी भी मृत के सामान है। लोग गरीब की एक भी नहीं सुनते है। कोई करोड़ पति आ जाए तो सब सुनते हैं। लेकिन गरीब की कोई भी नहीं सुनता है। इस लिए इस दुनिया में गरीब होना भी बहुत बड़ा पाप है। गरीब को उसका बाप भाई भी नहीं पूछता है। आज का जमाना पैसे का है। पहले के समय में गुणों का आदर होता था। गुणवान मनुष्य का आदर होता था। पैसा हो या न हो लेकिन गुण है तो उनका आदर होता था। लोग गुणवान मनुष्य का सम्मान करते थे। लेकिन अब ऐसा बिल्कुल नहीं है। अब लोग ज्ञान गुण नहीं बल्कि पैसा देखते है। पैसों की ही कदर होती है। गरीब मनुष्य अगर समाज में आ जाए तो वहां भी उसकी इज्जत नहीं होती है। गरीब का कोई अपना नहीं होता है। गुरुदेव ने फरमाया कि आलसी मनुष्य अपने आलस्य से मृत है और गरीब मनुष्य मजबूरी में मृत है। दुनिया में कुछ ऐसा मामला है कि पैसा है तो सब है। पैसा नहीं है तो कोई मदद के लिए भी नहीं आता है। पैसे से ही भाई भाई का होता है। पैसे से ही मां बाप अपने होते हैं। गरीब सभी को देखता है लेकिन उसको कोई नहीं देखता है। उसी प्रकार बीमार मनुष्य भी जिंदा लाश के सामान होता है। ऐसे लोगों को भी कोई नहीं पूछता है। इसलिए समय रहते अच्छा कर लेना चाहिए। समय बहुत बलवान होता है। मूर्ख व्यक्ति भी जिंदा रह कर मरे के समान है। इन सभी श्रेणियों से निकलता है तो गुरु के चरणों में चले जाना चाहिए। इस मौके पर कार्यध्यक्ष कांतिलाल कांतेड मौजूद रहे। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

जीतो जेवर एक्सपो एवं द ब्राइडल स्टोरी के लिए अश्वथ नारायण को किया आमंत्रित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर, जीतो एपेक्स-महिला विंग एवं जीतो-केकेजी जोन के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 5, 6 और 7 सितम्बर को त्रिपुरा वासिनी, पैलेस ग्राउंड्स, में जीतो जेवर एक्सपो और द ब्राइडल स्टोरी का भव्य आयोजन होने जा रहा है। इस आयोजन में गौरव मय उपस्थिति हेतु जीतो के एक प्रतिनिधिमंडल ने कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सी. एन. अश्वथ नारायण से भेंट कर उन्हें आमंत्रित किया। डॉ. अश्वथ नारायण ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जीतो जैसे संगठन व्यापार, समाज और संस्कृति को जोड़ने का अद्भुत कार्य कर रहे हैं। विवाह और ज्वेलरी उद्योग से जुड़ा यह एक्सपो न केवल उद्योग जगत को नई दिशा देगा बल्कि समाज में नवाचार और प्रगति की सोच को भी प्रोत्साहित करेगा। ऐसे प्रयास कर्नाटक को विकास और उद्यमिता के नए आयामों तक ले जाते हैं। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के अध्यक्ष विमल कटारिया ने कहा कि डॉ. अश्वथ नारायण का मार्गदर्शन और समर्थन हमारे लिए गर्व का विषय है। उनका अनुभव और दृष्टिकोण इस एक्सपो को और अधिक सार्थक बनाएगा। यह आयोजन ज्वेलरी और विवाह उद्योग को सशक्त बनाने के साथ-साथ समाज को नई सोच प्रदान करेगा। इस आमंत्रण प्रक्रिया में जीतो बेंगलूरु नॉर्थ की टीम से प्रितेश जैन (सचिव), सुरेश गन्ना (कन्वीनर), संजीव गन्ना (सह-कन्वीनर), राकेश पोखरना (मैनेजिंग कमेटी सदस्य), प्रवीण गन्ना, प्रमोद भंडारी (सदस्य) एवं अन्य पदाधिकारियों ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दर्जनों** स्कूलों को शामिल करते हुए क्लस्टर स्तर पर आयोजित खेल प्रतियोगिता, जो शारीरिक गतिविधि के कारण बच्चों में खुशी की एक नई भावना पैदा करती है और स्कूलों को भाग लेने के लिए आकर्षित करती है, का समापन समारोह आयोजित किया गया। बेंगलूरु उत्तर में हेगनहल्ली क्लस्टर स्तरीय खेल प्रतियोगिता का समापन समारोह रविवार को हेगनहल्ली निसर्ग हाई स्कूल के खेल मैदान में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्थानीय टी. दासरहल्ली निर्वाचन क्षेत्र के विधायक एस. मुनिराजू थे। विशिष्ट अतिथि विजयनगर मारुति मेडिकल्स के गोसेवक महेंद्र मुणोत, पूर्व निगम सदस्य गंगाधर, शिक्षा विभाग के उप निदेशक अंजिनप्पा, हेगनहल्ली क्लस्टर के सीआरपी कुमार एस.जी और विभिन्न स्कूलों के सचिव उपस्थित थे। उन्होंने बच्चों को पुरस्कार प्रमाण पत्र, पदक और पट्टिकाएँ वितरित कीं।*

विकास महोत्सव का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वीश्री पुण्ययशा के सान्निध्य में विकास महोत्सव का आयोजन हुआ। साध्वी श्री ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा ज्ञान, दर्शन, चारित्र से संघ का विकास शिखरों पर चढ़ा है। तेरापंथ के आचार्यों ने विकास का सुदीर्घ इतिहास बनाया। जिसमें आचार्य तुलसी ने अनेक अवदान दिए। आचार्य तुलसी ने अपने वक्तत्व कर्तृत्व से संघ को जो दिया उसे शताब्दियों तो क्या सहशत्राब्दियों तक भी नहीं भूलाया जा सकता है। कार्यक्रम का मंगलाचरण साध्वी वर्धमानयशाजी ने किया। साध्वी बोधिप्रभा जी ने वक्तव्य के द्वारा अपने भावों की प्रस्तुति दी। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़, पूर्वाध्यक्ष कमलसिंह दूगड़, तेयुप से महेश मांडोत, तेममं से पूर्व अध्यक्षा लता बाफना ने अपने भावों को प्रस्तुत किया। तपस्वी भाई राजेश छाजेड़ के नौ की तपस्या और विपुल पितलिया के कंठी तप की अनुमोदना एवं अभिनन्दन किया गया। विपुल ने अपनी तपस्या की प्रेरणा हेतु साध्वी जी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। कार्यक्रम का गरिमामय संचालन साध्वी विनितयशाजी ने किया।

धर्मस्थल चलो : भगवा पार्टी ने श्रीक्षेत्र के खिलाफ साजिश का मामला एनआईए को सौंपने का आह्वान किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्रीक्षेत्र धर्मस्थल के खिलाफ सुनियोजित षड्यंत्र का मामला राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) को सौंपने की माँग को लेकर भाजपा द्वारा एक विशाल धर्मस्थल चलो अभियान चलाया गया।

उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर राज्य सरकार तुरंत इस मामले को एसआईटी के बजाय एनआईए को नहीं सौंपती और इस षड्यंत्र के पीछे की दुष्ट ताकतों को कानून के अनुसार दंडित नहीं करती, तो आने वाले दिनों में वे पूरे राज्य में उग्र संघर्ष करेंगे। मंजूनाथस्वामी सन्निधि से सटे मैदान में आयोजित धर्मस्थल अभियान को हिंदू कार्यकर्ताओं से अप्रत्याशित प्रतिक्रिया मिली। मेंगलूरु, उडुपी, हासन, चिकमंगलूरु, शिवमोग्गा, दावण-गेरे, बेलगावी, धारवाड़, हावेरी, गदग सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों से आए हजारों कार्यकर्ताओं ने संदेश दिया कि वे धर्मस्थल के पक्ष में हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन में केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, पूर्व केंद्रीय मंत्री डी.वी. सदानंद गौड़ा, विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, विधायक गली जनार्दन रेड्डी, मुनिरत्न, एस.आर. विश्वनाथ, पूर्व मंत्री श्रीरामुलु, सांसद रेणुकाचार्य, विधान परिषद सदस्य, नेता और हिंदू समर्थक संगठनों के हजारों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और श्रीक्षेत्र धर्मस्थल के प्रति अपना नैतिक समर्थन व्यक्त किया। नेताओं ने कहा कि एसआईटी जाँच पर कोई संदेह नहीं है। लेकिन चूँकि इस मामले में अंतर्राष्ट्रीय शक्तियाँ शामिल हैं, इसलिए इस मामले को एनआईए को सौंप दिया जाना चाहिए। यह मामला दिन-प्रतिदिन नए रूप लेता जा रहा है। उन्होंने धर्मस्थल की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के दुर्भावनापूर्ण इरादे से एक सुनियोजित षड्यंत्र रचा है। सच्चाई सामने नहीं आ सकती। उन्होंने कहा कि अगर यह जाँच एनआई को सौंपी जाती है, तभी असली मास्टरमाइंड सामने आ पाएँगे। चिन्नैया, जो वर्तमान में एसआईटी की हिरासत में हैं, रोज बयान दे रहे हैं। जाँच से पता चला है कि इस मामले के मास्टरमाइंड, जिनमें गिरीश मत्तनवर, सुजाता भट, महेश शेट्टी टिमरोडी, जयंत और कई अन्य लोग शामिल हैं, ने साजिश रची है। केवल यही नहीं, बल्कि कुछ वामपंथी विचारक और अन्य लोग भी इसमें शामिल हैं। इसलिए, उन्होंने मांग की कि मामले की जाँच किसी केंद्रीय एजेंसी से कराई जाए। सरकार ने बिना किसी पूर्व सूचना के इसे एसआईटी को सौंप दिया है। अब, इस मामले के पीछे कौन सी दुष्ट ताकतें हैं, यह सामने आ रहा है। चूँकि एसआईटी राज्य सरकार के अधीन काम कर रही है, इसलिए कुछ लोगों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ करना संभव नहीं है। इसलिए, उन्होंने अनुरोध किया कि मामले की जाँच केंद्रीय एजेंसियों से कराई जाए। हमारा संघर्ष यहीं नहीं रुकेगा। हम आने वाले दिनों में इसे पूरे राज्य में एक व्यापक अभियान बनाने जा रहे हैं।

सीएम में मुस्लिम धर्मस्थलों को छूने की हिम्मत नहीं: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार हिंदुओं को राहु केतु की तरह सता रहे हैं। उनमें मुस्लिम धर्मस्थलों को छूने की हिम्मत नहीं है। वे केवल हिंदू मंदिरों को निशाना बना रहे हैं।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने धर्मस्थल में एक षड्यंत्र रचा और उसे जाँच के लिए एसआईटी को सौंप दिया। अब उनकी नजर चामुंडेश्वरी पर्वत पर है।

इस संबंध में, उन्होंने चेतावनी दी कि वे धर्मस्थल चलो की तर्ज पर चामुंडेश्वरी चलो भी करेंगे। हम धर्मस्थल को बचाने आए हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से, हम हिंदू धर्म को बचाने के लिए काम करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर हिंदू मंदिरों को छुआ गया, तो हम सावधानी का संदेश देंगे। विधायक मुनिरत्ना ने कहा कि वाल्मीकि निगम में अनियमितताओं के कारण एक अधिकारी ने पत्र लिखकर आत्महत्या कर ली, और बोवी निगम में भी एक अधिकारी ने आत्महत्या कर ली। उन्होंने शिकायत की कि यह सरकार 85 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार है। इसके अलावा, विपक्ष के उपनेता चलवाडी नारायण स्वामी ने कहा कि यह सिर्फ बोवी निगम की बात नहीं है। सभी निगमों और विभागों में भ्रष्टाचार हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम इस सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं।

धर्मस्थल के खिलाफ भयावह अभियान

कर्नाटक में बहुसंख्यकों के खिलाफ कांग्रेस की साजिश का हिस्सा: केंद्रीय मंत्री

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने आरोप लगाया कि धर्मस्थल मंजूनाथेश्वर मंदिर और उसके प्रशासकों के खिलाफ अभियान 'बहुसंख्यकों के खिलाफ कांग्रेस की साजिश का हिस्सा' है। मंदिर नगरी में 'धर्मस्थल चलो' कार्यक्रम में बोलते हुए, केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने धर्मस्थल मामले के शिकायतकर्ता, जिसे विशेष जाँच दल (एसआईटी) ने गिरफ्तार किया है, को 'कांग्रेस का दोस्त' बताया।

भाजपा ने 'धर्मस्थल चलो' रैली का आयोजन एनआईए या सीबीआई से जांच की मांग के लिए किया था, जिसे पार्टी ने 1995 से 2014 के बीच धर्मस्थल गाँव में कथित तौर पर शवों को दफनाने की एसआईटी जाँच का इस्तेमाल करके मंदिर और उसके प्रबंधकों के खिलाफ एक 'बड़ी साजिश' बताया। जोशी ने आरोप लगाया कि अल्पसंख्यकों का तुष्टिकरण कांग्रेस के खून में है। कांग्रेस ने पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' में भी खामियाँ निकालने की कोशिश की। पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने तो यह साबित करने के लिए सबूत भी मांगे कि आतंकवादी पाकिस्तान से थे। उन्होंने आरोप लगाया जब 2008 में आतंकवादियों ने मुंबई पर हमला किया, तो कांग्रेस ने अल्पसंख्यकों को खुश करने के लिए इसे कुछ हिंदुओं द्वारा किया गया हमला बताकर प्रचारित करने की कोशिश की।

राज्य सरकार द्वारा अपनी चल रही जाँच के दौरान शवों की खोज के लिए एसआईटी को धर्मस्थल में बाहुबली बेट्टा के पास खुदाई की अनुमति देने का जिक्र करते हुए जोशी ने पूछा कि क्या सरकार ऐसी परिस्थितियों में किसी अन्य धर्म के पूजा स्थलों के पास खुदाई की अनुमति देने का साहस दिखाती?

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार को 'अति वामपंथी' बताते हुए जोशी ने उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार की मैसूरु में चामुंडी पहाड़ियों को केवल हिंदुओं की संपत्ति न बताने के लिए आलोचना की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने धर्मस्थल मंदिर और उसके धार्मिक नेताओं के आचरण के खिलाफ एक बदनामी अभियान को अनुमति दी क्योंकि वह तटीय क्षेत्र में हिंदुत्व के विकास को बर्दाश्त नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा पिछले चार दशकों में कांग्रेस इस क्षेत्र में अपना विकास नहीं कर पाई।

विजयेंद्र ने धर्मस्थल के खिलाफ व्यवस्थित साजिशकर्ताओं को खत्म करने की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने मांग की है कि श्रीक्षेत्र धर्मस्थल के खिलाफ सुनियोजित षड्यंत्र रचने वाली दुष्ट ताकतों का नाश किया जाना चाहिए। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि धर्मस्थल के खिलाफ सुनियोजित षड्यंत्र रचने वाली ताकतों का नाश किया जाना चाहिए। इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने चेतावनी दी कि भाजपा का संघर्ष और तेज होगा। हम चाहते हैं कि धर्मस्थल के खिलाफ साजिश रचने और झूठा प्रचार करने वालों को न्याय के कटघरे में लाया जाए। उन्होंने कहा कि इस झूठे प्रचार की निंदा की जानी चाहिए। बदमाश जाति और धर्म के नाम पर अपनी रोटियाँ सेंक रहे हैं। उनके झूठे प्रचार के कारण करोड़ों भक्तों ने आँसू बहाए हैं। उन्होंने कहा कि हम इसकी निंदा करने धर्मस्थल आए हैं। कांग्रेस नेताओं द्वारा भाजपा के विरोध प्रदर्शन को राजनीतिक बताए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए विजयेंद्र ने कहा कि हम मंच पर उनके आरोपों का जवाब देंगे। इससे पहले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र, विपक्ष के नेता आर. अशोक, सांसदों, विधायकों, विधान परिषद सदस्यों और पार्टी नेताओं ने श्री क्षेत्र धर्मस्थल के अध्यक्ष डॉ. डी. वीरेन्द्र हेगड़े से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

सीबीआई में बिना जांच के लंबित 74 गंभीर मामले, न्याय की मृगतृष्णा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मानव संसाधन की कमी के कारण जनता के साथ करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी के 74 गंभीर मामले बिना जाँच के सीबीआई में लंबित हैं और प्रभावित लोग न्याय की बाट जोह रहे हैं। 2020 में, गुरु राघवेंद्र बैंक लिमिटेड और श्री गुरु सौरभौमा सौहार्द क्रेडिट कोऑपरेटिव लिमिटेड धोखाधड़ी मामलों में बसवनगुडी पुलिस स्टेशन में एक और शंकरपुर पुलिस स्टेशन में तीन मामले दर्ज किए गए थे।

इनकी जाँच सीबीआई को सौंप दी गई थी। चार साल बाद भी सीबीआई जाँच में कोई खास प्रगति नहीं हुई है। इन संस्थानों में करोड़ों रुपये जमा करने वाले हजारों लोगों के साथ धोखाधड़ी हुई। विधानमंडल में इस पर खूब चर्चा हुई। लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। अब तक, ठगे गए लोगों को न्याय नहीं मिला है। स्थानीय पुलिस ने जाँच छोड़ दी है क्योंकि यह सीबीआई को सौंप दी गई है। जमाकर्ताओं का भविष्य स्पष्ट है। इसी तरह, मार्च 2022 में, वामनाचार्य और अन्य ने बेंगलूरु के हनुमंतनगर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में वशिष्ठ क्रेडिट सौहार्द सहकारी लिमिटेड के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि बैंक ने बड़े ऋणों के लिए उचित सुरक्षा प्राप्त नहीं की थी। निदेशक मंडल सहित 46 लोगों ने वित्तीय संस्थान के साथ धोखाधड़ी और विश्वासघात किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि जनता से सैकड़ों करोड़ रुपये की ठगी की गई थी। यह मामला भी जाँच के लिए सीबीआई को सौंप दिया गया था। इसके अलावा, सीबीआई ने कोई जाँच नहीं की है, और स्थानीय पुलिस ने कोई ध्यान नहीं दिया है। तीन साल से जमाकर्ताओं की शिकायतों को सुनने वाला कोई नहीं है। केरल स्थित पॉपुलर फाइनेंस घोटाले ने भी राज्य में खूब धूम मचाई थी। यशवंतपुर में 47 मामले, एचएसआर पुलिस स्टेशन में पाँच, बसवनगुडी पुलिस स्टेशन में तीन, जयभीमनगर में दो, मडीवाला, मगदी, चंद्रालेआउट, विद्यारण्यपुरा, येलहंका, महादेव-पुरा, संपगीरामनगर पुलिस स्टेशनों में एक-एक मामला दर्ज किया गया है। केरल की पापुलर फाइनेंस कंपनी ने 12 प्रतिशत ब्याज का वादा करके हजारों लोगों से करोड़ों रुपये जमा किए थे। लॉकडाउन के दौरान, जब लोग संकट में थे, तो कंपनी अचानक बंद हो गई और गायब हो गई। जमाकर्ताओं ने कंपनी के प्रमुख मथायस समेत कई लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी और न्याय की गुहार लगाई थी।

पापुलर फाइनेंस पर केरल समेत कई राज्यों में इसी तरह की धोखाधड़ी करने की खबरें आई थीं। अंतर-राज्यीय सीमा होने और करोड़ों रुपये की हेराफेरी का मामला होने के कारण, राज्य में 64 मामले सीबीआई को जाँच के लिए सौंपे गए थे। लेकिन अभी तक जाँच शुरू नहीं हुई है। जिन लोगों ने पैसा गंवाया है, उन्हें न्याय नहीं मिला है। इसी तरह, दावणगेरे ग्रामीण पुलिस स्टेशन में यूको बैंक धोखाधड़ी और रायचूर सीईएन पुलिस स्टेशन में 2021 में दर्ज केनरा बैंक घोटाले से संबंधित मामला भी सीबीआई को सौंप दिया गया है। बताया जा रहा है कि इनमें से किसी भी मामले की जाँच में कोई प्रगति नहीं हुई है।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा कि धर्मस्थल मामले में जो चल रहा है, वह आरएसएस की अंदरूनी लड़ाई है। पहले भाजपा ने ही सौजन्या मामले की दोबारा जाँच की बात कही थी, एसआईटी गठित होने पर भी वे चुप थे, लेकिन अब अचानक धर्मस्थल पर धावा बोल रहे हैं। वे धर्मस्थल मामले की जाँच केंद्रीय जाँच ब्यूरो को सौंपने की माँग कर रहे हैं। लेकिन इससे पहले सीबीआई ने मानव संसाधन की कमी को लेकर एक पत्र लिखा था, जिसके कारण राज्य के 74 मामले सीबीआई के पास लंबित हैं। इस बारे में भाजपा का क्या कहना है?

राज्य भर में अगले पांच दिनों तक बारिश की संभावना

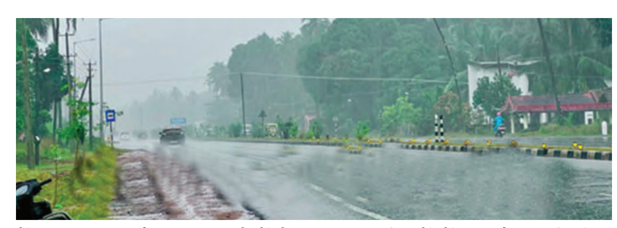

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कर्नाटक में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है, खासकर तटीय जिलों के लिए, जहाँ रेड अलर्ट घोषित किया गया है। अगले पाँच दिनों तक राज्य भर में व्यापक बारिश और बादल छाए रहने की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि मानसून की तीव्रता, विशेष रूप से बेंगलूरु और तटीय कर्नाटक में, उच्च रहेगी, जबकि कई अन्य जिलों में भी मध्यम से भारी बारिश होगी। बेंगलूरु शहर में अगले पाँच दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश के साथ बादल छाए रहेंगे। बेंगलूरु ग्रामीण जिले में भी इसी अवधि के दौरान बारिश का अनुमान है। बेंगलूरु शहर और ग्रामीण दोनों के लिए ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है।

अधिकतम तापमान 29 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री के आसपास रहने की उम्मीद है। पूर्वानुमान के अनुसार, तटीय जिलों में 2 और 3 सितंबर को भारी बारिश होगी, जिसके कारण रेड अलर्ट जारी किया गया है। तटीय क्षेत्रों में 6 सितंबर तक बारिश जारी रहने की संभावना है। दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिलों में 2 और 3 सितंबर को भारी बारिश होने की संभावना है। इस बीच, मलनाड जिलों में भी कई स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि दक्षिणी आंतरिक भागों में मध्यम वर्षा की संभावना है। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र (केएसएनडीएमसी) ने बताया कि उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में अगले तीन दिनों तक हल्की से मध्यम वर्षा के साथ गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं।

बेटी से बलात्कार के आरोप में व्यक्ति के खिलाफ पॉक्सो मामला दर्ज

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो। उत्तरी कर्नाटक में विजयपुरा पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ अपनी पाँच साल की बेटी के यौन उत्पीड़न के आरोप में पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है। महिला पुलिस थाने के अधिकारियों ने मामला दर्ज किया है। बच्ची की पहचान गुप्त रखने के लिए आरोपी की पहचान गुप्त रखी गई है। पुलिस अधीक्षक लक्ष्मण निंबर्गी ने कहा कानून और निर्धारित नियमों के अनुसार सभी कानूनी कदम उठाए गए हैं। पीड़िता की सुरक्षा सहित सभी उपाय संबंधित एजेंसियों और विभागों के साथ समन्वय में किए जा रहे हैं। एसपी ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

कर्नाटक राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य शशिधर कोसाम्बे ने कहा कि एक टीम कुछ दिनों में पीड़िता के परिवार से मिलने जाएगी और पीड़ित सदस्यों को परामर्श देगी, साथ ही क्षेत्राधिकारियों से भी मुलाकात करेगी।

श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ ने मनाया क्षमापना दिवस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वीवी पुरम स्थित सम्भवनाथ जैन भवन में श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ द्वारा सामूहिक क्षमापना सह स्नेहमिलन का भव्य आयोजन किया गया। श्री विमलनाथ जैन मंदिर बसवनगुडी से शोभा यात्रा शुरू होकर आयोजन स्थल पर पहुंची, जहाँ पर निश्रादाता गुरुवर श्री मलयप्रभसागरजी, श्री हर्षपूर्णाश्रीजी एवं अन्य साधु साध्वीजी समुदाय का पारम्परिक स्वागत किया गया। शोभा यात्रा में केयुप, केएमपी के बैंड मंडल, खुली जीप में लाभार्थी दिनेश पालरेचा, गौतम बाफना एवं दीपक छाजेड़ के परिजन बैठे थे। कन्धों पर सवार पालकी में दादागुरु देव की प्रतिमा सभी को सहज में आकर्षित कर रही थी। संघ समिति के सदस्य गणवेश में साथ में चल रहे थे। संघ के अध्यक्ष संघवी प्रकाश भंसाली ने सभी का

स्वागत करते हुए संघ की गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी भी दी।

राजेंद्र गुलेच्छा ने सुन्दर स्वागत गीत प्रस्तुत किया। श्री जिनकुशलसूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालाणी, मंत्री कुशल गुलेच्छा, बाबूलाल भंसाली, संघ के अध्यक्ष प्रकाश भंसाली, तेजराज गुलेच्छा, विजयराज डोसी, दिनेश पालरेचा, गौतम बाफना, अरविंद कोठारी, दीपक छाजेड़, पंकज बाफना आदि द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया।

खरतरगच्छ महिला परिषद् के द्वारा 'क्षमा दिल से' नामक एक प्रासंगिक लघु नाटिका प्रस्तुत की गयी जिसे सभी ने सराहा। लाभार्थी गौतम बाफना ने भी अपने संक्षिप्त वक्तव्य द्वारा संघ को सुन्दर आयोजन की बधाई दी। मालविका बाफना ने भी क्षमा के ऊपर मुक्तक पढ़ते हुए बड़ी ही दक्षता से अपनी बातें रखी। साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने उद्बोधन के माध्यम से क्षमा की महिमा के बारे में बताते हुए बताया की होंठों से तो क्षमा तो बहुत कर लेते है, लेकिन जब तक अंतर्मन से क्षमा नहीं कर लेते तब तक की गयी क्षमा भी महज औपचारिकता ही कहलाती है। इसके बाद मुनि श्री मलयप्रभ सागरजी ने लगभग डेढ़ घंटे तक अपनी मधुर एवं करुणा भरी वाणी से क्षमा के ऊपर एक अति आत्मस्पर्शी प्रस्तुति देते हुए अनंतकाल से भटकती आ रही आत्मा के ऊपर लगे कर्मों के, वैर के गाढ़ मैल को क्षमा रूपी पानी से धोकर निर्मल बनाने की बात कही।

भोजन की तैयारियों में महेंद्र रांका, रंजीत ललवानी ने उल्लेखनीय सेवाएं दी। खरतरगच्छ युवा परिषद् महिला परिषद् एवं श्री जिनदत्त कुशल सेवा मंडल ने सारी व्यवस्थाओं में भरपूर सहयोग दिया। लाभार्थी परिवार का संघ द्वारा बहुमान किया गया। संस्थाओं के प्रतिनिधि आरती जैन, ललित डाकलिया, भरत कोठारी, पंकज बाफना, विकास खटोड़ आदि सदस्यों का यथोचित सम्मान किया गया। स्टेज की व्यवस्था कैलाश संकलेचा, राजेंद्र भंसाली प्रकाश पारख, अचल बाफना ने बड़ी ही दक्षता से संभाली।

अट्ठाई तपस्या के लिए प्रियल एवं दिशान चौहान का सम्मान

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। मुनिसुव्रत स्वामीजी मंदिर के तत्वावधान में चल रहे चातुर्मास अवसर पर मुनिराज गिथार्थशेखर विजयजी, मुनिराज हितज्ञशेखर विजयजी और साध्वी कल्पदर्शनाश्रीजी की पावन उपस्थिति में तपस्वी प्रियल अल्पेश चौहान एवं दिशान अल्पेश चौहान ने अट्ठाई तपस्या पूर्ण की। तपस्या पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें समाजजन एवं श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर समाज के गणमान्य जनों ने तपस्वियों को सम्मानित कर तप की अनुमोदना की और उनके आत्म-संयम तथा तपशक्ति की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में ऑल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन के अध्यक्ष महेन्द्र सिंघी, दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष रमेश बाफना, इन्दरमल चौहान, जयंतीलाल चौहान, कांतिलाल चौहान, स्थानकवासी संघ के कार्याध्यक्ष गौतम भुरट, बीजेएस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गौतम बाफना, भाजपा नेता सुकनराज बाफना, शांतिनाथ गौशाला के अध्यक्ष भरत भंडारी, योगेश जैन, सुधीर वोरा, विमल पोरवाल, शिवयोगी गदगीमठ, हेमंत मुणोत, सुभाषचंद्रा डंक व अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

राग और द्वेष ही सभी कर्मों के बीज: साध्वही

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि राग और द्वेष ही सभी कर्मों के बीज है। ये एक बंधन है और जब तक हम इन्हें बंधन नही मानेंगे, तब तक हम मुक्त होने का पुरुषार्थ भी नही करेंगे। राग की जीवन के बाग में आग लगा देती है। चार गति, पांच जाति और चौबीस दंडक में इस जीव को राग द्वेष और मोह ही भटकाता है। प्रवचन प्रारंभ करते हुए साध्वी श्री निपुणप्रभा जी ने कहा कि सत्संग आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। सत्संग से ज्ञान विकास होता है और

संसार की असारता का भान होता है। सत्संग से कुमति दूर होती है और चित्त निर्मल होता है। पाप की निर्जरा होती है और अनुकंपा भाव बढ़ते हैं। जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं और दुर्गति की बीमारी कट जाती है। सत्संग से आत्मविकास होता है और जीवन गुणों की सौरभ फैलती है। प्रवचन सभा में खुशी कोठारी ने 10 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने तपस्वी का सम्मान किया। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। दोपहर को सुश्रावक दिनेश कुमार भंसाली ने जिज्ञासा पर चर्चा की।

सरकार धर्मस्थल की रक्षा करेगी, राजनीतिक नाटकों की नहीं: मंत्री दिनेश गुंडू राव

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री और दक्षिण कन्नड़ जिले के प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव ने भाजपा पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि राज्य सरकार को श्रीक्षेत्र धर्मस्थल की पवित्रता की रक्षा के लिए राजनीतिक रैलियों की जरूरत नहीं है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए, राव ने 1 सितंबर को भाजपा की प्रस्तावित 'चलो धर्मस्थल' रैली को राजनीति से प्रेरित कदम बताते हुए कहा कि इसमें सच्चाई या न्याय की कोई वास्तविक चिंता नहीं है। उन्होंने कहा धर्मस्थल की रक्षा के नाम पर किसी बड़े जमावड़े की जरूरत नहीं है। भगवान मंजूनाथ को इस तरह के शक्ति प्रदर्शन की जरूरत नहीं है। राज्य सरकार क्षेत्र की पवित्रता की रक्षा के लिए है - हम पूरी तरह सक्षम और प्रतिबद्ध हैं। राव ने भाजपा पर राजनीतिक लाभ के लिए धार्मिक भावनाओं का शोषण करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा भाजपा जब

भी राजनीतिक शोर मचाना चाहती है, विवाद खड़ा कर देती है। वे अपने स्वार्थ के लिए धर्मस्थल को हथियार बना रहे हैं। अगर उन्हें सचमुच कर्नाटक की परवाह होती, तो वे केंद्र सरकार से राज्य को मिलने वाली धनराशि जारी करवाने की पैरवी करते। राव ने कहा भाजपा कर्नाटक के लोगों के लिए नहीं लड़ रही है। वे बस अशांति फैलाना चाहते हैं। धार्मिक मुद्दों का इस्तेमाल राजनीतिक हथियार के रूप में किया जा रहा है। अब हर कोई उनका एजेंडा साफ देख सकता है। धर्मस्थल में कथित सामूहिक दफनाने की घटना की चल रही जाँच पर, मंत्री ने विशेष जाँच दल (एसआईटी) पर भरोसा जताया। उन्होंने पूछा हमने एसआईटी में कोई दखल नहीं दिया है। वे स्वतंत्र रूप से काम कर रहे हैं। हमारा एकमात्र उद्देश्य सच्चाई को उजागर करना है। हमने एसआईटी का गठन इसलिए किया ताकि तथ्य सामने आ सकें। यहाँ तक कि धर्मस्थल के वीरेंद्र हेगड़े ने भी एसआईटी के गठन का स्वागत किया। अब और क्या चाहिए? मामले को राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) को सौंपने की माँग को खारिज करते हुए, राव ने कहा हमें एनआईए की जरूरत नहीं है। न ही हमें भाजपा के समर्थन की जरूरत है। हमें अपने पुलिस विभाग और एसआईटी पर पूरा भरोसा है। वे सच्चाई उजागर करेंगे। उन्होंने भाजपा के पिछले कार्यकाल पर भी निशाना साधा और पिछली भाजपा सरकार के दौरान हुए सौजन्या बलात्कार और हत्या मामले का हवाला देते हुए कहा जब सौजन्या मामला हुआ था, तब भाजपा सत्ता में थी। तब उन्होंने क्या न्याय दिया? वे चुप रहे। अब, वे बिना किसी सबूत के बेतहाशा बोल रहे हैं। राव ने धर्मस्थल के खिलाफ विदेशी फंडिंग की साजिश या बड़ी साजिश के दावों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा मैं यह नहीं कह रहा कि मामला कभी एनआईए को नहीं सौंपा जाएगा। अगर सत्यापन योग्य सबूत और विश्वसनीय जानकारी सामने आती है, तो सरकार इस पर विचार करेगी। लेकिन तब तक, ऐसे फैसले निराधार अटकलों के आधार पर नहीं लिए जाने चाहिए। भाजपा की प्रस्तावित रैली पर, राव ने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन की अनुमति तो है, लेकिन इसके पीछे का मकसद बहुत ही गलत है। उन्हें अपनी रैली करने दीजिए - हमें कोई आपत्ति नहीं है। यह एक लोकतांत्रिक देश है। लेकिन हमें यह दिखावा नहीं करना चाहिए कि भाजपा का इरादा नेक है। उन्हें सच्चाई में कोई दिलचस्पी नहीं है, वे राजनीतिक अराजकता चाहते हैं। एक अलग बात पर, राव ने उन खबरों को स्वीकार किया कि गणेश चतुर्थी के दौरान लाउडस्पीकरों पर प्रतिबंध से कुछ इलाकों में असुविधा हुई है। उन्होंने कहा हमें गणेशोत्सव समारोह के दौरान ध्वनि प्रतिबंधों से जुड़ी समस्याओं के बारे में जानकारी मिली है। मैं स्थिति को सुलझाने के लिए संबंधित अधिकारियों से बात करूँगा।

जय भास्कर के जयकारों के बीच सूर्य भगवान को चढ़ाया चांदी का छत्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु के जेपी नगर स्थित सूर्य मंदिर में शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के प्रमुख आराध्य भगवान सूर्य नारायण की प्रतिमा पर समाज प्रमुख सुनील शर्मा की अगुवाई में गाजे बाजे तथा भगवान भास्कर के जयकारों के साथ सूर्य मंदिर की परिक्रमा के पश्चात विद्वान पंडित श्रेयांश पांडे द्वारा मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कर भगवान भास्कर के घघनभेदी जयकारों एवं महिलाओं के मंगलगीतों के बीच यजमान सुनील शर्मा एवं धर्मपत्नी संतोष शर्मा के कर कमलों से शुभ मुहूर्त में रविवार को करीब साथ किलो चांदी का छत्र चढ़ाया गया। जिसमें समाज बंधुओं ने बढ चढ़कर बड़े ही भाव से चांदी का दान देकर छत्र बनाने में सहयोग दिया। समाज के सैकड़ों लोगों ने छत्र पूजा में भाग लिया। इस अवसर पर जे. बाबूलाल शर्मा, महेंद्र शर्मा, जयंतीलाल शर्मा, किशनलाल, राजेश शर्मा, चेतन शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, बी.एल. शर्मा बेड़ा, अविनाश शर्मा, हुकमचंद शर्मा, भूपेश कश्यप, अरुण शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

दुर्गा पूजा उपसमिति की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रवासी बिहारियों की सबसे पुरानी संस्था सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति एवं राजेन्द्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्सवावधान में 47वां दशहरा महोत्सव 2025 की तैयारी हेतु प्रिंसेस श्राइन पैलेस ग्राउंड में दुर्गा पूजा उपसमिति की बैठक समिति अध्यक्ष कृष्ण कुमार सिंह (केके सिंह) की अध्यक्षता में आयोजित की गई। सभी उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी पैलेस ग्राउंड के प्रिंसेस श्राइन में ही दुर्गा पूजा महोत्सव मनाया जाय। इस वर्ष दुर्गा पूजा अध्यक्ष मुकेश कर्ण को बनाया गया है। समुचित व्यवस्था हेतु कार्यक्रम को पूर्णरूपेण व्यवस्थित कैसे किया जाए को लेकर उपस्थित सदस्यों ने अपनी अपनी राय व्यक्त की। बैठक में राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट के क्रियाकलापों पर भी विशेष तौर पर चर्चाएं हुई, सभी सदस्यों ने अपनी अपनी राय दी। दशहरा महोत्सव को यादगार बनाने हेतु सभी सदस्यों ने अपने उत्साह और समर्पण को दोहराया।

महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु केंद्र द्वारा अन्नदानम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु केंद्र ने अमावस्या के पावन अवसर पर अपना 31वाँ अन्नदान सिटी मार्केट में आयोजित किया। यह पावन आयोजन कमला बाई छाजेड़ (पत्नी स्व. मूलचंद छाजेड़) की याद एवं उनकी चौथी पुण्यतिथि पर प्रायोजित किया गया। इस सेवा कार्य के अंतर्गत 500 से अधिक व्यक्तियों को प्रसाद स्वरूप भोजन परोसा गया। कार्यक्रम में संगठन के कई गणमान्य सदस्य तथा स्वयंसेवक शामिल हुए और अपनी सक्रिय भागीदारी से इसे सफल बनाया। भारती छाजेड़, अध्यक्ष, महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु ने सभी स्वयंसेवकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज उत्थान हेतु इस तरह के पावन कार्य उनकी निष्ठा और समर्पण की मिसाल हैं। कार्यक्रम में महावीर इंटरनेशनल के कई प्रमुख सदस्य भी उपस्थित रहे जिनमें कर्नाटक जोन के चेयरमैन, संयुक्त सचिव आशीष बाफना, वरिष्ठ सदस्य आशीक पिरगल, दीप्ति बाफना और दिव्या पिरगल शामिल रहे, जिन्होंने इस पुण्य कार्य में अपना सहयोग और समर्थन प्रदान किया।

कर्नाटक में स्कूल नामांकन में 1.3 प्रतिशत की गिरावट

निजी स्कूल सरकारी संस्थानों से आगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हाल के वर्षों में सरकारी स्कूलों द्वारा अंग्रेजी को शिक्षण माध्यम के रूप में अपनाने के बावजूद, कर्नाटक में शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए छात्र नामांकन में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली (यूडीआईएसई) के आंकड़ों के अनुसार, कुल नामांकन पिछले वर्ष के 1,19,26,303 से घटकर 2024-25 में 1,17,80,251 रह गया - 1.3 प्रतिशत की गिरावट।

निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों ने 56,63,887 छात्रों को प्रवेश दिया, जो सरकारी स्कूलों की तुलना में काफी अधिक है, जहाँ कुल मिलाकर 47,34,360 छात्रों ने नामांकन कराया था। महामारी के दौरान और उसके तुरंत बाद सरकारी स्कूलों में प्रवेश में आई तेजी अब उलटती दिख रही है, और अब अधिक बच्चे निजी संस्थानों में लौट रहे हैं। विशेषज्ञों ने इस प्रवृत्ति के लिए भाषा नीति में बदलाव के बावजूद सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पदों और अपर्याप्त बुनियादी ढाँचे को जिम्मेदार ठहराया है। शैक्षणिक सलाहकार हेमलता गिरीश ने कहा कक्षा 1 में दाखिले के मामले में सरकारी स्कूल निजी संस्थानों से लगभग 30 प्रतिशत पीछे हैं।

पर्याप्त शिक्षकों और सुविधाओं के बिना, नामांकन को बनाए रखना एक चुनौती बना रहेगा। हालांकि, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अधिकारियों ने इस गिरावट को कम करके आंका और कहा कि अधिकांश गिरावट उच्च-माध्यमिक स्तर पर केंद्रित है।

राजस्थान में जबरन धर्मांतरण करवाने पर होगी उम्रकैद

विधानसभा में बिल पेश करेगी भाजपा सरकार

जयपुर, 01 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में लव जेहाद, जबरन निकाह, जबरन धर्मांतरण और नाबालिग लड़कियों संग अवैध व्यापार जैसे अपराधों में पकड़े जाने पर 20 साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा सुनाई जा सकती है। इसके साथ 30 लाख रुपए का जुर्माना भी देना होगा।

राजस्थान सरकार धर्म परिवर्तन के खिलाफ विधानसभा में विधेयक पेश करने जा रही है। इस राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2025 में जबरन धर्मांतरण करवाने पर उम्रकैद की सजा के प्रावधान हैं। वहीं विधेयक में घर-वापसी को धर्मांतरण नहीं माना गया है।

कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि यह विधेयक प्रलोभन, बल, कपट या अन्य अनुचित तरीकों से कराए जाने वाले धर्मान्तरण को रोकने के लिए लाया गया है। राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने कैबिनेट की बैठक में विधेयक को कुछ संशोधनों के साथ मंजूरी भी दे दी है। अब सरकार विधानसभा सत्र में विधेयक पेश करेगी।

मंत्री ने कहा कि राज्य में अवैध रूप से धर्मान्तरण को रोकने के संबंध में कोई

विशिष्ट कानून नहीं थे इसीलिए राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध विधेयक-2025 को पिछले सत्र (फरवरी 2025) में विधानसभा में लाया गया था।

अब कठोर प्रावधान करते हुए विधेयक का नया प्रारूप विधानसभा के आगामी सत्र (सितंबर 2025) में पेश किया जाएगा। विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2025 के तहत जबरन धर्मांतरण करवाने पर उम्रकैद की सजा होगी। साथ ही 50 लाख रुपए का जुर्माना भी भरना होगा। इसके अलावा भी धर्मांतरण को अपराध की अलग-अलग श्रेणी में सजा का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है।

इसमें अवैध धर्मांतरण करवाते पकड़े जाने पर 7 से 14 साल तक की सजा और 5 लाख रुपए तक का जुर्माना देना होगा। नाबालिग, दिव्यांग, महिला, एससी, एसटी वर्ग पर धर्मांतरण का दबाव बनाने पर 10 से 20 साल की सजा और 10 लाख रुपए का जुर्माना होगा। वहीं, सामूहिक धर्मांतरण करवाने पर 20 साल से उम्रकैद तक की सजा हो सकती है और साथ में 25 लाख रुपए तक का जुर्माना भी देना होगा। धर्मांतरण करवाने के लिए फंडिंग के सबूत मिलने पर 10 से 20 साल की सजा और 20 लाख रुपए जुर्माना भरना होगा।

सरकार ने विधेयक में यह भी प्रावधान रखा है कि अवैध धर्मांतरण में लिप्त संस्था का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया जाएगा। साथ ही संस्थान को मिलने वाली सरकारी अनुदान भी बंद कर दी जाएगी। जिस संपत्ति पर अवैध धर्मांतरण हुआ है, उसकी जांच कर जब्ती और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। विधेयक में प्रस्तावित कानून में सबूत का भार उस व्यक्ति पर होगा, जिसने धर्मांतरण करवाया है। फरवरी 2025 में पेश किए गए विधेयक में अधिकतम 10 वर्ष की सजा का प्रावधान था, जिसे अब संशोधित कर आजीवन कारावास तक बढ़ा दिया गया है।

राजस्थान में अलग-अलग हथकंडे अपनाकर धर्म परिवर्तन के जाल में हिंदुओं को फंसाया जा रहा है। परंतु अब तक इसके विरुद्ध कानून लागू ना होने पर ये अपराधी खुले में धर्मांतरण का खेल रच रहे हैं। राजस्थान के झुंझुनू, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, भरतपुर समेत इलाकों में गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। यहां धर्मांतरण गैंग हिंदू ग्रामीण महिलाओं को प्रार्थना सभाओं में बुलाते हैं। यहां महिलाओं का ब्रेनवॉश किया जाता है। उनके माथे से बिंदी, सिंदूर और गले से मंगलसूत्र हटा दिए जाते हैं। इसकी जगह उनके गले में क्रॉस लटका देते हैं। इन महिलाओं को घर के बाकी सदस्यों का धर्मांतरण करवाने के लिए 8 लाख रुपए तक ऑफर किए जाते हैं।

इस लालच में फंसकर गरीब लोग धर्मांतरण कर रहे हैं। ऐसे लोगों को ईसाई बनाने के नाम पर पैसे, घर, कपड़े और राशन देने का लालच भी दिया जाता है।

बांसवाड़ा के जनजातीय समुदाय के इलाके में ईसाइयों ने लोगों को लालच दिया कि अगर वे 10 लोगों को ईसाई बनवाएंगे तो उन्हें हर महीने वेतन, राशन और कपड़े दिए जाएंगे। इसके अलावा ईसाई बनने पर 1 लाख रुपए भी दिए जाएंगे। राजस्थान सरकार इन्हीं अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए विधेयक को नए संशोधनों के साथ आगामी विधानसभा सत्र में पेश करने जा रही है।

जम्मू कश्मीर के स्कूलों, धर्मशाला और होटलों की होगी ऑडिट

जम्मू, 01 सितंबर (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर में सैकड़ों स्कूल, दर्जनों होटलों और धर्मशालाओं की सुरक्षा ऑडिट का निर्देश जारी हुई है। स्कूलों से कहा गया है कि इमारतों का सुरक्षा आडिट हुए बिना कोई बच्चा कक्षाओं में नहीं जाएगा। होटलों और धर्मशालाओं में भी सुरक्षा आडिट के बिना लोगों को प्रवेश देने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

लगातार हो रही भारी वर्षा और भूस्खलन को देखते हुए माता वैष्णो देवी के आधार शिविर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दर्जनों होटल, धर्मशालाएं खाली कराने का आदेश जारी किया गया है। सड़क धंसने की आशंका के साथ ही बाणगंगा मार्ग से जुड़े क्षेत्र में भूस्खलन जारी रहने के चलते प्रशासन ने यह कदम कई सालों के बाद उठाया है। यही नहीं भारी बारिश व जगह-जगह हो रहे भूस्खलन के चलते स्कूलों की इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है। बारिश के बीच इन स्कूलों में कक्षाएं लगाना बच्चों के लिए खतरा साबित हो सकता है और इसे देखते हुए अब शिक्षा निदेशालय ने जम्मू संभाग के सभी स्कूलों का सुरक्षा ऑडिट करवाने का फैसला किया है।

कटड़ा के एसडीएम पियूष धोत्रा ने यह निर्णय हाल ही में बालिनी पुल और शानी मंदिर (कड़माल) क्षेत्र में बड़े भूस्खलन और सड़क धंसने के मद्देनजर लिया है। इस क्षेत्र में 20 से 30 होटल, धर्मशालाएं, गेस्ट हाउस, 80 से 100 दुकानें और कई प्रशासनिक कार्यालय हैं। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि इन प्रतिष्ठानों को तब तक संचालित नहीं किया जाएगा, जब तक लोक निर्माण विभाग कटड़ा के कार्यकारी अभियंता सुरक्षा प्रमाणपत्र जारी नहीं करते। याद रहे 26 अगस्त को माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग अर्द्धकुमारी क्षेत्र में भूस्खलन से 34 श्रद्धालुओं की मौत के बाद यात्रा स्थगित है।

जबकि वर्तमान में कटड़ा में लगभग 3000 श्रद्धालु यात्रा बहाल होने का इंतजार कर रहे हैं। भूस्खलन के कारण रास्ते जगह-जगह अवरुद्ध हैं और ट्रैक की मरम्मत जारी है।

इस बीच शिक्षा निदेशक जम्मू डॉ. नसीम जावेद चौधरी ने संभाग के सभी जिलों के मुख्य शिक्षा अधिकारियों, स्कूलों के प्रिंसिपल व हेडमास्टर को निर्देश दिए हैं कि वे स्कूलों का सुरक्षा आडिट करवाएं। स्कूलों की इमारतों की जांच के लिए लोक निर्माण विभाग से संपर्क किया जाए और विभाग से प्रमाणपत्र प्राप्त करें। लोक निर्माण विभाग से मिले प्रमाणपत्र के आधार पर स्कूलों में कक्षाएं लगाई जाएं। अगर किसी स्कूल को लोक निर्माण विभाग असुरक्षित घोषित करता है तो वहां कक्षाएं लगाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी। इस समय बारिश के चलते कई स्कूलों को ढांचागत नुकसान हुआ है। स्कूलों के भीतर पानी भर चुका है। और लोक निर्माण विभाग की परेशानी यह है कि वह इतने स्कूलों, धर्मशालाओं और होटलों का सुरक्षा आडिट करने के लिए स्टाफ कहां से लाए।

10 माह में 13 लाख निर्धन परिवार शून्य-गरीबी से जुड़े

3 लाख 72 हजार परिवारों को दिया जा रहा अभियान का लाभ

लखनऊ, 01 सितंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार ने महज दस माह में प्रदेश के 13 लाख से अधिक निर्धनतम परिवार को गरीब से मुक्त करने के लिए शून्य गरीबी अभियान के लिए चिन्हित किया है, जो योगी सरकार के गरीबी उन्मूलन के क्षेत्र में एक नई मिसाल बन गई है। इतना ही नहीं सीएम योगी की मंशा के अनुरूप महज दस माह में 3 लाख 72 हजार से अधिक परिवारों को अभियान का लाभ प्रदान किया जा चुका है। योगी सरकार की यह उपलब्धि गरीब कल्याण के संकल्प को दर्शाती है। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 15 अगस्त-24 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने भाषण में 'शून्य गरीबी अभियान' का जिक्र किया था। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत प्रदेश के ऐसे परिवारों की पहचान कर उन्हें गरीबी की रेखा से ऊपर लाना है, जो अब भी बुनियादी जरूरतों और सामाजिक सुरक्षा से वंचित हैं। अभियान के तहत हर ग्राम पंचायत से 25 निर्धनतम परिवार को चिन्हित करने का लक्ष्य रखा गया था। ऐसे में अभियान के जरिये प्रत्येक चिन्हित परिवार को बहुआयामी सहायता प्रदान की जा रही है, जिसमें रोजगार, आजीविका, आवास, स्वास्थ्य एवं शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं की सुनिश्चितता शामिल है।

शून्य गरीबी अभियान के तहत अगस्त-25 तक प्रदेश में 13,32,634 परिवारों की पहचान की जा चुकी है। इनमें से 3,72,000 परिवारों को योजना का लाभ भी दिया गया है। अभियान के तहत सबसे अधिक निर्धन परिवारों की पहचान आजमगढ़ में हुई, जहां 42,082 परिवार चिन्हित किए गए। इसके बाद जौनपुर में 39,374 परिवार, सीतापुर में 36,571 परिवार, हरदोई में 30,050 परिवार और प्रयागराज में 28,935 परिवार चिन्हित किए गए। ऐसे में अभियान में निर्धन परिवारों को चिन्हित करने में आजमगढ़ पहले, जौनपुर दूसरे, सीतापुर तीसरे, हरदोई चौथे और प्रयागराज पांचवें स्थान पर है। इन जिलों में चलाए गए विशेष अभियान, पंचायतों और स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से अधिक से अधिक परिवारों तक योजना का लाभ पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न मंचों से कहा है कि योजना का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन-स्तर सुधारना है। हमारा लक्ष्य केवल गरीबी कम करना नहीं, बल्कि इसे समाप्त करना है। शून्य गरीबी अभियान उत्तर प्रदेश को गरीबी-मुक्त बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

प्राकृतिक से ज्यादा मानव निर्मित हैं जम्मू कश्मीर की आपदाएं

जम्मू, 01 सितंबर (ब्यूरो)। पर्यावरण नीति समूह (ईपीजी) ने जम्मू-कश्मीर में हाल ही में बादल फटने, अचानक आई बाढ़ और व्यापक तबाही पर गहरी चिंता व्यक्त की है और इस बात पर जोर दिया है कि ये आपदाएं प्राकृतिक से ज्यादा मानव निर्मित हैं। चिशोती और वैष्णो देवी में जान-माल, कृषि और व्यवसायों को हुए नुकसान पर शोक व्यक्त करते हुए, समूह ने कहा कि घाटी हल्की बारिश में भी खतरनाक रूप से असुरक्षित बनी हुई है, और झेलम नदी पहले ही बाढ़ घोषित क्षेत्र में प्रवेश कर चुकी है।

ईपीजी, जो एक दशक से भी ज्यादा समय से बाढ़ के खतरों पर चिंता जताता रहा है, ने याद दिलाया कि 2014 की विनाशकारी बाढ़ ने कश्मीर के नाज़ुक पारिस्थितिकी तंत्र और शासन की विफलताओं को उजागर कर दिया था। बार-बार की चेतावनियों और न्यायिक

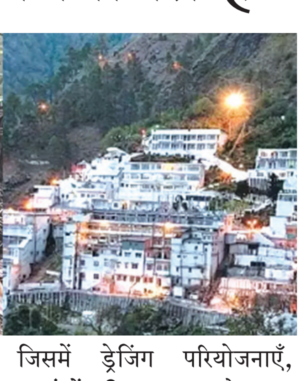

निर्देशों के बावजूद, समूह ने कहा कि झेलम की जल-धारण क्षमता को बहाल करने या उन वेटलेंडों को पुनर्जीवित करने के लिए बहुत कम किया गया है जो कभी प्राकृतिक बाढ़ अवरोधक के रूप में काम करती थीं। समूह ने 16 सरकारी विभागों को शामिल करते हुए, ईपीजी बनाम भारत संघ और अन्य के मामले में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की है, जिसमें सार्थक सुधारात्मक उपायों का आग्रह किया गया है। इसने इस बात पर निराशा व्यक्त की कि एक के बाद एक आने वाली सरकारों ने बाढ़ को अस्थायी संकट माना है, जिसमें ड्रेजिंग परियोजनाएँ, तटबंधों की मरम्मत और जल निकासी सुधार या तो बीच में ही छोड़ दिए गए या भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जैसी एजेंसियों के पास लंबित छोड़ दिए गए।

ईपीजी ने कहा कि वर्तमान संकट केवल प्राकृतिक शक्तियों का परिणाम नहीं है, बल्कि दशकों से मानव-जनित क्षरण का परिणाम है। ईपीजी ने इस संकट के प्राथमिक कारणों के रूप में पेड़ों की अवैध कटाई, वेटलेंडों और नदी तटों पर अतिक्रमण और अनियंत्रित शहरीकरण का हवाला दिया। इसने उल्लेख किया कि वुल्लर झील ने गाद जमाव के कारण अपनी बाढ़ अवशोषण क्षमता का लगभग एक-तिहाई हिस्सा खो दिया है, जबकि होकरसर, शैलबुग, मिरगुंड और नरकारा जैसे वेटलैंड अतिक्रमण और कचरा डंपिंग के कारण लगातार सिकुड़ रही हैं।

समूह ने रेखांकित किया कि सबसे जरूरी कार्य उपग्रह इमेजिंग और तलछट प्रवाह अध्ययनों द्वारा समर्थित झेलम का वैज्ञानिक ड्रेजिंग है।

इसने व्यापक बाढ़ प्रबंधन का आह्वान किया, जिसमें उपेक्षित बाढ़ रिसाव चैनल का पुनरुद्धार, तटबंधों को मजबूत करना, आर्द्रभूमि और झीलों का जीर्णोद्धार और वनरोपण एवं मृदा संरक्षण के माध्यम से जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन शामिल है। समूह ने चेतावनी दी कि बाढ़ की याद तभी आती है जब पानी बढ़ जाता है। बारिश बीत जाने के बाद, इसकी गंभीरता गायब हो जाती है। अगर कश्मीर को एक और आपदा से बचाना है, तो लापरवाही का यह चक्र खत्म होना चाहिए।

ईपीजी ने सरकार से बाढ़ पुनर्प्राप्ति और रोकथाम विजन योजना में तेजी लाने, लंबित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को मंजूरी देने और जवाबदेही के लिए आर्द्रभूमि और नदी प्रणालियों की उपग्रह-आधारित निगरानी को संस्थागत बनाने का आग्रह किया। इसने जोर देकर कहा कि बाढ़ प्रबंधन को प्रमुख विकासात्मक प्राथमिकताओं के समकक्ष रखा जाना चाहिए, क्योंकि इसका जीवन, आजीविका और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था से सीधा संबंध है। समूह ने चेतावनी देते हुए कहा कि घाटी एक और 2014 का सामना नहीं कर सकती। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि झेलम बेसिन की सुरक्षा और आर्द्रभूमि को पुनर्जीवित करना न केवल एक पर्यावरणीय दायित्व है, बल्कि कश्मीर के लिए एक अस्तित्वगत आवश्यकता भी है।

संस्कार फ्यूज़न : परोपकार महोत्सव के तीसरे और चौथे दिन भव्य आयोजन

श्रद्धा, भक्ति और संस्कारों का संगम : अभय दान आयुष दान और महागणपति होमम की तैयारियां

हैदराबाद, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। संस्कार फ्यूज़न के परोपकार महोत्सव के तीसरे दिन विभिन्न पंडालों में अभय दान और आयुष दान के अंतर्गत भव्य आयोजन संपन्न हुए। इस अवसर पर 80,000 से अधिक बार हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ हुआ, जिसमें स्कूलों, वेद पाठशालाओं, कॉलेजों और अपार्टमेंट पंडालों के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। वातावरण भक्ति और श्रद्धा से सराबोर हो उठा, और समाज के लोगों ने आशीर्वाद और ज्ञान से भरे संदेशों को आत्मसात किया।

इस आयोजन ने न केवल आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया, बल्कि समाज में सकारात्मकता और एकता का संदेश भी प्रसारित किया।

आयोजन के दौरान संस्था के प्रमुख सहयोगियों-रोहन जी अग्रवाल (अर्बन सीटिंग), जिनेंद्र जी बोहरा (एक्वा टेक), और अभिषेक जी अग्रवाल (येति) का विशेष सम्मान किया गया। निर्णायकों ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए, जिससे उनके उत्साह और समर्पण को और बल मिला।

संस्कार फ्यूज़न के अध्यक्ष भारत चंदा ने अपने प्रेरणादायक संदेश में कहा: हमारा उद्देश्य समाज में सेवा, संस्कार और सकारात्मक सोच का दीप जलाना है। जब युवा पीढ़ी भक्ति, ज्ञान और परोपकार से जुड़ेगी, तो आने वाला कल और अधिक उज्ज्वल, सशक्त और संस्कारित बनेगा। उनके इस कथन ने आयोजन के लक्ष्य को और स्पष्ट किया, जिसमें युवा शक्ति को संस्कारों के साथ जोड़ने का संकल्प झलकता है।

संस्कार फ्यूज़न के उपाध्यक्ष निखिल बहेती ने क्लासिक गार्डन में आयोजित होने वाले महागणपति होमम और 1008 लड्डू वितरण की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने सभी सदस्यों को उनकी जिम्मेदारियाँ सौंपी, जिससे आयोजन की भव्यता को और बढ़ावा मिलेगा। इस आयोजन की तैयारियों ने सभी सदस्यों में उत्साह का संचार किया।

संस्था के कोषाध्यक्ष पूजन अग्रवाल ने कार्यक्रम की समाप्ति पर सभी सदस्यों और सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित रहे: राकेश व्यास, नितिन लखोटिया, राजेश थानवी, धनराज थानवी, विनोद राठी,नवीन चांडक, बबीता फल्लोरे, हितेश अग्रवाल, अर्जुन थानवी, अदेश बोहरा,करण काला, अनिल व्यास, आनंद बोहरा, सचिन जी उपस्थित थे।इन सभी की उपस्थिति ने आयोजन को और भी यादगार बना दिया।

इस भव्य आयोजन ने समाज में नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार किया। संस्कार फ्यूज़न आज परोपकार, संस्कार और सामाजिक एकता की बुलंद आवाज़ बन चुका है। यह मंच न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देता है, बल्कि युवा पीढ़ी को समाज सेवा और सकारात्मकता के लिए प्रेरित करता है।युवा शक्ति के संग, संस्कारों की गूंज हर कोने तक!

बिहार विधानसभा चुनाव: पीएम मोदी 15 सितंबर को पूर्णिया में देंगे सौगात

सीमांचल की 30 सीटों पर एनडीए की नजर

पूर्णिया , 01 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सीमांचल को सौगात देने 15 सितंबर को पूर्णिया आ रहे हैं। इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। इस दौरान पीएम जनसभा को भी संबोधित करेंगे। एनएच 57 स्थित कसबा गुलाब बाग रोड के पास शीशा बाड़ी में सीमा सुरक्षा बल के कैंप स्थित मैदान का पीएम की सभा के लिए चयन किया गया है। पहले शहर के बीचों बीच रंगभूमि मैदान में सभा होनी थी। पूर्णिया दौरे पर प्रधानमंत्री पूर्णिया एयरपोर्ट समेत कई योजनाओं की सौगात देंगे।

इसके मद्देनजर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल प्रदेश उपाध्यक्ष प्रमोद चंद्रवंशी ने सभास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस मौके पर डीएम भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष मनोज कुमार, जिलाधिकारी अंशुल कुमार सहित तमाम प्रशासनिक

पदाधिकारी मौजूद थे। नेपाल के बॉर्डर इलाका को देखते हुए पीएम की सभा को लेकर सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि लाखों लोगों के जनसभा में पहुंचने की उम्मीद है।

इस यात्रा के जरिये एनडीए वोटरों को साधने की कोशिश कर रही है। कटिहार,पूर्णिया,अररिया और किशनगंज में कुल तीस सीटों पर एनडीए की नजर है। विशेषकर अल्पसंख्यक मतदाताओं को अपनी ओर मोड़ने की हर संभव कोशिश की जा रही है। प्रत्याशी की हार जीत के अंतर में मुस्लिम वोटरों की अहम भूमिका है।

पूर्णिया जिले में कुल सात विधानसभा सीटें हैं जिसमें तीन पर एनडीए का कब्जा जबकि दो सीटें महागठबंधन के पास है। अन्य दो सीटों में रूपौली विधानसभा में निर्दलीय शंकर सिंह और अमौर सीट पर एआईएमआईएम अख्तरुल इमान ने कब्जा कर रखा है। एनडीए इस बार सातों सीटों पर जीतने की जद्दोजहद कर रही है। ऐसे में प्रधानमंत्री की पूर्णियां में प्रस्तावित जनसभा काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अनुमान लगाया जा रहा है कि यहां से पीएम कोसी सीमांचल दोनों प्रमंडल के वोटरों को रिझाने का पूरा प्रयास करेंगे।

सात घंटे के अंदर लखनऊ में हुए दो धमाके

पुलिस के संरक्षण में चल रहा विस्फोटकों का धंधा

लखनऊ, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

लखनऊ के गुडंबा इलाके में रविवार को सात घंटे के अंदर एक के बाद एक दो धमाके हुए। इन धमाकों में दो लोगों की मौत हुई और कई घायल हो गए। गुडंबा के बेहटा गांव में रिहायशी इलाके में आलम के घर के अंदर पटाखे बनाने का कारोबार चल रहा था। बेहटा की घटना मात्र बानगी है। शहर और गांव में जगह-जगह अवैध रूप से पटाखे बनाने और उन्हें जमा रखने के मामलों में पुलिस-प्रशासन की असफलता राजधानी के लिए बड़े खतरे का संकेत है। हादसा होने के बाद अधिकारी कह रहे हैं कि आलम के पास लाइसेंस था या नहीं, इसकी जांच की जाएगी। हालांकि सवाल उठने लगा है कि हादसे के बाद जांच से क्या होगा। अगर समय रहते ही जांच की गई होती तो शायद हादसा होने से बचाया जा सकता था। शहर में इस तरह की घटना कोई पहली बार नहीं है। पहले भी जिले में घरों में अवैध रूप से संचालित पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट की घटनाएं हो चुकी हैं। इन घटनाओं में कई लोग जान गंवा चुके हैं। हर घटना के धमाके से जिम्मेदारों की नींद टूटती है और जांच की बात कही जाती है।

बेहटा निवासी आलम के घर में हुए विस्फोट को लेकर पुलिस-प्रशासन की यही बयानबाजी सामने आई। डीसीपी ने दावा किया आलम की भाभी खातूना के नाम पर पटाखे बनाने का लाइसेंस है। खातूना के बेटे वारिस ने लाइसेंस के लिए आ-वेदन किया है। सवाल ये है कि यदि आलम की भाभी के नाम परलाइसेंस है तो आलम के घर में पटाखे क्यों मौजूद थे। रिहायशी इलाके में पटाखे बनाने और रखने का लाइसेंस दिया ही क्यों गया। उधर, मुख्य अग्निशमन अधिकारी अंकुश मित्तल ने साफ कहा है कि आलम के घर में अवैध रूप से पटाखे बनाए जा रहे थे। बेहटा गांव में सुबह व शाम को वहां से कुछ ही दूरी पर एक गोदाम में हुए विस्फोट के मामले में देर रात डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह ने बेहटा चौकी इंचार्ज संतोष पटेल और सिपाही धर्मेश चाहर को निलंबित कर दिया है।

गुडंबा के बेहटा गांव में सुबह हुए विस्फोट के सात घंटे के बाद घटनास्थल से करीब 500 मीटर दूरी पर पटाखों के एक अवैध गोदाम में जोरदार विस्फोट हुआ। हादसे में एक गाय की मौत हो गई और एक भैंस घायल हो गई। धमाका इतना तेज था कि पूरा गोदाम ढह गया। ये गोदाम बेहटा गांव में सुबह हुए हादसे में मृत आलम के भतीजे शेरू का बताया गया है। चर्चा है कि आलम के घर में विस्फोट की खबर के बाद इस अवैध गोदाम को खाली करने का काम चल रहा था। इसी दौरान आग लगी और धमाके से इलाका गूंज उठा। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बेहटा गांव में रहने वाले आलम का भतीजा शेरू सेमरा गांव में पटाखों का एक गोदाम बना रहा था। गोदाम हजार स्क्वायर फीट का था। रविवार शाम साढ़े छह बजे शेरू के गोदाम में जोरदार विस्फोट हुआ और आग-धुएं का गुबार दूर तक देखा गया।

घटना के बाद मौके पर ईंटों का ढेर ही बचा। दूर तक पटाखे फैले नजर आए। विस्फोट की चपेट में आने से मिश्रपुर डिपो निवासी मुन्नू की गाय की मौत हो गई और भैंस घायल हो गई। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह, एडीसीपी पूर्वी पंकज सिंह, एसीपी गाजीपुर ए. विक्रम सिंह और कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। दमकल की दो गाड़ियों ने मौके पर पहुंच पानी डालकर सुलग रहे पटाखों को निष्क्रिय किया।

सुबह के वक्त बेहटा गांव में हुए विस्फोट के मुकाबले शाम के वक्त शेरू के गोदाम में हुए धमाके की तीव्रता पांच गुना थी। लोगों का कहना है कि धमाके की आवाज तीन से चार किलोमीटर दूर तक लोगों को सुनाई दी। इससे पूरा इलाका दहल गया। लोग डर के चलते घरों से बाहर निकल आए। इस बीच पुलिस की साइयन बजाती गाड़ियां दौड़ने लगीं। कुछ देर के बाद ग्रामीणों को पता चला कि पटाखे के गोदाम में विस्फोट हुआ था।

बीते पांच वर्ष में इस गांव में छोटे-बड़े मिलाकर इस तरह के चार हादसे हो चुके हैं। इसके बावजूद घरों में पटाखे बनाने का धंधा बंद नहीं हुआ। बेहटा गांव में पटाखों में विस्फोट से जान गंवाने वाले आलम के घर से कुछ दूरी पर रामचंद्र का घर है। उन्होंने बताया कि इस रिहायशी इलाके में कई लोग काफी समय से घर में पटाखे बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि गांव में वर्ष 2020 से लेकर अब तक चार बार पटाखे के कारण घरों में विस्फोट की घटनाएं हो चुकी हैं। पहले भी एक महिला की जान जा चुकी है। ग्रामीण इदरीश ने बताया कि गांव में काफी समय से पटाखा बनाने का कारोबार हो रहा है। कई बार लोगों ने शिकायत भी की, मगर न पुलिस और प्रशासन ने कुछ नहीं किया। हर समय लोगों को अपनी जान जाने का डर बना रहता है। उन्होंने कहा कि आज दो लोगों की जान गई है। इसी तरह पटाखे बनते रहे तो और भी लोग हादसे के शिकार बन जाएंगे।

एससी-एसटी को 23 की जगह दे दिया 78% आरक्षण

सामान्य के हिस्से में आई सिर्फ नौ फीसदी सीटें

लखनऊ, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

राजकीय मेडिकल कॉलेज कन्नौज, अंबेडकरनगर, जालौन और सहारनपुर में एमबीबीएस के दाखिलों में अनुसूचित जाति एवं जनजाति को 23 के बजाय 78 फीसदी आरक्षण दे दिया गया। वहीं अति पिछड़े वर्ग को 13 फीसदी और सामान्य का हिस्सा सिर्फ नौ फीसदी जबकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) का कोटा लागू ही नहीं किया। ऐसे में हाईकोर्ट ने नीट 2025 की काउंसिलिंग रद्द करने का आदेश दिया है। हालांकि अब चिकित्सा शिक्षा विभाग दोबारा अपील की तैयारी में जुटा है।

प्रदेश में अनुसूचित जाति को 21, अनुसूचित जनजाति को 2, अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 और ईडब्ल्यूएस को 10 फीसदी आरक्षण देने की व्यवस्था है। मेडिकल कॉलेजों का निर्माण अलग-अलग समय पर हुआ है। कन्नौज, अंबेडकरनगर, जालौन और सहारनपुर स्थित मेडिकल कॉलेज के निर्माण के वक्त समाज कल्याण विभाग की ओर से विशेष घटक के तहत 70 फीसदी बजट दिया गया। जबकि 30 फीसदी बजट सामान्य था।

हाईकोर्ट में दाखिल की गई याचिका में बताया गया कि इन कॉलेजों में दाखिला लेने वाले छात्रों को हॉस्टल में अनुसूचित जाति एवं जनजाति के बच्चों को 70 फीसदी आरक्षण देना था, लेकिन विभागीय अधिकारियों की लापरवाही से इसकी गलत व्याख्या कर दी गई। इसके बाद एमबीबीएस के दाखिलों में अनुसूचित जाति और जनजाति को 23 फीसदी आरक्षण देने की जगह 78 फीसदी आरक्षण दे दिया गया। यह व्यवस्था कई साल से चल रही है। इस वर्ष की काउंसिलिंग में भी इसी व्यवस्था के तहत सीटें आवंटित की गई हैं। ऐसे में हाईकोर्ट ने काउंसलिंग को ही रद्द कर दिया है।

इन चारों कॉलेजों में एमबीबीएस की 100 सीटें हैं। जिसमें 15 फीसदी सीटें केंद्र के कोटे की हैं। बची 85 फीसदी सीटों में 78 फीसदी एससी-एसटी को दी गईं। बाकी सीटों पर पिछड़े व सामान्य वर्ग के अभ्यार्थियों को दाखिला दिया गया। खास बात यह है कि इन चारों कॉलेजों में ईडब्ल्यूएस को एक भी सीट नहीं दी गई। हाईकोर्ट के आदेश को लेकर चिकित्सा शिक्षा विभाग दोबारा अपील की तैयारी में है। इसके लिए संबंधित कॉलेजों के निर्माण से जुड़े दस्तावेज जुटाए जा रहे हैं। उन दस्तावेजों की भी पड़ताल शुरू की गई है, जिसमें निर्माण के वक्त आरक्षण की बात कही गई है। विभाग के अधिकारी यह भी तर्क दे रहे हैं कि संबंधित कॉलेजों में पहले से ही इसी आरक्षण व्यवस्था के तहत एमबीबीएस की सीटें आवंटित होती रही हैं। यही वजह है कि इस वर्ष भी पूर्व में लागू व्यवस्था के तहत सीटें आवंटित की गई है। प्रथम चरण की काउंसलिंग रद्द किए जाने से सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों की सीट मैट्रिक प्रभावित होगी। खाली सीटों के आवंटन में भी दिक्कतें आएंगी।

व्यापारी बने अपराधी : 52 डेबिट कार्ड के साथ पांच व्यापारी गिरफ्तार

आगरा, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

पुलिस ने फर्नीचर और मूर्ति व्यापारी समेत पांच लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह गिरोह एटीएम पर आने वाले ग्राहकों को बातों में उलझाकर क्लोरोफॉर्म सुंघाकर बेहोश कर देता था और फिर डेबिट कार्ड बदलकर खाते से रकम निकाल लेता था।

गाजियाबाद के फर्नीचर और मूर्ति व्यापारी एटीएम में आने वाले ग्राहकों को बातों में उलझाकर बेहोश कर देते थे। डेबिट कार्ड बदलकर खाते से रकम निकाल लेते थे। पुलिस टीम ने दसवीं पास दो सरगना सहित पांच को पकड़ा है। उनके पास से अलग-अलग बैंकों के 52 डेबिट कार्ड बरामद किए हैं। एसीपी हरीपर्वत अक्षय संजय महाडिक ने बताया कि 5 अगस्त को रुनकता निवासी समीर भाभी के डेबिट कार्ड से रुपए निकालने के लिए सिकंदरा स्थित एचडीएफसी बैंक के एटीएम गए थे। जब एटीएम से रुपए निकालने लगे, तो दो लोग आ गए। उन्होंने बातों में उलझाकर कुछ सुंघाकर बेहोश कर दिया। आरोपी डेबिट कार्ड बदलकर 20 हजार रुपए खाते से निकाल चुके थे। पुलिस को सीसीटीवी फुटेज में दो आरोपी स्कूटर से एटीएम के बाहर नजर आए।

स्कूटर की पहचान के आधार पर पांच आरोपियों को पकड़ लिया गया। पुलिस की पूछताछ में आरोपी सोहिल और अमन मुख्य सरगना हैं। सोहिल का फर्नीचर और अमन का मूर्तियां बनाने का काम है। दोनों दसवीं तक पढ़े हैं। व्यापार से उनके खर्चे पूरे नहीं हो पाते हैं। इस कारण वारदात करते हैं। अपने पास क्लोरोफॉर्म रखते हैं। एटीएम आने वाले व्यक्ति को कपड़े में क्लोरोफॉर्म सुंघाकर बेहोश कर देते थे। उसके बाद डेबिट कार्ड बदल देते थे।

पुलिस को जानकारी मिली है कि आरोपियों ने दिल्ली एनसीआर में वारदात की है। इसके विषय में जांच जारी है। खालिद दूध, फराज की टैक्सी चलाने और हारुन कपड़ों पर प्रेस का काम करता है। वह कार से अलग-अलग जगह जाते थे। कम पढ़े लिखे लोगों को शिकार बना लेते थे। पुलिस ने गाजियाबाद निवासी सोहिल, अमन, खालिद, हारून और फराज को गिरफ्तार किया है। उनसे 52 डेबिट कार्ड, दो तमंचे, चार कारतूस, 5930 रुपए, चार मोबाइल और एक कार बरामद की गई है।

विमुक्त जाति दिवस समारोह में सीएम योगी का बड़ा ऐलान

घुमंतू जातियों के लिए गठित होगा बोर्ड

घुमंतू जातियों को मिलेगा सरकारी योजनाओं का लाभ

लखनऊ, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की विमुक्त एवं घुमंतू जातियों के कल्याणार्थ आयोजित विमुक्त जाति दिवस समारोह में घोषणा की कि घुमंतू और विमुक्त जातियों के कल्याण के लिए एक विशेष बोर्ड का गठन किया जाएगा। इन जातियों के लोगों को कॉलोनी और मकान उपलब्ध कराने की योजना पर भी काम किया जाएगा। योगी आदित्यनाथ ने विमुक्त जाति दिवस पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नट, बंजारा, बावरिया, सासी, कंजड़, कालबेलिया, सपेरा और जोगी जैसी जातियां देश की वह वीर जातियां हैं जिन्होंने विदेशी हमलों के समय योद्धा के रूप में संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि इन जातियों ने कभी मुगलों के खिलाफ तो कभी अंग्रेजों के खिलाफ अदम्य साहस के साथ लड़ाई लड़ी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अंग्रेजों ने इनके पराक्रम से भयभीत होकर वर्ष 1871 में क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट लागू किया और इन जातियों को जन्म से ही अपराधी घोषित कर दिया। स्वतंत्रता के बाद भी 1952 तक यह कलंक इन पर लगा रहा। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के प्रयासों से 31 अगस्त 1952 को इन जातियों को इससे मुक्ति मिली। उन्होंने कहा कि विमुक्त जाति दिवस उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाता है जब इन समुदायों को आजादी के मायने समझ आए। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में केंद्र और राज्य सरकार पूरी ईमानदारी से विमुक्त और घुमंतू जातियों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। प्रदेश में शिक्षा और आवास की दिशा में अनेक योजनाएं लागू की गई हैं।

उन्होंने बताया कि 9 जनपदों में जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय संचालित हो रहे हैं, दो आवासीय आश्रम पद्धति विद्यालय प्रारंभ हो चुके हैं, जबकि 101 आवासीय विद्यालय पहले से चल रहे हैं। यहां छात्रों को रहने, खाने से लेकर यूनिफॉर्म तक की व्यवस्था सरकार कर रही है। इसके अलावा 264 राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावासों में विमुक्त जातियों के बच्चों के लिए भी विशेष सुविधा दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने वनटांगिया समाज का उदाहरण देते हुए कहा कि उनकी सरकार ने उन्हें राजस्व गांव का दर्जा दिया, मताधिकार का अधिकार दिया, उनके लिए घर, स्कूल और अस्पताल बनवाए। इसी तरह मुसहर, कोल, थारू, गौड़, चेरो और सहरिया जैसी जातियों के लिए भी योजनाएं संचालित की गईं। कुम्हार, निषाद और राजभर समाज को भी सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया है।

सीएम ने कहा कि अब विमुक्त और घुमंतू जातियों को भी जमीन के पट्टे और मतदान की सुविधा दी जाएगी। इस संबंध में उन्होंने समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण से मंच से ही कहा कि घुमंतू जातियों के लिए बोर्ड का गठन किया जाए। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जैसे शामली और वनटांगिया का मॉडल बना, उसी तरह घुमंतू जातियों के लिए भी योजनाएं लागू होंगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रदेश की पुलिस भर्ती में घुमंतू जातियों से जुड़े कई युवक-युवतियों का चयन हुआ है, जो इस बात का प्रमाण है कि सरकार बिना भेदभाव के सभी वर्गों को समान अवसर दे रही है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री संजय निषाद, मंत्री असीम अरुण, नरेन्द्र कश्यप, संजीव गौड़, बैजनाथ रावत, बेचन राम, जीत सिंह खरवार, विश्वनाथ प्रसाद, वाईपी सिंह, भगवान नाथ, डॉ. शोभा चौधरी सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा

संभल में हिंदू समुदाय हमेशा पीड़ित रहा

पृथ्वीराज चौहान ने बनवाया था हरिहर मंदिर बाबर ने मस्जिद बनाया

लखनऊ, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

यूपी के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संभल मुद्दे पर लोकभवन में पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि न्यायिक जांच आयोग ने रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंप दी है। जांच रिपोर्ट अभी सार्वजनिक नहीं हुई है। हम इसे कैबिनेट में ले जाएंगे, इसके उपरांत कार्रवाई के लिए उसे आगे भेजेंगे, फिर इस संदर्भ में बात करेंगे। उप मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि आज की बातचीत न जांच रिपोर्ट से प्रेरित है और न ही उसका संदर्भ लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी के पहले और 2024 से लेकर कई बार संभल की चर्चा आई है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि संभल में डेमोग्राफी बदलने के बारे में समय-समय पर मीडिया रिपोर्ट आती रहती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार चर्चा करते हैं कि यूपी व अन्य राज्यों में डेमोग्राफी बदलने के लिए संगठित रूप से कुछ गिरोह विदेशी ताकतों के इशारे पर करते हैं। हमारी प्रतिबद्धता सभी को साथ लेकर चलने की है। हम किसी भी स्थिति में डेमोग्राफी बदलने नहीं देंगे और पूर्ववर्ती स्थिति मेंटेन करेंगे। पाठक ने कहा कि 1924 में संभल में दंगा हुआ था। कई हिंदु परिवारों को मौत के घाट उतार गया था। उस समय महात्मा गांधी ने जवाहर लाल नेहरू से कहा था कि आप वहां का दौरा कीजिए। 8-10 सितंबर1924 को जवाहर लाल नेहरू ने दौरा किया और 12 सितंबर को 13 पन्नों की रिपोर्ट महात्मा गांधी को सौंपी थी।

डिप्टी सीएम ने एक सदी पहले नेहरू की उस रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि रिपोर्ट में स्पष्ट है कि संभल में हिंदू सदा पीड़ित रहे। तुष्टिकरण और समाज को बांटने वाली सरकारों ने जनसंख्या संतुलन को बिगड़ने दिया। उस पर कार्रवाई नहीं की, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। हमारी सरकार संभल सहित पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था को बरकरार रखेगी। पाठक ने कहा कि संभल में जो दंगा हुआ था, मुस्लिम समाज के उपद्रवियों ने मंदिरों को निशाना बनाया था। कई हिंदू परिवारों को मौत के घाट उतार दिया था। एक हिंदू को कुएं में धकेल कर असमय मौत के मुंह में फेंक दिया गया था। कई लोगों की हत्या हुई, कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। उस समय नेहरू जी ने रिपोर्ट में कहा था कि हरिहर मंदिर महाराज पृथ्वीराज चौहान ने बनवाया था। बाबर ने इसे मस्जिद में बदलने का कार्य किया। यह ऐतिहासिक दस्तावेज बताता है कि संभल में हिंदुओं की पीड़ा अचानक नहीं हुई। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन परंपरा के धार्मिक ग्रंथों में जानकारी मिलती है कि संभल में भगवान कल्कि का अवतार होने वाला है, इसलिए हर भारतवासी के मन में संभल के प्रति अटूट आस्था रही है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि उस समय से लेकर अब तक संभल में एससी, एसटी समाज हो या रस्तोगी-दुबे परिवार के सदस्य, डेमोग्राफी बदलने में किसी को भी बख्शा नहीं गया। सबके खिलाफ हमेशा अत्याचार होते हुए सरकार चलाई गई। नतीजतन हिंदु भाई-बहनों को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा। उनके घर-मकान छीन लिए गए। कानून व्यवस्था नाम मात्र की रह गई, लेकिन 2017 के बाद से संभल, शामली, कैराना, मुजफ्फरनगर में पूरी तरह से पलायन रूका है और लोग अपने घरों को लौट रहे हैं।

गंभीर रूप से बीमार कैदियों की रिहाई के स्पष्ट नियम बनाने का निर्देश

लखनऊ, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंभीर बीमारियों से ग्रसित बंदियों की समयपूर्व रिहाई से संबंधित नियमों को और अधिक सरल, स्पष्ट तथा मानवीय दृष्टिकोण से परिभाषित किए जाने की आवश्यकता जताई। सोमवार को कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाओं की समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का अनुपालन करते हुए प्रदेश की नीति को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि पात्र बंदियों की रिहाई स्वतः विचाराधीन होनी चाहिए और इसके लिए उन्हें अलग से आ-वेदन न करना पड़े।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्राणघातक रोग से पीड़ित होने की आशंका वाले सिद्धदोष बंदी, जिसे मुक्त करने पर उसके स्वस्थ होने की उपयुक्त संभावना है तथा वृद्धावस्था, अशक्तता या बीमारी के कारण भविष्य में ऐसा अपराध करने में स्थायी रूप से असमर्थ बंदी, जिसके लिये वह दोषी ठहराया गया हो के साथ-साथ घातक बीमारी या किसी प्रकार की अशक्तता से पीड़ित सिद्धदोष बंदी जिसकी मृत्यु निकट भविष्य में होने की संभावना हो, के संबंध में प्रदेश के सभी कारागारों में सर्वेक्षण कर वास्तविक संख्या का आकलन किया जाए। इनमें महिलाओं, बुजुर्गों को प्राथमिकता के आधार पर रिहा करने की व्यवस्था हो। मुख्यमंत्री ने कैदियों को कृषि, गोसेवा आदि कार्यों से जोड़कर उनकी जेल अवधि के सदुपयोग करने के लिए व्यवस्था बनाने की भी आवश्यकता बताई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जेल मैनुअल में यह भी स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाना आवश्यक है कि किन बीमारियों को असाध्य रोग की श्रेणी में रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज की सुरक्षा सर्वोपरि है। इसलिए समयपूर्व रिहाई उन्हीं मामलों में की जानी चाहिए, जहां से सामाजिक जोखिम न हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि हत्या, आतंकवाद, देशद्रोह, महिला और बच्चों के विरुद्ध जघन्य अपराध जैसे मामलों में रिहाई कतई नहीं की जानी चाहिए।

संपादकीय

विरोधियों की महाशक्ति

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप की अपरिपक्वता, खीझ और टैरिफवाद ने उन शक्तियों को एकजुट करा दिया, जो अभी तक बिखरी हुई थीं। आपस में साझापन और सामंजस्य नहीं था। आपसी एकजुटता और लामबंदी का मूल्यांकन नहीं किया गया था। बल्कि शत्रुता के भाव ज्यादा थे। कुछ हमलावर घटनाएं भी हुई थीं। भारत के लिए 1962 का युद्ध विस्मृत-सा अतीत है, क्योंकि उसके बाद भारत और चीन विश्व की महाशक्तियां बन चुकी हैं। इस बार 'शंघाई सहयोग संगठन' (एससीओ) के बैनर तले 26 देशों के राष्ट्राध्यक्षों और प्रधानमंत्रियों ने जिस शिखर सम्मेलन का आगाज किया है, वे देश विश्व की नई महाशक्ति बन सकते हैं। वे देश नई वैश्विक व्यवस्था भी तैयार कर सकते हैं। एससीओ के इन 26 देशों की कुल जीडीपी 106 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है। दुनिया की 40 फीसदी से अधिक आबादी इन देशों में बसती है, जो इन देशों की बुनियादी लाभांश है। यह आबादी एक सामूहिक शक्ति है। इन देशों का कुल तेल रिजर्व दुनिया के 20 फीसदी के बराबर है। इन देशों के पास 5200 से अधिक परमाणु अस्त्र हैं, हालांकि अधिकतर देश परमाणु सम्पन्न नहीं हैं। रूस और चीन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी, वीटो पॉवर धारक देश हैं। दूसरी तरफ अमरीका के पक्ष में नाटो और यूरोपीय देश भी नहीं हैं। ब्रिटेन और फ्रांस सरीखे वीटो पॉवर देश भी पूर्णतः अमरीका के पक्ष में नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफवाद ने 'विरोधियों की महाशक्ति' के उभरने का मौका दिया है, जबकि अमरीका की फेडरल अपीलीय अदालत ने 7-4 के फैसले से ट्रंप के टैरिफवाद को 'अवैध' करार दिया है। अदालत का मानना है कि राष्ट्रपति के पास ऐसे आपातकालीन, असीमित अधिकार नहीं हैं। सिर्फ अमरीकी कांग्रेस (संसद) ही ऐसे व्यापक टैरिफ को स्वीकृति दे सकती है। अब राष्ट्रपति ट्रंप के पास 14 अक्तूबर तक का समय है कि वह इस अदालती फैसले को सर्वोच्च अदालत में चुनौती दे सकते हैं। बहरहाल एससीओ के विमर्श का अकेला मुद्दा टैरिफवाद नहीं है। दरअसल अब अमरीका के एकाधिकारवाद के खिलाफ देश लामबंद हो रहे हैं। भारत, चीन, रूस सरीखी शक्तियां, अन्य देशों के पूर्ण समर्थन के साथ, अपने पुराने मतभेदों को हाशिए पर रखकर लामबंद हो रही हैं, तो इसमें अमरीकी राष्ट्रपति की 'दादागीरी' की भूमिका अत्यधिक है। सात लंबे सालों के बाद प्रधानमंत्री मोदी न केवल चीन प्रवास पर हैं, बल्कि रविवार, 31 अगस्त, 2025 की सुबह 9.35 बजे चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ करीब एक घंटा द्विपक्षीय बातचीत भी हुई है। यह मुलाकात बेहद महत्वपूर्ण है। साझा संवाद के मुद्दे बाद में सार्वजनिक हुए, लेकिन भारत-चीन की यह एकजुटता ही 'महाशक्ति' का सूत्रपात करती है। दोनों देशों ने सीमा-विवाद सुलझाने का एक रोडमैप और कार्यबल भी तय कर लिए हैं। हालांकि यह एक लंबी और पेचीदा प्रक्रिया है। मोदी, जिनपिंग के साथ रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी इस मंच पर मौजूद हैं। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन का द्विपक्षीय संवाद भी सोमवार को संभव है। 'विरोधियों की महाशक्ति' के निर्माण में जापान भी शामिल है, जो 'क्वाड' में भारत, अमरीका, ऑस्ट्रेलिया के साथ सदस्य है। 'क्वाड' की अक्तूबर-नवंबर में भारत में होने वाली शिखर बैठक में राष्ट्रपति ट्रंप के शिरकत के आसार नगण्य हैं। बहरहाल जापान ने भारत में 6 लाख करोड़ रुपए के निवेश का समझौता प्रधानमंत्री मोदी के हालिया प्रवास के दौरान किया है। सुजुकी कॉरपोरेशन ने भी 70,000 करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा की है। हालांकि अमरीका ने जापान पर सिर्फ 15 फीसदी का टैरिफ लगाया है, लेकिन जब व्यापक स्तर पर महाशक्तियों का ध्रुवीकरण हो रहा है, तो जापान भी उसमें शामिल हो रहा है। बहरहाल आने वाले दिनों में वैश्विक समीकरण बदलेंगे, तो ऐसा नहीं है कि भारत-अमरीका के रणनीतिक साझेदारी वाले संबंध एकदम समाप्त हो जाएंगे। इस संदर्भ में अब अमरीका को लचीलापन दिखाना होगा, क्योंकि भारत ने 40 देशों के साथ निर्यात बढ़ाने का बुनियादी फैसला ले लिया है। चीन की पेशकश बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि दुर्लभ खनिज के लिए अमरीका में भी मारा-मारी हो रही है। इस संदर्भ में चीन की एकाधिकार वाली स्थिति है।

'शंघाई सहयोग संगठन' (एससीओ) के बैनर तले 26 देशों के राष्ट्राध्यक्षों और प्रधानमंत्रियों ने जिस शिखर सम्मेलन का आगाज किया है, वे देश विश्व की नई महाशक्ति बन सकते हैं। वे देश नई वैश्विक व्यवस्था भी तैयार कर सकते हैं। एससीओ के इन 26 देशों की कुल जीडीपी 106 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है। दुनिया की 40 फीसदी से अधिक आबादी इन देशों में बसती है, जो इन देशों की बुनियादी लाभांश है। यह आबादी एक सामूहिक शक्ति है। इन देशों का कुल तेल रिजर्व दुनिया के 20 फीसदी के बराबर है। इन देशों के पास 5200 से अधिक परमाणु अस्त्र हैं, हालांकि अधिकतर देश परमाणु सम्पन्न नहीं हैं। रूस और चीन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी, वीटो पॉवर धारक देश हैं। दूसरी तरफ अमरीका के पक्ष में नाटो और यूरोपीय देश भी नहीं हैं। ब्रिटेन और फ्रांस सरीखे वीटो पॉवर देश भी पूर्णत: अमरीका के पक्ष में नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफवाद ने 'विरोधियों की महाशक्ति' के उभरने का मौका दिया है, जबकि अमरीका की फेडरल अपीलीय अदालत ने 7-4 के फैसले से ट्रंप के टैरिफवाद को 'अवैध' करार दिया है। अदालत का मानना है कि राष्ट्रपति के पास ऐसे आपातकालीन, असीमित अधिकार नहीं हैं।

50 फीसदी टैरिफ से भारत से होने वाले निर्यात और भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव से निपटने के लिए रणनीतिक तैयारी का परिदृश्य दिखाई दे रहा

ट्रंप को जवाब देती भारत की आर्थिकी

डा. जयंती लाल भंडारी

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ हथियार के डर से दुनिया के अधिकांश देश अमरीका के सामने झुकते हुए उसकी व्यापार शर्तों को मानते हुए दिखाई दे रहे हैं, तब भारत अमरीका के साथ कारोबार समझौते के तहत अपने करोड़ों किसानों और मछुआरों के हितों के मद्देनजर अमरीका के सामने बिना झुके अपनी शर्तों के साथ अडिग खड़े हुए है और तेजी से बढ़ती भारत की अर्थव्यवस्था ट्रंप को जवाब दे रही है। 29 अगस्त को प्रकाशित वित्त वर्ष 2025-26 के तहत अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है। एक साल पहले, अप्रैल-जून 2024 की तिमाही में यह आंकड़ा 6.5 फीसदी था। इसी परिप्रेक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की विकास दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है।

यकीनन इन दिनों पूरी दुनिया आश्चर्य के साथ देख रही है कि जब अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ हथियार के डर से दुनिया के अधिकांश देश अमरीका के सामने झुकते हुए उसकी व्यापार शर्तों को मानते हुए दिखाई दे रहे हैं, तब भारत अमरीका के साथ कारोबार समझौते के तहत अपने करोड़ों किसानों और मछुआरों के हितों के मद्देनजर अमरीका के सामने बिना झुके अपनी शर्तों के साथ अडिग खड़े हुए है और तेजी से बढ़ती भारत की अर्थव्यवस्था ट्रंप को जवाब दे रही है। 29 अगस्त को प्रकाशित वित्त वर्ष 2025-26 के तहत अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है। एक साल पहले, अप्रैल-जून 2024 की तिमाही में यह आंकड़ा 6.5 फीसदी था। इसी परिप्रेक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की विकास दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। गौरतलब है कि ट्रंप के द्वारा 27 अगस्त से भारत पर लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ से भारत से होने वाले निर्यात और भारतीय अर्थव्यवस्था पर पडऩे वाले प्रभाव से निपटने के लिए रणनीतिक तैयारी का परिदृश्य दिखाई दे रहा है। 29 अगस्त को वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार टैरिफ चुनौती के मद्देनजर कई उपायों की तैयारी कर रही है। चूंकि ट्रंप की ओर से भारतीय उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ से अमरीका को भारत से होने वाले वस्तु निर्यात का करीब 55 फीसदी यानी करीब 48 अरब का निर्यात प्रभावित हो सकता है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने अपने कुल निर्यात का पांचवां हिस्सा यानी करीब 86.5 अरब डालर मूल्य की वस्तुओं का अमरीका को निर्यात किया था। ऐसे में भारत के निर्यातकों के सामने कुछ चुनौतियां खड़ी होती हुई दिखाई दे रही हैं। इसमें भी कोई दो मत नहीं है कि अमरीका द्वारा लगाए गए ऊंचे शुल्क और वैश्विक अनिश्चितताओं का असर इस वित्त वर्ष 2025-26 में घरेलू निजी निवेश पर पड़ सकता है। भारत और अमरीका के बीच व्यापार करार नहीं होने की स्थिति में कुछ क्षेत्रों को कुछ प्रभाव के लिए तैयार रहना होगा, विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और

मध्यम उपक्रम क्षेत्र को चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। यह कोई छोटी बात नहीं है कि हाल ही में अमरीकी ग्लोबल रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने कहा कि अमरीका के द्वारा भारत पर 50 फीसदी ऊंचे टैरिफ लगाने से भारत की आर्थिक तरक्की पर कोई खास असर नहीं होगा और भारत की अर्थव्यवस्था बढऩे की प्रवृत्ति बनाए रखेगी। भारत की 'सॉवरेन रेटिंग' का नजरिया अभी भी सकारात्मक बना रहेगा। चूंकि भारत एक निर्यात-उन्मुख अर्थव्यवस्था नहीं है, ऐसे में भारत को टैरिफ संबंधी ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है। इसी तरह मॉर्गन स्टैनली रिसर्च के एक विश्लेषण में कहा गया है कि भारत की घरेलू मांग मजबूत होने के कारण अमरीका के द्वारा भारत से निर्यात पर ऊंचे टैरिफ लागू किए जाने से विकास दर पर आधा फीसदी से भी अधिक असर होगा। ऐसे में भारत के द्वारा ट्रंप टैरिफ के मुकाबले के लिए छह सूत्रीय रणनीति जरूरी दिखाई दे रही है। एक, नए निर्यात बाजार में कदम रखे जाएं। दो, तेज बढ़ते घरेलू बाजार व अनुकूल आर्थिक परिदृश्य से विकास दर बढ़ाई जाए। तीन, मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की डगर पर तेजी से आगे बढ़ा जाए। चार, स्वदेशी अपनाएं। पांच, सेवा निर्यात बढ़ाएं और छह, अमरीका के साथ व्यापार संवाद लगातार कायम रखा जाए। यह बात महत्वपूर्ण है कि भारत ने निर्यातकों को सहारा देने की नई रणनीति सुनिश्चित की है। निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 40 देशों में विशेष संपर्क कार्यक्रम चलाने की योजना बनाई है। इस पहल के तहत ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, फ्रांस, इटली, स्पेन, नीदरलैंड, पोलैंड, कनाडा, मेक्सिको, रूस, बेल्जियम, तुर्किये, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और आस्ट्रेलिया जैसे प्रमुख देशों को शामिल किया गया है। सरकार अमरीका से इतर अन्य देशों से मित्रता मजबूत कर रही है। 29-30 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान के साथ मैत्री का अध्याय मजबूत किया और टोक्यो में ऐलान किया कि जापानी तकनीक और भारतीय टेलेंट दुनिया को बदल देंगे। भारत के द्वारा चीन और रूस के साथ भी विदेश व्यापार के नए अध्याय आगे बढ़ाए जा रहे हैं। ट्रंप टैरिफ से मुकाबले के लिए ऐसे उपायों के साथ-साथ भारत ने सरल कर व्यवस्था और लोगों की क्रयशक्ति बढ़ाकर घरेलू खपत बढ़ाने की योजना बनाई है। भारत घरेलू खपत बढ़ाकर कुछ हद तक अमरीकी व्यापार में हुए नुकसान की भरपाई कर सकता है। वैश्विक व्यापार में हो रहे उतार-चढ़ाव के बीच भारत को बचाने में भारत की घरेलू खपत अहम भूमिका निभा रही है। पिछले वर्ष 2024 में भारत का खुदरा बाजार 1060 अरब डॉलर का था, यह सालाना 10 फीसदी की दर से बढ़ते हुए 2030 तक 1930 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच सकता है। निःसंदेह भारत एफटीए की डगर पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत के द्वारा ईएफटीए, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और यूके के साथ किए गए एफटीए अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। भारत को यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ एफटीए से मजबूत लाभ हुआ है। यूएई के साथ, पिछले चार-पांच वर्षों में सेवाओं का निर्यात लगभग दोगुना हो गया है। हाल ही में उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री ने राज्यसभा में बताया कि भारत और ओमान के बीच एफटीए को लेकर बातचीत पूरी हो चुकी है और जल्द ही दोनों के बीच शीघ्र ही एफटीए पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है और इस वर्ष 2025 के अंत तक यूरोपीय यूनियन के साथ एफटीए लागू होने की पूरी संभावना है। इससे भारत के लिए दुनिया का एक बड़ा और महत्वपूर्ण बाजार खुल जाएगा। विगत 10 जुलाई को भारत में स्विटजरलैंड की राजदूत माया तिस्साफी ने कहा कि भारत और 4 सदस्य देशों आइसलैंड, स्विटजरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टीन वाले यूरोपिटन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) के बीच व्यापार समझौता अक्टूबर 2025 से लागू हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि 24 जुलाई को भारत और ब्रिटेन (यूके) के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के पीएम किएर स्टार्मर की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए हैं। भारत के द्वारा कतर, न्यूजीलैंड, पेरू, चिली, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजराइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य देशों के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप देने की डगर पर आगे कदम बढ़ाए जा रहे हैं। निश्चित रूप से अब नई रणनीति के तहत घरेलू खपत बढ़ाने हेतु स्वदेशी अपनाने और स्वदेशी उद्योग-कारोबार को हरसंभव तरीके से प्रोत्साहित किया जाना जरूरी होगा। साथ ही पूरी दुनिया में भारत के सेवा निर्यात को तेज रफ्तार से बढ़ाना होगा। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भारत से 385 अरब डॉलर का सेवा निर्यात किया गया, अब इस वर्ष भारत को 450 अरब डॉलर का लक्ष्य पाने की दिशा में रणनीतिक रूप से आगे बढऩा होगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि इस समय भारत और अमरीका के बीच द्विपक्षीय कारोबार समझौते (बीटीए) और अंतरिम व्यापार समझौते के लिए संवाद बनाए रखना होगा। 27 अगस्त को नया टैरिफ लागू होने के बाद भी भारत-अमरीका के बीच व्यापार वार्ता आगे बढ़ी है।

देश दुनिया से

ड्रैगन और हाथी की मुलाक़ात से वैश्विक राजनीति में बड़ी हलचल हो गयी है

तियानजिन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाक़ात को सिर्फ़ औपचारिक कूटनीतिक शिष्टाचार मान लेना भूल होगी। यह दरअसल उन जटिल और उलझे रिश्तों को नया आकार देने का प्रयास था, जिन्हें पूर्वी लद्दाख में चीनी घुसपैठ ने गहरी चोट पहुँचाई थी। सीमा पर खून बहने के बाद अब बीजिंग नरमी दिखा रहा है, तो यह उसकी मज़बूरी है— भारत की नहीं। भारत ने यह बार-बार साफ किया है कि रिश्ते तभी आगे बढ़ेंगे जब सीमा पर शांति होगी। मोदी ने तियानजिन में यही संदेश दोहराया कि "सीमा स्थिर रहेगी तभी भरोसा टिकेगा।" देखा जाये तो चीन की पंचशील वाली बात भारत के लिए खोखले आश्वासन से ज्यादा मायने नहीं रखती क्योंकि पिछले वर्षों का अनुभव यही कहता है कि बीजिंग के शब्द और ज़मीन पर उसका व्यवहार मेल नहीं खाते। असली सवाल अब यही है कि क्या बीजिंग अपने वादों को ज़मीन पर उतारेगा, या फिर एक बार फिर "हाथ मिलाओ और पीछे से वार करो" वाली नीति अपनाएगा? फिलहाल तस्वीरें चमकीली हैं, लेकिन भारत ने बहुत स्पष्ट कर दिया है कि रिश्तों की असली परीक्षा सीमा पर होगी, कूटनीतिक भोज या लाल कालीन पर नहीं। देखा जाये तो भारत और चीन के द्विपक्षीय संबंध शुरू से ही जटिल रहे हैं। यह 1949 से कभी गहरे मतभेदों तो कभी सीमित सामंजस्य के उतार-चढ़ाव से गुज़रे हैं। पूर्वी लद्दाख में चीनी घुसपैठ से शुरू हुई कठिनाइयों के बाद अब विश्व की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ भारत और चीन, अपने संबंधों को पटरी पर लाने के इच्छुक दिख रही हैं। कज़ान (रूस) में पिछले वर्ष आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से यह प्रक्रिया शुरू हुई थी जिसे तिआनजिन में आगे बढ़ाया गया है। देखा जाये तो भारत हमेशा से अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को महत्व देता रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की 'मेरा कहना मानो वरना टैरिफ झेलो' वाली नीतियों ने इस सिद्धांत की सबसे बड़ी परीक्षा ली। मोदी ने न ट्रंप की 'नोबेल पुरस्कार' वाली हठधर्मिता को महत्व दिया, न ही उनकी टीम की उकसावे भरी बातों पर प्रतिक्रिया दी। भारत ने रूसी तेल खरीदने का निर्णय भी जारी रखा और पीछे नहीं हटा। तिआनजिन में शी जिनपिंग के साथ बैठक का सबसे बड़ा संदेश यही था कि भारत अपने निर्णय स्वतंत्र रूप से लेगा और किसी तीसरे देश की इच्छा से प्रभावित नहीं होगा। हम

आपको यह भी बता दें कि चीन की 'वुल्फ वॉरियर डिप्लोमेसी' अब नरम पड़ती दिखाई दे रही है। इसके पीछे कई कारण हैं। जैसे- चीन की धीमी होती अर्थव्यवस्था, रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों की समस्याएँ और बढ़ती युवा बेरोज़गारी, जिसने 'नकली काम' करने वाली कंपनियों तक को जन्म दिया है। हालाँकि, चीनी राजनीति में फिर से अतिराष्ट्रवाद लौट सकता है। भारत इस संभावना को समझता है और इसी कारण एलएसी पर अपनी रक्षा क्षमता मज़बूत करते हुए चीन के साथ रिश्तों को नए सिरे से संतुलित कर रहा है। देखा जाये तो ट्रंप के टैरिफ ने वैश्विक व्यापार के नियम बदल दिए हैं। ऐसे में भारत को नए बाज़ारों की तलाश है। नई दिल्ली चाहती है कि बीजिंग भारतीय निर्यात को निष्पक्ष पहुँच दे। यह सच है कि इससे अमेरिका के बाज़ार में हुए नुकसान की पूरी भरपाई नहीं होगी, लेकिन व्यापार असंतुलन को चीनी निवेश से संतुलित किया जा सकता है। यदि चीन भारतीय उद्योग के लिए रेयर अर्थ मैग्नेट जैसे महत्वपूर्ण कच्चे माल की आपूर्ति फिर शुरू करता है, तो भारत दूरसंचार, रक्षा, सेमीकंडक्टर और अन्य रणनीतिक क्षेत्रों जैसी निगेटिव लिस्ट को छोड़कर बाकी क्षेत्रों में धीरे-धीरे चीनी एफडीआई की अनुमति दे सकता है। दूसरी ओर, ट्रंप-युग की उथल-पुथल में चीन को भी आर्थिक अवसरों की ज़रूरत है। ऐसे में वह भारत के करीब आना चाह रहा है लेकिन भारत के लिए आगे बढ़ने के दौरान सतर्कता बरतना भी जरूरी है। वैसे कुल मिलाकर देखें तो तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भेंट ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के गलियारों में गहरी हलचल पैदा कर दी है। यह सिर्फ दो पड़ोसी देशों के बीच एक औपचारिक मुलाक़ात नहीं थी, बल्कि वैश्विक राजनीति के बदलते समीकरणों के बीच एक महत्वपूर्ण संकेत भी थी। मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि भारत की विदेश नीति किसी तीसरे देश की नज़र से नहीं देखी जानी चाहिए। मोदी ने स्पष्ट कहा कि सीमा पर शांति और स्थिरता रिश्तों के लिए बीमा पॉलिसी जैसी है। दोनों पक्षों ने पिछले साल की सफल डिसएंगेजमेंट प्रक्रिया पर संतोष जताया और सीमा विवाद का ₹न्यायपूर्ण, तर्कसंगत और स्वीकार्य समाधान₹ निकालने की प्रतिबद्धता दोहराई। हालाँकि, चीनी बयान ने पंचशील सिद्धांतों का हवाला देते हुए यह कहा कि सीमा विवाद पूरे रिश्तों को परिभाषित नहीं करना चाहिए। यह भारतीय दृष्टिकोण से थोड़ा भिन्न था।हम आपको बता दें कि कुछ विश्लेषकों का मानना है कि भारत-चीन निकटता से भारत-अमेरिका संबंध प्रभावित हो सकते हैं। परंतु यह दृष्टिकोण सतही है क्योंकि भारत कोई लेन-देन वाली शक्ति नहीं, बल्कि एक सभ्यतागत शक्ति है जो दीर्घकालिक दृष्टिकोण से संबंध बनाती है। लोकतांत्रिक मूल्य, बहुलतावादी समाज और मुक्त हिंद-प्रशांत के साझा हित भारत-अमेरिका साझेदारी की नींव हैं। यह साझेदारी अस्थायी मतभेदों को झेल सकती है। तियानजिन में मोदी-शी मुलाक़ात भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, आर्थिक हितों की सुरक्षा और वैश्विक संतुलन बनाने के प्रयासों का हिस्सा भी है। भारत अब यह स्पष्ट संकेत दे रहा है कि वह अमेरिका और चीन दोनों के साथ संबंध रख सकता है— लेकिन अपनी शर्तों पर, अपने हितों के आधार पर। भारत-चीन संबंधों की दिशा आगे इस बात पर निर्भर करेगी कि बीजिंग अपने आश्वासनों को ठोस कार्यवाही में बदल पाता है या नहीं। तब तक यह यात्रा अभी शुरुआती चरण में ही मानी जाएगी। वैसे यह मुलाकात बताती है कि 21वीं सदी की भू-राजनीति और भू-अर्थशास्त्र में भारत और चीन की भूमिका निर्णायक होगी। हम आपको यह भी बता दें कि राजीव गांधी से लेकर नरेंद्र मोदी तक, यानि तबसे लेकर अब तक हर भारतीय प्रधानमंत्री ने चीन के साथ स्थिर संबंध बनाने की कोशिश की है। वर्तमान सरकार भी इसी दिशा में आगे बढ़ रही थी लेकिन 2020 में पूर्वी लद्दाख, विशेषकर गलवान घाटी में चीनी सैन्य कार्रवाई ने इस प्रक्रिया को गहरी चोट पहुँचाई।

आप का नजरिया

आपदा के बीच कौन

आपदा के बीच इस बार पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार आ गए। वह ब्राह्मण कल्याण बोर्ड की स्थापना के समय और आकार पर प्रश्न उठाते हैं। कुल 140 सदस्यों का बोर्ड अपने तरीके से नपा तुला ही होगा। वैसे हम राजनीति की शब्दावली में हर क्षण को अपने बयानों या प्रदर्शनों का पूरक बना देते हैं। विधानसभा के मानसून सत्र को ही लें तो चर्चाओं का सारा ज्ञान और पक्ष-विपक्ष में बंटा संज्ञान वह तो नहीं, जो हर दम आपदा-आपदा कह रहा हो, बल्कि हिमाचल की राजनीति पुनः केंद्र के सामने हल्की हो गई। बेशक सियासी फिजूलखर्ची पर अंकुश लगना चाहिए, लेकिन यहां तो सियासत को टिकाए रखने का सवाल है। सियासत न होती तो शांता जी के बयान की अहमियत न होती। किसी वरिष्ठ अधिकारी या अपने क्षेत्र में सफल रहे प्रोफेशनल के विचारों को कौन लिख पाता। यहां कहा और सुना नहीं जाता, बल्कि कहा सुनी का मजा है। कहने को आपदा के हर लम्हे में किसे निर्दोष मानें। किस यात्रा किस सफर को $फिरदौश मानें। नरक सी परिस्थितियों में उबाल आ रहा है, यहां उसके और मेरे लबादे का सवाल आ रहा है। इस ब्राह्मण बोर्ड की स्थापना के तार, बेतार नहीं होंगे, वहां कुछ मेरे कुछ तुम्हारे यार होंगे। आपदा के बीच वीआईपी चले होंगे और जनसमूह के बीच किसी मंत्री पर प्रहार चले होंगे। आपदा तो व्यवस्था के ढांचे में है जहां हर फैसला राजनीतिक पतवार है। ऐसे में एक सहमति तो शांता कुमार से बनती है कि सारे बोर्ड और राजनीतिक ओहदेदारियां निरस्त कर दी जाएं। विकास की फाइल से राहत की उम्मीद बिछा दी जाए। हम समुद्र हो जाएं-पानी हो जाएं, भाजपा और कांग्रेस को इस आफत में मिला दिया जाए, लेकिन क्या ऐसा होगा। फिजूलखर्चियों ने हिमाचल पर लगभग एक लाख करोड़ का कर्ज चढ़ा दिया है, लेकिन इस ग्रहण को हर बार 'राजतिलक' स्वीकार करेगा। धर्मशाला के कचहरी क्षेत्र में एक पुल बना है, लेकिन इसके ऊपर से न कोई गुजरा और न ही कोई गुजर सकता है। करीब पैंतालीस लाख रुपए खर्च हुए, मगर परियोजना बिना काम के श्रीमान बनी हुई है। ऐसे कई किस्से-कई कहानियां, कई दस्तूर-कई मशहूर, कई कार्यकर्ता-कई नेता मिल जाएंगे, जो हर बार सरकार के उपहार में खुद को प्रासंगिक बना देते हैं। अब तो हर विधायक के अपने ठेकेदार, अपने कर्मचारी, अपने अधिकारी, अपने पर्यवेक्षक और अपने निवेशक मिल जाएंगे। पार्टी संगठनों में बंटते पद अंततः सत्तारूढ़ होने की निशानियों में शामिल होकर सफल होते हैं। प्रदेश में राजनीति ही शाहूकार है, राज्य पर कर्ज चढ़ाती और अपनों का कर्ज उतारती रहती है। आज देश के लिए राजनीति और राजनीतिक सोच सबसे बड़ी आपदा है। यही सोच पूरे हिमाचल को विपक्षी मान कर राहत में अछूत बना देता है। आपदा में ब्राह्मण कल्याण बोर्ड की सदस्यता एक अवसर है या निरंतर आपदा में धंसे हिमाचल को आपदा में भी घेर लेना अवसर है। कभी तो राजनीति प्रायश्चित करे कि गलत नीतियों ने आज जिस मुहाने में फंसा दिया, वहां पूर्व के भी कुटुंब गलत थे। आपदा को कोरे कागज या कोरे बयान में उतारने के बजाय क्षमा मांगने के अवसर की तरह देखा जाए। जैन समाज साल में एक बार इस अवधि में अभिव्यक्त शब्दों, क्रोध की संज्ञाओं-कारणों या जाने-अनजाने में पहुंचाए गए कष्ट के लिए एक दूसरे से माफी मांगता है। इसी तरह के पर्यूषण पर्व की जरूरत आज राजनीति की बिरादरियों को भी है। क्या हिमाचल के तमाम नेता एक दूसरे पर बरसने के बजाय आकाश से बरसी आपदा पर अपनी-अपनी गलतियों की माफी मांगेंगे।

विधानसभा के मानसून सत्र को ही लें तो चर्चाओं का सारा ज्ञान और पक्ष-विपक्ष में बंटा संज्ञान वह तो नहीं, जो हर दम आपदा-आपदा कह रहा हो, बल्कि हिमाचल की राजनीति पुन: केंद्र के सामने हल्की हो गई। बेशक सियासी फिजूलखर्ची पर अंकुश लगना चाहिए, लेकिन यहां तो सियासत को टिकाए रखने का सवाल है। सियासत न होती तो शांता जी के बयान की अहमियत न होती। किसी वरिष्ठ अधिकारी या अपने क्षेत्र में सफल रहे प्रोफेशनल के विचारों को कौन लिख पाता। यहां कहा और सुना नहीं जाता, बल्कि कहा सुनी का मजा है। कहने को आपदा के हर लम्हे में किसे निर्दोष मानें। किस यात्रा किस सफर को $फिरदौश मानें। नरक सी परिस्थितियों में उबाल आ रहा है, यहां उसके और मेरे लबादे का सवाल आ रहा है। इस ब्राह्मण बोर्ड की स्थापना के तार, बेतार नहीं होंगे, वहां कुछ मेरे कुछ तुम्हारे यार होंगे। आपदा के बीच वीआईपी चले होंगे और जनसमूह के बीच किसी मंत्री पर प्रहार चले होंगे। आपदा तो व्यवस्था के ढांचे में है जहां हर फैसला राजनीतिक पतवार है।

कुछ अलग

ना जाने किस रूप में नारायण मिल जाए

हरिहर एक सीधा-साधा किसान था। वह दिन भर खेतों में मेहनत से काम करता और शाम को प्रभु का गुणगान करता। उसके मन की एक ही साध थी। वह उडुपि के भगवान श्री कृष्ण के दर्शन करना चाहता था। उडुपि दक्षिण कन्नड़ जिले का प्रमुख तीर्थ था। प्रतिवर्ष जब तीर्थयात्री वहां जाने को तैयार होते तो हरिहर का मन भी मचल जाता किंतु धन की कमी के कारण उसका जाना न हो पाता। इसी तरह कुछ वर्ष बीत गए। हरिहर ने कुछ पैसे जमा कर लिए। घर से निकलते समय उसकी पत्नी ने बहुत-सा खाने-पीने का सामान बाँध दिया। उन दिनों यातायात के साधनों का अभाव था। तीर्थयात्री पैदल ही जाया करते। रास्ते में हरिहर की भेंट एक बूढ़े व्यक्ति से हुई। बूढ़े के कपड़े फटे-पुराने थे और पाँव में जूते तक न थे। अन्य तीर्थयात्री उससे कतराकर निकल गए किंतु हरिहर से न रहा गया। उसने बूढ़े से पूछा- 'बाबा, क्या आप भी उडुपि जा रहे हैं?' बूढ़े की आँखों में आँसू आ गए। उसने रुँधे स्वर में उत्तर दिया- 'मैं भला तीर्थ कैसे कर सकता हूँ? एक बच्चा तो बीमार है और दूसरे बेटे ने तीन दिन से कुछ नहीं खाया।' हरिहर भला व्यक्ति था। उसका मन पसीज गया। उसने निश्चय किया कि वह उडुपि जाने से पहले बूढ़े के घर जाएगा। बूढ़े के घर पहुँचते ही हरिहर ने सबको भोजन खिलाया। बीमार बच्चे को दवा दी। बूढ़े के खेत, बीजों के अभाव में खाली पड़े थे। लौटते-लौटते हरिहर ने उसे बीजों के लिए भी धन दे दिया। जब वह उडुपि जाने लगा तो उसने पाया कि सारा धन तो खत्म हो गया था। वह चुपचाप अपने घर लौट आया।

दृष्टि कोण

प्रदेश में छात्र संघ चुनाव का औचित्य

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय और राज्य के अन्य शिक्षण संस्थानों में छात्र संघ चुनावों का इतिहास संघर्षों और विवादों से भरा रहा है। छात्र राजनीति ने न केवल नेताओं को जन्म दिया, बल्कि यह लोकतंत्र, समाज और राष्ट्र के प्रति जागरूकता और समझ भी उत्पन्न करने का एक सशक्त माध्यम रही है। छात्र जब कॉलेज और विश्वविद्यालय में पढ़ता है, तो उसका दृष्टिकोण केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहता। वह समाज, लोकतंत्र और अपने अधिकारों को समझने लगता है। छात्र संघ और विभिन्न आंदोलनों में भाग लेने से उसे नेतृत्व, जिम्मेदारी और समाज के प्रति संवेदनशीलता का अनुभव मिलता है। यही वह समय है जब छात्र भविष्य के नागरिक और नेता के रूप में परिपक्व होते हैं। छात्र संघ चुनावों पर पहली बार 1985 में रोक लगाई गई थी। इसके बाद 1988 में नासिर खान की हत्या के बाद चुनावों पर पुनः रोक लगाई गई। 1995 में कुलदीप पठानिया की हत्या के बाद भी चुनावों पर प्रतिबंध रहा। 2000 में यह प्रतिबंध हटाया गया, लेकिन 2014 में कुलपति पर हमले और बढ़ते तनाव के कारण चुनावों पर स्थायी रोक लगा दी गई। इन घटनाओं ने प्रशासन को चुनावों पर रोक लगाने के लिए मजबूर किया। छात्र संघ चुनावों के दौरान हिंसा की घटनाएं आम हो गई थीं, जिसके कारण न केवल छात्रों की जानें गईं, बल्कि विश्वविद्यालय की संपत्ति को भी भारी नुकसान हुआ। 2010 में विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न छात्र संगठनों के बीच हुई झड़पों में कई कमरे, पुस्तकालय और उपकरण क्षतिग्रस्त हुए। इन घटनाओं ने चुनावों पर रोक लगाने को अपरिहार्य बना दिया। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने विश्वविद्यालयों में हिंसा और अव्यवस्था को लेकर कई महत्वपूर्ण आदेश दिए हैं। 2012 में हुई हिंसा के बाद उच्च न्यायालय ने शिमला के पुलिस महानिरीक्षक से रिपोर्ट तलब की कि क्या विश्वविद्यालय के छात्रावासों में केवल छात्र ही रह रहे हैं या बाहरी लोग भी शामिल हैं। अदालत ने यह भी पूछा कि ऐसे बाहरी लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई और परिसर में सुरक्षा सुनिश्चित की गई। देश के अन्य शिक्षण संस्थानों में स्थिति अलग है। राजस्थान में इस सत्र छात्र संघ चुनाव नहीं होंगे, क्योंकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू हो रही है। पश्चिम बंगाल में 2017 से अब तक छात्र संघ चुनाव नहीं हुए हैं। झारखंड (रांची विश्वविद्यालय) में पिछले पांच वर्षों से चुनाव नहीं हो रहे हैं। पांडिचेरी विश्वविद्यालय में छात्र चुनाव 2019 के बाद स्थगित हैं। पटना विश्वविद्यालय ने हाल ही की हिंसा और माहौल की चिंता के चलते छात्र संघ चुनाव 'शांत स्थिति आने पर' ही संभव होने की बात कही। जेएनयू में 2008-2012 तक चुनाव बंद रहे, अब वहां चुनाव पुनः शुरू हो चुके हैं। हिमाचल प्रदेश की राजनीति में कई नेता छात्र राजनीति से उभरे हैं। इनमें प्रमुख हैं: सतपाल सत्ती, कामरेड राकेश सिंघा, केवल सिंह पठानिया, और भी। इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से निकलकर राष्ट्रीय स्तर के छात्र नेता बने आशीष चौहान (अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री), निगम भंडारी (भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ) और विक्रम सिंह (स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया) शामिल हैं। ये नेता न केवल छात्र राजनीति में सक्रिय रहे, बल्कि बाद में राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व क्षमता और सामाजिक समझ का प्रदर्शन कर चुके हैं। हालांकि, छात्र संघ चुनावों पर रोक के बावजूद, 2025 के मानसून सत्र में विधानसभा में इस मुद्दे पर चर्चा हुई। 22 अगस्त 2025 को भाजपा विधायक विपिन सिंह परमार ने छात्र संघ चुनावों की बहाली की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि छात्र संघ चुनाव भविष्य के नेताओं को तैयार करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इसके जवाब में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि वर्तमान में छात्र संघ चुनाव बहाल नहीं किए जाएंगे, क्योंकि चुनावों के दौरान हिंसा की घटनाएं बढ़ जाती हैं। हालांकि, उन्होंने भविष्य में इस मुद्दे पर विचार करने की बात भी कही। छात्र राजनीति न केवल नेताओं को जन्म देती है, बल्कि यह समाज और राष्ट्र के प्रति जागरूकता और समझ भी उत्पन्न करती है। चुनावों में हिंसा की घटनाएं चिंता का विषय हैं, लेकिन लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी से युवाओं में जिम्मेदारी और सामाजिक चेतना का विकास होता है। अतः यह आवश्यक है कि छात्र संघ चुनावों को बहाल किया जाए, साथ ही साथ हिंसा और संपत्ति को हुए नुकसान को रोकने के लिए ठोस उपाय किए जाएं। छात्र जब विश्वविद्यालय में पढ़ता है, तो उसके विचार, समझ और जिम्मेदारी का निर्माण छात्र राजनीति के अनुभवों से होता है। नेतृत्व क्षमता, समाज के प्रति संवेदनशीलता और राष्ट्र के प्रति जागरूकता छात्र इसी समय सीखते हैं। यही कारण है कि छात्र संघ चुनावों को बहाल करना न केवल युवाओं के लिए आवश्यक है, बल्कि यह लोकतंत्र और समाज की मजबूती के लिए भी जरूरी है। सियासी गतिविधियों में भाग लेकर छात्रों में नेतृत्व के गुण पैदा होते हैं। यहीं से निकली पौध आगे चलकर देश को अच्छा नेतृत्व दे सकती है। इस दृष्टि से छात्र संघ चुनाव होने ही चाहिएं।

ईरान में गृह युद्ध जैसे हालात बने इसके चलते हिजाब कानून ठंडे बस्ते में डाला

तेहरान,01 सितंबर (एजेंसियां)।

ईरान में हिजाब को लेकर बनाए गए कानून को फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। इसकी वजह ये है कि सरकार को लगा कि कहीं कोई हालात बिगड़ न जाएं इसलिए सावधानी बरती जा रही है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने कहा कि उन्होंने देश में सख्त हिजाब कानून लागू किया होता, तो समाज के भीतर एक युद्ध जैसी स्थिति पैदा हो सकती थी। उन्होंने माना कि यह कानून लागू करना समाज को टकराव की ओर धकेल देता और हालात राष्ट्रीय विवाद में बदल जाते। राष्ट्रपति ने साफ कहा कि हिजाब पर उनका निजी विश्वास है। उन्होंने कहा कि मेरे परिवार की महिलाएं हिजाब पहनती हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि जो महिला हिजाब नहीं पहनती, वह बुरी इंसान है।

2022 में महसा अमीनी की पुलिस हिरासत में मौत के बाद ईरान भर में भड़के प्रदर्शनों ने हिजाब कानून को लेकर गहरी बहस छेड़ दी थी। लाखों महिलाएं और युवा सड़कों पर उतरे थे। इसी माहौल को देखते हुए 2023 में संसद द्वारा पास किए गए कठोर हिजाब कानून को राष्ट्रपति ने लागू करने से रोक दिया। नए कानून के तहत बिना हिजाब दिखने वाली महिलाओं पर भारी जुर्माना और जेल की सजा का प्रावधान था। इतना ही नहीं, उन दुकानदारों या संस्थानों पर भी कार्रवाई होनी थी जो बिना हिजाब महिलाओं को सेवा देते। लेकिन राष्ट्रपति पेजेश्कियान का मानना है कि इस कानून को लागू करने से समाज में फूट और अशांति और बढ़ जाती।

अपने इंटरव्यू में राष्ट्रपति ने यह भी दावा किया कि विरोधी ताकतें, खासकर इजरायल, उम्मीद कर रहे थे कि हिजाब कानून लागू होते ही लोग तीसरे दिन सड़कों पर आ जाएंगे और शासन को गिरा देंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और हालात नियंत्रण में रहे। राष्ट्रपति के बयान के बाद ईरान में एक बार फिर महिलाओं की स्वतंत्रता और परंपरा को लेकर बहस तेज हो गई है। अंतरराष्ट्रीय जगत भी इस पर नजर गड़ाए हुए है कि क्या ईरान भविष्य में कानून को फिर से लागू करेगा या महिला अधिकारों को प्राथमिकता देगा।

न्यूज ब्रीफ

अटॉर्नी जनरल ने हाई कोर्ट से कहा - बर्खास्तगी की प्रक्रिया 'पूरी तरह अवैध'

नई दिल्ली। इजराइल की अटॉर्नी जनरल गली बहारीव-मियारा ने हाई कोर्ट में दायर याचिकाओं के

जवाब में कहा है कि सरकार द्वारा उन्हें पद से हटाने की पूरी प्रक्रिया पूरी तरह अवैध है। बहाराव-मियारा ने अपने बयान में कहा, सरकार ने अटॉर्नी जनरल का कार्यकाल समाप्त करने के नियमों में बदलाव किया, और यह बदलाव तब किया जब बर्खास्तगी की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी थी। यह सिर्फ परिणाम सुनिश्चित करने के लिए किया गया। उनके अनुसार, सरकार ने मौजूदा कानूनी प्रक्रिया को छोड़कर एक नया रास्ता अपनाते हुए एक मंत्रिस्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया, ताकि वही समिति बर्खास्तगी की सिफारिश कर सके। हाई कोर्ट इस मामले पर इस सप्ताह के अंत में सुनवाई करेगा। गौरतलब है कि अदालत ने सरकार के मतदान के तुरंत बाद बहाराव-मियारा की बर्खास्तगी पर रोक लगा दी थी।

दुनिया की पहली फ्लाइंग कार तैयार मिल चुके है हजारों आर्डर

वाशिंगटन। अमेरिका की स्टार्टअप कंपनी अलेफ ने दुनिया की पहली फ्लाइंग कार तैयार कर ली है,

जिसे लेकर दुनिया भर में उत्साह का माहौल है। कंपनी को लॉन्च से पहले ही हजारों प्री-ऑर्डर मिल चुके हैं। आने वाले वर्षों में यह कार परिवहन व्यवस्था को पूरी तरह बदल सकती है। कंपनी पिछले एक दशक से इस मिशन पर काम कर रही है। अब उसका पहला लक्ष्य मॉडल जीरो अल्ट्रालाइट लॉन्च करना है। इसके बाद क्रमशः अन्य मॉडल्स पेश किए जाएंगे और अंततः कमर्शियल उपयोग के लिए मॉडल ए को बाजार में उतारा जाएगा। कार की टेस्टिंग के लिए कंपनी ने सिलिकॉन वैली के दो प्रमुख एयरपोर्ट्स हॉलिस्टर और हाफ मून बे से समझौता किया है। यहां इसकी उड़ान की सुरक्षा और क्षमता का परीक्षण किया जाएगा। कंपनी ने पहले एक प्रमोशनल वीडियो जारी किया था, जिसमें इसकी झलक दिखाई गई। अब अल्ट्रालाइट मॉडल को वास्तविक उड़ानों के बीच टेस्ट किया जाएगा ताकि पता लगाया जा सके कि यह हवा में मौजूद अन्य एयरक्राफ्ट्स के साथ कितनी सुरक्षित और प्रभावी तरीके से तालमेल बैठा सकता है। अलेफ की आधिकारिक वेबसाइट पर दी जानकारी के अनुसार, मॉडल ए सबसे पहले बाजार में उतारा जाएगा। यह सड़क पर चलने के साथ-साथ हवा में उड़ने की क्षमता रखता है। यह अल्ट्रालाइट श्रेणी में आता है, जिसका अर्थ है कि इसे उड़ाने के लिए किसी विशेष कानूनी सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं होगी। हालांकि, कुछ शर्तें लागू होंगी जैसे इसे केवल दिन में उड़ाया जा सकता है और घनी आबादी वाले क्षेत्रों के ऊपर उड़ान की अनुमति नहीं होगी। यह कार पूरी तरह इलेक्ट्रिक होगी और आधुनिक बैटरी तकनीक से लैस होगी। कंपनी का दावा है कि इसकी ड्राइविंग रेंज 320 किलोमीटर और उड़ने की रेंज 177 किलोमीटर होगी। 2022 में इसका प्रोटोटाइप सामने आने के बाद से ही यह चर्चा का विषय बनी हुई है। कंपनी का कहना है कि यह कार पारंपरिक इलेक्ट्रिक वाहनों की तुलना में कम ऊर्जा खर्च करेगी, यहां तक कि टेस्ला से भी।

ऑस्ट्रेलिया में भी भारत के खिलाफ प्रदर्शन, अमेरिका के बाद, ऑस्ट्रेलिया में भी भारतीयों के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन

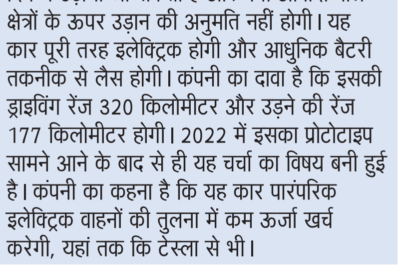

ऑस्ट्रेलिया। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय प्रवासियों के खिलाफ वहां के कट्टर पंथी संगठनों द्वारा हिंसक प्रदर्शन किये जा रहे हैं। जिसके कारण भारतीय समुदाय भयाक्रांत है। यूरोप के देशों में भी अब इसी तरह की घटनाएं देखने को मिलने लगी हैं। जो भारतीय समुदाय के लिए चिंता का कारण बन गई हैं। सिडनी, मेलबर्न, ब्रिस्बेन, कैनबरा, एडिलेड, पर्थ और होबार्ट में लगातार भारतीय समुदाय के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। मार्च फॉर ऑस्ट्रेलिया नामक समूह द्वारा इमीग्रेशन विरोधी रैलियां आयोजित की जा रही है। इस समूह का कहना है, पिछले 5 साल में जितने भारतीय ऑस्ट्रेलिया में आए हैं। उतने 100 साल में नहीं आए थे। यह प्रदर्शनकारी जगह-जगह पर हिंसक प्रदर्शन करते हैं। मेलबर्न में पिछले दिनों जो हिंसा भडकी थी। पुलिस ने वहां 6 लोगों को गिरफ्तार किया था। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बेटन का भी इस्तेमाल पुलिस को करना पड़ा था। एडिलेड,ब्रिस्बेन में भी कई बार इसी तरह की झड़पें हो चुकी हैं। ऑस्ट्रेलिया की सरकार प्रदर्शन और विरोध को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई कर रही है। गृहमंत्री टोनी वर्क ने कहा है समाज को बांटने वालों के लिए यहां कोई स्थान नहीं है। अमेरिका में जिस तरह से कट्टरपंथी समूह हैं। ऑस्ट्रेलिया के कट्टरपंथी समूह भारतीयों के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया में माहौल बना रहे हैं।

इमरान के खिलाफ मुनीर ने पार की साजिशों की इंतहा, क्या जेल में रची जा रही एड्स वाली साजिश?

पाकिस्तान,01 सितंबर (एजेंसियां)।

अड़ियाला जेल ही बीते कई महीनों से इमरान खान के टॉर्चर की अलग अलग खबरें सामने आ रही हैं। वहीं अब उसी जेल में बहुत बड़ी तादाद में एचआईवी कैदियों की खबर ने पूरे पाकिस्तान में सनसनी मचा कर रख दी है।

भारत का पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान दुनिया का एकलौता ऐसा देश है, जहां कदम कदम पर साजिशों, फरेब और षड़यंत्रों की फसल उगाई जाती है। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को लेकर मुनीर की साजिशों ने तो इंतहा ही पार कर दी। पाकिस्तान की अड़ियाला जेल में बंद हैं। वहीं अड़ियाला जेल में एचआईवी कैदियों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। इन बढ़े आंकड़ों ने पाकिस्तान में कोहराम मचा कर रख दिया है। इसके साथ ही ये आशंका भी जाहिर होने लगी है अड़ियाला में एचआईवी की घुसपैठ मुनीर की साजिश का हिस्सा तो नहीं। अड़ियाला जेल ही बीते कई महीनों से इमरान खान के टॉर्चर की अलग अलग खबरें सामने आ रही हैं। वहीं अब उसी जेल में बहुत बड़ी तादाद में एचआईवी कैदियों की खबर ने पूरे पाकिस्तान में सनसनी मचा कर रख दी है।

अड़ियाला में एड्स पीड़ित कैदियों के हालात और खुलासे के बाद एक बार फिर इमरान खान के खिलाफ साजिश की आवाज उठने लगी है। दुनिया जानती है कि इमरान खान के खिलाफ आसिम मुनीर की साजिश किस हद तक जा पहुंची है। यहां तक की जेल में इमरान खान जिन किताबों को पढ़ रहे हैं। उन किताबों का जिक्र करके इमरान खान को मुल्क में आतंकी करार देने की कोशिश तक हो रही है। इमरान खान पर जिस जलाउद्दीन अयूबी को पढ़ने का इल्जाम लगाया जा रहा है। वो एक वक्त तुर्किए का खलीफा हुआ करता था। यहूदियों से बेहद नफरत करता था।

खिलाफत आंदोलन चलाकर उसने आधी दुनिया को फतह किया। साथ ही मस्जिद अल अक्सा को फतह करने के लिए उसने 16 जंगे लड़ी। दावा किया जा रहा है कि मुनर एंड कंपनी अब इमरान खान पर आरोप लगा रही है कि वो आगे जलकर जलाउद्दीन अयूबी की तरह यहूदियों के लिए खतरा पैदा कर देंगे।

अब पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार रावलपिंडी की केंद्रीय जेल, जिसे आमतौर पर अदियाला जेल के नाम से जाना जाता है, में एचआईवी पॉजिटिव मामलों का एक बड़ा प्रकोप सामने आया है, जहाँ 148 कैदी संक्रमित पाए गए हैं - जो अब तक प्रांत की किसी भी जेल में दर्ज की गई सबसे बड़ी संख्या है। इस चिंताजनक स्थिति ने कारागार विभाग और पंजाब एड्स नियंत्रण कार्यक्रम (पीएसीपी) की गंभीर खामियों को उजागर किया है। अदियाला हाल ही में सुर्खियों में रहा है क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान भी वहीं कैद हैं। हालाँकि, यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि श्री खान को अलग-थलग रखा गया है और उन्हें अन्य कैदियों से मिलने-जुलने की अनुमति नहीं है। इस समय जेल में क्षमता से अधिक कैदी हैं, जहाँ 1,994 कैदियों की अधिकृत क्षमता के मुकाबले 4,337 कैदी बंद हैं।

काजू आयरन और मैग्नीशियम का अच्छा स्रोत : रिपोर्ट

वाशिंगटन,01 सितंबर (एजेंसियां)।

दुनिया में हर पांच में से दो महिलाएं और हर पांच में से एक बच्चा एनीमिया या खून की कमी समस्या से जूझ रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार इसका सबसे बड़ा कारण पोषण की कमी और आयरन से रहित खानपान है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि हीमोग्लोबिन शरीर में ऑक्सीजन ले जाने वाला महत्वपूर्ण प्रोटीन है। आयरन की कमी होने पर हीमोग्लोबिन घटता है और एनीमिया की स्थिति उत्पन्न होती है। हालांकि, खानपान में कुछ विशेष चीजें शामिल करके इस समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। काजू आयरन और मैग्नीशियम का अच्छा स्रोत माना जाता है। अमेरिकन नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन की रिपोर्ट के अनुसार, काजू में मौजूद आयरन शरीर में आसानी से अवशोषित हो जाता है, जिससे खून बनने की प्रक्रिया बेहतर होती है। रोजाना कुछ मात्रा में काजू का सेवन शरीर को ताकत देने के साथ खून की कमी दूर करता है। गुड़ का उपयोग लंबे समय से एनीमिया की समस्या में किया जा रहा है। इसमें आयरन, कैल्शियम, पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो न केवल हीमोग्लोबिन स्तर बढ़ाते हैं बल्कि प्रतिरक्षा प्रणाली को भी मजबूत बनाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में गुड़ का नियमित सेवन भी प्रचलित है और कई शोध इसे लाभकारी बताते हैं। हरी मटर भी खून की कमी से लड़ने में सहायक है। इसमें आयरन और प्रोटीन दोनों की अच्छी मात्रा होती है। साथ ही मटर में मौजूद विटामिन सी आयरन के अवशोषण को और बेहतर करता है। नियमित रूप से हरी मटर का सेवन शरीर की ऊर्जा और ताकत में वृद्धि करता है। काला चना भी आयरन से भरपूर आहार है, जो हीमोग्लोबिन बढ़ाने में कारगर माना जाता है। इसके अलावा इसमें फाइबर भी होता है, जो पाचन को दुरुस्त रखता है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, काला चना आरबीसी की संख्या बढ़ाने और खून की कमी को दूर करने में मददगार साबित होता है। अनार को पोषक तत्वों का खजाना कहा जाता है। इसमें आयरन, विटामिन सी और एंटीऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं, जो खून की गुणवत्ता सुधारते हैं और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं। नियमित रूप से अनार या उसका रस पीने से एनीमिया के मरीजों को लाभ मिलता है। बता दें कि एनीमिया या खून की कमी के समय की सबसे आम स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है, जो विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को प्रभावित करती है।

सहकर्मी के आंखें तरेरने से आया पैनिक अटैक, कोर्ट ने नर्स दिखाई 30 लाख की राहत राशि

लंदन। मामला स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग का है। यहां 64 वर्षीय मॉरीन हाउईसन नाम की डेंटल नर्स ने अपने सहकर्मी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। हाउईसन पिछले 40 साल से दंत चिकित्सा के क्षेत्र में काम कर रही थीं। हाउईसन ने बताया कि नई नियुक्त डेंटल थैरेपिस्ट जिसना इकबाल के आने के बाद से माहौल तनावपूर्ण हो गया। इकबाल मूल रूप से भारत से हैं और डेंटिस्ट की पढ़ाई की हुई है। लेकिन यूके में प्रैक्टिस की अनुमति नहीं थी। इसके बावजूद उन्होंने नर्स की पुरानी रिसेप्शन ड्यूटी अपने हाथ में ले ली। हाउईसन का आरोप था कि इकबाल अक्सर उन्हें रूड और डिसरिस्पेक्टफुल तरीके से ट्रीट करती थीं। जब भी वह कुछ बोलतीं, इकबाल आंखें घुमा देतीं और उन्हें नजरअंदाज करतीं। एडिनबर्ग एम्प्लॉयमेंट ट्रिब्यूनल ने इस केस की सुनवाई करते हुए माना कि हाउईसन सच बोल रही हैं और उनके साथ लगातार रूड, आइसोलेटिंग, बुलींग और बिलिटलिंग व्यवहार किया गया। कोर्ट ने कहा कि आंखें घुमाना भी कार्यस्थल पर बुलींग की श्रेणी में आ सकता है और इसका असर मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर रूप से पड़ता है।

बार-बार आंखें मलना हो सकता है बेहद खतरनाक

वाशिंगटन,01 सितंबर (एजेंसियां)।

जब हम थकते हैं, नींद से भरे होते हैं या आंखों में जलन और खुजली महसूस करते हैं, तो अक्सर उन्हें मलने लगते हैं। यह आदत उस समय थोड़ी राहत जरूर देती है, लेकिन लंबे समय में आंखों की सेहत को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि बार-बार आंखें मलना कई खतरनाक बीमारियों की वजह बन सकता है। अमेरिकन नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन की रिसर्च बताती है कि बिना हाथ धोए आंख मलने से संक्रमण का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। दिनभर में हाथों पर बैक्टीरिया जमा होते हैं, जो आंखों तक पहुंच जाते हैं। इससे कंजक्टिवाइटिस, जलन, लालिमा और लगातार पानी आने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यह आदत आंखों की प्राकृतिक सुरक्षा प्रणाली को भी कमजोर कर देती है। आंखों की सतह यानी कॉर्निया पर भी इस आदत का नकारात्मक असर पड़ता है।

कॉर्निया बेहद नाजुक होती है और बार-बार रगड़ने से उस पर खरोंच या छोटे घाव हो सकते हैं, जिसे 'कॉर्नियल एब्रेशन' कहा जाता है। इससे धुंधला दिखना, तेज दर्द और रोशनी में परेशानी जैसी दिक्कतें पैदा हो सकती हैं। अगर इलाज न मिले तो यह संक्रमण का रूप भी ले सकती है। इसके अलावा, बार-बार आंख मलने से ग्लूकोमा का खतरा भी बढ़ता है। इस बीमारी में आंख की ऑप्टिक नर्व धीरे-धीरे खराब होती जाती है। लगातार दबाव बढ़ने से समय रहते इलाज न होने पर इंसान अपनी रोशनी हमेशा के लिए खो सकता है। सिर्फ इतना ही नहीं, आंखों के आसपास की नाजुक त्वचा पर भी बुरा असर पड़ता है।

लगातार रगड़ने से रक्त नलिकाएं क्षतिग्रस्त हो जाती हैं, जिससे डार्क सर्कल गहरे हो जाते हैं और समय से पहले झुर्रियां दिखने लगती हैं। यह आदत न सिर्फ आंखों की सेहत बल्कि चेहरे की सुंदरता को भी नुकसान पहुंचाती है। जिन लोगों को पहले से चश्मा है या आंखों की कोई दिक्कत है, उनके लिए यह आदत और ज्यादा हानिकारक साबित हो सकती है। कॉर्निया का आकार बिगड़ सकता है और चश्मे का नंबर तेजी से बढ़ सकता है। कई मामलों में यह कराटोकोनस जैसी गंभीर बीमारी का कारण बन सकती है, जिसमें कॉर्निया पतला और शंक्वाकार हो जाता है और व्यक्ति को हर चीज धुंधली नजर आने लगती है।

अफगानिस्तान में भूकंप ने मचाई तबाही, 250 से अधिक की मौत, 500 से ज्यादा घायल

काबुल,01 सितंबर (एजेंसियां)।

बीती रात अफगानिस्तान के कई इलाकों में भीषण भूकंप आया है। इससे कई घरों और भवनों को नुकसान हुआ है। इस मलबे में दबकर 250 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई जबकि 500 से ज्यादा घायल हुए है। ये शुरुआती आंकड़ा है, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार इस प्राकृतिक आपदा में कम से कम 250 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 500 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

रिक्टर स्कैल पर भूकंप की तीव्रता 6.0 मापी गई और इसका केंद्र जमीन से केवल 8 किलोमीटर की गहराई पर था। इसके कारण भारी तबाही की आशंका जताई जा रही है. सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों में मलबे में दबे घरों और घायलों को बाहर निकालने की कोशिश करते लोगों की तस्वीरें देखी जा सकती हैं। एक तस्वीर में एक व्यक्ति मलबे के बीच रोते हुए नजर आ रहा है, जो इस दुखद घटना की

गंभीरता को दर्शाता है। आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से जारी बयान में बताया गया कि भूकंप का केंद्र कुनर प्रांत के हिंदू कुश क्षेत्र में था, जिसने नूरगल, सूकी, वतपुर, मानोगी और चपे-दरे जैसे दूरदराज के इलाकों को बुरी तरह प्रभावित किया है। स्थानीय अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि कई गांवों तक राहत और बचाव कार्यों की पहुंच अभी तक नहीं हो पाई है। विशेषज्ञों का मानना है कि हिंदू कुश क्षेत्र का भूकृतिकीय रूप से सक्रिय होना इस तरह की आपदाओं का कारण है जहां यूरेशियन और भारतीय टेक्टोनिक प्लेट्स आपस में टकराती हैं। मौजूदा स्थिति में चिकित्सा शिविरों की स्थापना और भोजन-पानी की आपूर्ति की मांग बढ़ गई है, क्योंकि कई परिवार बेघर हो गए हैं। अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने इस संकट पर चिंता जताई है और राहत सामग्री भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। संयुक्त राष्ट्र के आपदा प्रबंधन विभाग ने कहा कि वे प्रभावित क्षेत्रों का आकलन करने के लिए जल्द ही अपनी टीम भेजेंगे। तालिबान सरकार के पास सीमित संसाधन हैं और वे संयुक्त राष्ट्र और अन्य मानवीय संगठनों से तत्काल मदद की उम्मीद कर रहे हैं। इस भूकंप ने अफगानिस्तान की पहले से ही कमजोर अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य ढांचे को और चुनौती दी है। पिछले कुछ वर्षों में आए भूकंपों ने पहले भी इस देश को नुकसान पहुंचाया है, लेकिन 2023 का 6.3 मैग्निट्यूड का भूकंप सबसे घातक माना जाता है।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सहायता की मांग

स्थानीय निवासियों का कहना है कि भूकंप के बाद कई झोपड़ियों और पक्के मकानों में दरारें आ गईं, जबकि कुछ पूरी तरह ढह गए। तालिबान प्रशासन के प्रवक्ता ने बताया कि राहत और बचाव कार्य जारी हैं, लेकिन पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन और टूटी सड़कों के कारण टीमों को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हेलिकॉप्टर और चिकित्सा सहायता मुहैया कराने की अपील की है, क्योंकि कई प्रभावित क्षेत्रों तक सड़क मार्ग से पहुंचना असंभव हो गया है।

आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप के पुरस्कार में 4 गुना इजाफा, विजेता टीम को मिलेंगे 4.48 मिलियन डॉलर

नई दिल्ली,01 सितंबर (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महिला क्रिकेट के इतिहास में नया मील का पत्थर स्थापित करते हुए आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के लिए पुरस्कार राशि में चार गुना बढ़ोतरी की घोषणा की है।

भारत और श्रीलंका में 30 सितंबर से 2 नवंबर तक होने वाले इस टूर्नामेंट के विजेता को रिकॉर्ड 4.48 मिलियन डॉलर मिलेंगे। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा कि यह घोषणा महिला क्रिकेट की यात्रा में ऐतिहासिक क्षण है। हमारी सोच स्पष्ट है कि महिला खिलाड़ियों को भी पुरुषों के बराबर सम्मान और अवसर मिलना चाहिए। यह कदम आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा और महिला क्रिकेट को नई ऊंचाई देगा।यह निर्णय महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने और खेल में पे-परिटी (समान भुगतान) की नीति को आगे बढ़ाने के लिए लिया गया है। आईसीसी ने बताया कि इस बार कुल पुरस्कार राशि 13.88 मिलियन डॉलर होगी, जो 2022 में न्यूजीलैंड में आयोजित पिछले संस्करण की 3.5 मिलियन डॉलर की राशि से लगभग 297 प्रतिशत अधिक है। खास बात यह है कि यह राशि पुरुषों के 2023 विश्व कप (10 मिलियन डॉलर) से भी ज्यादा है। विश्व कप का आयोजन भारत और श्रीलंका के पांच स्थानों गुवाहाटी, इंदौर, नवी मुंबई, विशाखापट्टनम और कोलंबो में होगा।

पुरस्कार राशि का ब्योरा

विजेता टीम – 4.48 मिलियन डॉलर (2022 की तुलना में 239% अधिक)

उपविजेता – 2.24 मिलियन डॉलर (2022 में 600,000 डॉलर)

सेमीफ़ाइनल हारने वाली दोनों टीमें – 1.12 मिलियन डॉलर प्रत्येक (2022 में 300,000 डॉलर)

ग्रुप स्टेज की प्रत्येक जीत – 34,314 डॉलर

5वें और 6ठे स्थान पर रहने वाली टीमें – 700,000 डॉलर प्रत्येक

7वें और 8वें स्थान पर रहने वाली टीमें – 280,000 डॉलर प्रत्येक

सभी प्रतिभागी टीमों को न्यूनतम राशि – 250,000 डॉलर।

न्यूज ब्रीफ

जापान की अकाने यामागुची ने तीसरी बार जीता बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप खिताब

नई दिल्ली। पेरिस में खेले गए बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप के महिला एकल फाइनल में जापान की

अकाने यामागुची ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन की पूर्व विश्व नंबर-1 चेन यूफेई को सीधे सेटों में 21-9, 21-13 से हराकर तीसरी बार विश्व खिताब अपने नाम किया। पांचवीं वरीयता प्राप्त यामागुची ने महज 37 मिनट में मुकाबला समाप्त कर 2021 और 2022 के बाद अपना तीसरा स्वर्ण पदक हासिल किया। मैच के दौरान वह पूरी तरह आत्मविश्वास से भरी नजर आईं और अपने प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका नहीं दिया। चीन की टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चेन यूफेई ने सेमीफाइनल में शीर्ष वरीय और मौजूदा चैम्पियन दक्षिण कोरिया की आन से-यंग को हराया था। हालांकि, इस दौरान उनके टखने में चोट लग गई थी और फाइनल में उनकी मूवमेंट पर इसका असर साफ दिखाई दिया। यामागुची ने पहले गेम में पूरी तरह दबदबा बनाए रखा और दूसरे गेम में अंतराल के बाद लगातार अंक जुटाकर जीत सुनिश्चित कर ली। यह चेन का दूसरा विश्व चैम्पियनशिप रजत पदक है। इसी टूर्नामेंट में मलेशिया की चौथी वरीय जोड़ी चेन टांग जी और तोह ई वी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन की दूसरी वरीय जोड़ी जियांग झेनबांग और वेई याक्सिन को 21-15, 21-14 से मात देकर मिक्स्ड डबल्स का खिताब अपने नाम किया।

यूपी टी20 लीग: मेरठ मैवरिक्स ने रिंकू सिंह और स्वस्तिक की तूफानी पारियों से नोएडा किंग्स को 8 विकेट से हराया

लखनऊ। भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में खेले गए यूपी टी20 लीग सीजन-3 के रोमांचक मुकाबले में मेरठ मैवरिक्स ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नोएडा किंग्स को 8 विकेट से मात दी। 201 रनों का विशाल लक्ष्य मैवरिक्स ने मात्र 18.3 ओवर में हासिल कर लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नोएडा किंग्स ने निर्धारित 20 ओवर में 200/3 का बड़ा स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से कप्तान प्रशांत वीर ने 29 गेंदों पर 57 रन (8 चौके, 2 छक्के) की विस्फोटक पारी खेली, जबकि शिवम चौधरी ने नाबाद 85 रन (56 गेंद, 5 चौके, 6 छक्के) जड़े। रवि सिंह ने भी 21 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी में मेरठ के लिए यश गर्ग (4 ओवर, 26 रन, 1 विकेट) सबसे किफायती रहे। 201 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेरठ मैवरिक्स की शुरुआत जोरदार रही। स्वस्तिक छिकारा ने 38 गेंदों पर 64 रन (2 चौके, 7 छक्के) जड़कर पारी को रफ्तार दी। उनके साथ रितुराज शर्मा ने 56 रन (44 गेंद, 4 चौके, 3 छक्के) बनाए। अंत में कप्तान रिंकू सिंह ने केवल 12 गेंदों पर 37 रन (3 चौके, 3 छक्के) की धमाकेदार पारी खेली, जबकि माधव कौशिक ने 38 रन (19 गेंद, 1 चौका, 4 छक्के) जड़कर टीम को 18.3 ओवर में जीत दिला दी। मेरठ मैवरिक्स ने 202/2 रन बनाकर नोएडा किंग्स को 8 विकेट से हराया। इस जीत के साथ मेरठ मैवरिक्स ने अंकतालिका में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

सैमसन की केसीएल में आक्रामक बल्लेबाजी, एलेप्पी के खिलाफ 41 गेंदों पर बनाये 83 रन

त्रिवेन्द्रीम । एशिया कप के ठीक पहले विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन का शानदार प्रदर्शन जारी है। सैमसन ने केरल प्रीमियर क्रिकेट लीग (केसीएल) में पारी की शुरुआत करते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। केसीएल में कोच्चि ब्लू टाइगर्स की ओर से खेलते हुए सैमसन ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए पांच पारियों में ही 355 रन बना दिये। इसमें उन्होंने 30 छक्के लगाये हैं। उन्होंने लगातार चार अर्धशतक लगाये। सैमसन ने एलेप्पी रिपल्स के खिलाफ मैच में आक्रामक पारी खेलकर 41 गेंदों पर ही 9 छक्के और 2 चौके लगाकर 83 रन बनाये। उन्होंने 202.44 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। एशिया कप में पारी की शुरुआत के लिए दावेदारी की सैमसन ने 54 रन तो छक्कों से ही बना डाले। उनके इस प्रदर्शन से कोच्चि ब्लू टाइगर्स आसानी से 177 रन का लक्ष्य हासिल लिया। सैमसन ने केसीएल के इस सत्र में अभी तक पांच पारियों में 121 रन, 13, 89 रन, 62 रन और 83 रन बनाए हैं। एशिया कप के लिए सैमसन का चयन हुआ है पर उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह मिलने की संभावना कम ही है।

कप्तान नितीश राणा की ऑलराउंड चमक से वेस्ट दिल्ली लायंस ने जीता डीपीएल 2025 खिताब

नई दिल्ली,01 सितंबर (एजेंसियां)।

अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2025 के रोमांचक फाइनल में वेस्ट दिल्ली लायंस ने सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 6 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। टीम के कप्तान नितीश राणा एक बार फिर संकटमोचक बने और नाबाद 79 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को विजेता बनाया। 174 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्ट दिल्ली लायंस की शुरुआत खराब रही। सिमरजीत सिंह और अरुण पुंडीर ने शुरुआती झटके देकर टीम को 48/3 पर पहुंचा दिया। दबाव के इस मौके पर कप्तान राणा ने जिम्मेदारी संभाली और पहले मयंक गुसाईं के साथ 42 रनों की साझेदारी की। गुसाईं (15 रन, 11 गेंद) तेजस बारोका का शिकार बने, लेकिन राणा तब तक मैच पर पकड़ बना चुके थे। इसके बाद राणा को रितिक शौकीन का साथ मिला और दोनों ने नाबाद साझेदारी कर जीत पक्की कर दी। शौकीन ने संयम से खेलते हुए 42* (27 गेंद) बनाए, जबकि राणा ने नियंत्रित आक्रामकता दिखाते हुए लगातार चौके-छक्कों से स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाया। दोनों की अटूट साझेदारी ने सेंट्रल दिल्ली किंग्स के गेंदबाजों को पूरी तरह बेअसर कर दिया और टीम को खिताबी जीत दिलाई। इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी कर 20 ओवरों में 173/7 रन बनाए। एक समय टीम 78/6 पर जूझ रही थी, लेकिन युगल सैनी और प्रांशु विजयरण ने 78 रनों की अहम साझेदारी कर मैच का रुख बदल दिया। युगल सैनी ने 65 (48 गेंद) की धैर्यपूर्ण पारी खेली, जबकि प्रांशु विजयरण ने मात्र 24 गेंदों पर नाबाद 50 रन ठोककर आखिरी ओवरों में धूम मचा दी। गेंदबाजी में वेस्ट दिल्ली लायंस के लिए मनन भारद्वाज ने 3 ओवर में 2/11 के आंकड़े के साथ शानदार प्रदर्शन किया। शिवांक वशिष्ठ ने भी 2 ओवर में 2/12 झटके। कप्तान नितीश राणा ने गेंद से भी योगदान दिया और 4 ओवर में सिर्फ 16 रन देकर 1 विकेट हासिल किया।

टेनिस प्रीमियर लीग का सातवां सीजन 9 दिसंबर से अहमदाबाद करेगा मेजबानी

मुंबई,01 सितंबर (एजेंसियां)।

ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन (एआईटीए) के तत्वावधान में भारत की एकमात्र प्रोफेशनल टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) अब अपने बहुप्रतीक्षित सातवें सीजन के लिए तैयार है। यह सीजन 9 से 14 दिसंबर तक गुजरात यूनिवर्सिटी टेनिस स्टेडियम, अहमदाबाद में खेला जाएगा। पहली बार महाराष्ट्र से बाहर होने वाला यह सीजन लीग की यात्रा का नया अध्याय साबित होगा। इसी के साथ टीपीएल भारत की चौथी ऐसी स्पोर्ट्स लीग बन गई है, जिसने लगातार सातवें सीजन का माइलस्टोन हासिल किया है।

इस बार लीग में आठ फ्रेंचाइजी हिस्सा लेंगी, जिन्हें लिएंडर पेस, सानिया मिर्जा, महेश भूपति, रकुल प्रीत सिंह और सोनाली बेंद्रे जैसे दिग्गजों का समर्थन प्राप्त है। टूर्नामेंट में एटीपी रैंकिंग 30 से 50 के बीच के इंटरनेशनल टेनिस स्टार्स कोर्ट पर उतरेंगे। भारत की ओर से दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोहन बोपन्ना सहित देश के शीर्ष खिलाड़ी मैदान में दिखाई देंगे। टीपीएल अपने अनोखे 25-पॉइंट फॉर्मेट के लिए जानी जाती है, जिसने इसे तेज़-तर्रार और रोमांचक खेल का नया अनुभव देने वाली लीग बना दिया है।

तेजी से उभरते खेल केंद्र के रूप में अहमदाबाद इस आयोजन के लिए आदर्श मंच साबित होगा। बीते एक साल में टीपीएल ने गुजरात स्टेट टेनिस एसोसिएशन के साथ मिलकर विभिन्न आयु वर्गों की प्रतियोगिताएं आयोजित की हैं और रेस टू गोल्ड स्कॉलरशिप के माध्यम से युवा खिलाड़ियों को सहयोग भी दिया है।

टीपीएल के सह-संस्थापक कुणाल ठक्कर ने कहा कि हम पहली बार गुजरात में टीपीएल लेकर आ रहे हैं। शहर की ऊर्जा, बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर और खेलों के प्रति जुनून इसे मेजबानी के लिए आदर्श बनाता है। सातवां सीजन अहमदाबाद के दर्शकों को विश्व स्तरीय टेनिस का शानदार अनुभव देगा।

सह-संस्थापक मृणाल जैन ने जोड़ा कि गुजरात यूनिवर्सिटी टेनिस स्टेडियम शानदार सुविधाओं से लैस है। अहमदाबाद जैसे नए बाज़ारों में विस्तार से हमें देशभर के प्रशंसकों तक टॉप-लेवल टेनिस पहुंचाने का मौका मिलेगा। गुजरात स्टेट टेनिस एसोसिएशन के सचिव श्रिमल भट्ट ने कहा कि गुजरात के इतिहास में पहली बार 30 से 50 रैंक वाले शीर्ष एटीपी खिलाड़ी यहां खेलने आ रहे हैं। यह राज्य में टेनिस को नई ऊंचाई देगा। ग्रासरूट स्तर पर प्रतिभा को निखारने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टेनिस प्रदर्शित करने के अनूठे मॉडल के कारण टीपीएल खास पहचान रखती है।

रोहित ने पास किया प्री-सीजन फिटनेस टेस्ट

बेंगलुरु। भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने रविवार को यहां बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में हुए प्री-सीजन फिटनेस टेस्ट को पास कर लिया है। इससे अब रोहित के अगले माह होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे में खेलने को लेकर लगी सभी आशंकाएं समाप्त हो गयी हैं। इसी के साथ ही रोहित की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी भी तय हो गयी है। रोहित आईपीएल 2025 सत्र के बाद से ही मैदान से बाहर हैं। जिससे उनकी फिटनेस को लेकर सवाल उठते रहे हैं। वहीं अब रोहित ने फिटनेस टेस्ट पास कर अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। रोहित ने इंग्लैंड दौरे से पहले ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। तभी से कहा जाने लगा था कि अब वह एकदिवसीय प्रारुप को भी अलविदा कह देंगे पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में पुष्टि की थी कि वह एकदिवसीय कप्तान बने रहेंगे। वहीं एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया था कि अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के एकदिवसीय दौरे के बाद 50 ओवर क्रिकेट से संन्यास ले सकते हैं। रोहित ने हालांकि अभी तक इन अफवाहों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। रोहित के अनुसार उन्होंने अनिवार्य फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है।

ओवल इनविंसिबल्स ने तीसरी बार जीता द हंड्रेड खिताब

लंदन,01 सितंबर (एजेंसियां)।

ओवल इनविंसिबल्स ने लगातार तीसरी बार 'द हंड्रेड' का खिताब अपने नाम किया। रविवार रात खेले गए फाइनल में उन्होंने ट्रेंट रॉकेट्स को 26 रन से हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। टीम की जीत के नायक रहे विल जैक्स (72 रन) और नाथन सोउटर (3/25), जिन्होंने निर्णायक प्रदर्शन किया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए इनविंसिबल्स ने 168/5 का स्कोर खड़ा किया। विल जैक्स ने 41 गेंदों में 7 चौके और 4 छक्कों की मदद से 72 रन बनाए, जबकि जॉर्डन कॉक्स ने 40 रन जोड़े। दोनों के बीच 87 रनों की अहम साझेदारी हुई। हालांकि, आखिरी ओवरों में रॉकेट्स के गेंदबाजों ने शानदार वापसी की और सिर्फ 25 रन ही दिए, जिससे इनविंसिबल्स बड़ा स्कोर बनाने से चूक गए। लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉकेट्स की शुरुआत धीमी रही। पावरप्ले में उन्होंने 32 रन बनाए लेकिन नाथन सोउटर ने मिडिल ओवर्स में कहर ढा दिया। उन्होंने जो रूट (10) को आउट करने के बाद रेहान अहमद और टॉम बैंटन को भी चलता किया। इससे रॉकेट्स का स्कोर 37/3 हो गया।

इसके बाद डेविड विली और मार्कस स्टोइनिस ने पारी को संभालने की कोशिश की। स्टोइनिस ने शानदार 64 रन (38 गेंद) बनाए और आखिरी तक जूझते रहे। रॉस व्हाइटली ने भी उनका साथ दिया और दोनों ने 38 रन की साझेदारी की, लेकिन रन रेट का दबाव भारी पड़ गया। आखिरी ओवर में 33 रन की दरकार थी, जो संभव नहीं हो सका और पूरी टीम 142/8 तक ही पहुंच सकी।

संक्षिप्त स्कोरकार्ड:

ओवल इनविंसिबल्स: 168/5 (विल जैक्स 72, जॉर्डन कॉक्स 40; मैट कार्टर 2/24)

ट्रेंट रॉकेट्स: 142/8 (मार्कस स्टोइनिस 64; नाथन सोउटर 3/25, साकिब महमूद 2/22)

परिणाम: ओवल इनविंसिबल्स 26 रन से विजयी।

टोक्यो विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 : नीरज चोपड़ा भारत की 19 सदस्यीय टीम की अगुवाई करेंगे, अविनाश साबले बाहर

नई दिल्ली,01 सितंबर (एजेंसियां)।

एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने रविवार को टोक्यो में अगले महीने शुरू होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भारत की अंतिम 19 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी। इस टीम में 14 पुरुष और 5 महिला एथलीट शामिल हैं, जो 15 अलग-अलग स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेंगे।

भारत की सबसे बड़ी पदक उम्मीद एक बार फिर भाला फेंक विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा होंगे, जो डिफेंडिंग चैंपियन होने के नाते वाइल्ड कार्ड एंट्री से सीधे क्वालीफाई हुए हैं। उनके अलावा तीन और भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी—सचिन यादव, यश वीर सिंह और रोहित यादव—भी मैदान में उतरेंगे।

तीन एथलीट्स ने सीधे एंट्री स्टैंडर्ड पार कर क्वालीफाई किया है—गुलवीर सिंह (5000 मीटर), प्रवीण चित्रावल (ट्रिपल जंप) और पारुल चौधरी (3000 मीटर स्टीपलचेज)। गुलवीर 10,000 मीटर दौड़ में भी हिस्सा लेंगे, वहीं मिडिल डिस्टेंस धाविका पूजा 800 मीटर और 1500 मीटर दोनों स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेंगी।

हालांकि, अविनाश साबले, नंदिनी आगरसरा और अक्षदीप सिंह ने क्वालीफाई किया था लेकिन मेडिकल कारणों से उन्हें टीम में जगह नहीं मिली।

एएफआई के मुख्य कोच राधाकृष्णन नायर ने बताया कि 4 से 9 सितंबर तक टोक्यो में प्री-कम्पटीशन ट्रेनिंग कैंप होगा। 10 सितंबर को सभी खिलाड़ी आधिकारिक होटल में शिफ्ट होंगे। नीरज चोपड़ा 5 सितंबर को सीधे चेक गणराज्य से टीम से जुड़ेंगे।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में खेली जाएगी।

भारतीय टीम (विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025)

पुरुष:

- 1. नीरज चोपड़ा – भाला फेंक (वाइल्ड कार्ड)
- 2. गुलवीर सिंह – 5000 मीटर (एंट्री स्टैंडर्ड)
- 3. प्रवीण चित्रावल – ट्रिपल जंप (एंट्री स्टैंडर्ड)
- 4. अब्दुल्ला अबूबकर – ट्रिपल जंप (रैंकिंग 31/36)
- 5. सर्वेश कुशारे – हाई जंप (रैंकिंग 34/36)
- 6. अनीमेश कुजूर – 200 मीटर (रैंकिंग 42/48)
- 7. सचिन यादव – भाला फेंक (रैंकिंग 20/36)
- 8. यश वीर सिंह – भाला फेंक (रैंकिंग 30/36)
- 9. मुरली श्रीशंकर – लॉन्ग जंप (रैंकिंग 36/36)
- 10. सर्विन सेबेस्टियन – 20 किमी रेस वॉक (रैंकिंग 34/50)
- 11. राम बाबू – 35 किमी रेस वॉक (रैंकिंग 50/50)
- 12. गुलवीर सिंह – 10,000 मीटर (इन्विटेशन)
- 13. संदीप – 35 किमी रेस वॉक (इन्विटेशन)
- 14. रोहित यादव – भाला फेंक (इन्विटेशन)
- 15. तेजस शिर्से – 110 मीटर बाधा दौड़ (इन्विटेशन)

महिला:

- 1. पारुल चौधरी – 3000 मीटर स्टीपलचेज (एंट्री स्टैंडर्ड)
- 2. अन्नू रानी – भाला फेंक (रैंकिंग 22/36)
- 3. प्रियंका गोस्वामी – 35 किमी रेस वॉक (रैंकिंग 33/50)
- 4. अंकिता – 3000 मीटर स्टीपलचेज (रैंकिंग 35/36)
- 5. पूजा – 1500 मीटर (रैंकिंग 49/56)
- 6. पूजा – 800 मीटर (इन्विटेशन)।

एयरटेल ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने कर रही एआई का इस्तेमाल

खरीदारी, बिलिंग, भुगतान और कस्टमर केयर के लिए एआई एजेंट किए तैयार

नई दिल्ली,01 सितंबर (एजेंसियां)। भारती एयरटेल अपने ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल कर रही है। कंपनी ने अपने 3.8 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों के लिए खरीदारी, बिलिंग, भुगतान और कस्टमर केयर जैसी सेवाओं में काम आने वाले छह अलग-अलग एआई एजेंट तैयार किए हैं। पिछले 18 महीनों से एयरटेल एआई का परीक्षण कर रही थी और पिछले कुछ तिमाहियों में इसे अपने संचालन में शामिल किया है। ये छह एआई एजेंट कंपनी के एक्सटेल्फी नामक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के तहत काम करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि एयरटेल का उद्देश्य एआई को अपनी सभी संचालन प्रक्रियाओं का मुख्य हिस्सा बनाना है। इसके साथ ही एयरटेल थैंक्स ऐप को सभी ग्राहक सवालों और सेवाओं का मुख्य माध्यम बनाया जाएगा। एक वरिष्ठ उद्योग अधिकारी ने कहा कि करीब छह महीने पहले एआई को संचालन का केंद्र बनाया गया है। इससे पहले कंपनी ने तीन हजार इंजीनियर और टेक्नोलॉजी स्टाफ का पुनर्गठन किया है।

कंपनी ने इसके ऊपर एक डेटा प्लेटफॉर्म तैयार किया है और इस पर छह एआई एजेंट-डेटा, खरीद, निर्माण, भुगतान, सेवा और चैनल प्लेटफॉर्म्स बनाए हैं। दूसरे अधिकारी ने बताया कि ये एआई एजेंट एक 'अमरीकृत एआई एजेंट' के तहत काम करेंगे, जो सभी ग्राहक सवालों का एक ही बिंदु होगा, बिल्कुल वैसे जैसे चैटजीपीटी या गिम्नी आज काम करते हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में एयरटेल थैंकस ऐप गूगल सर्च बार की तरह काम करेगा। ग्राहक किसी भी समस्या या खरीद के लिए सीधे पूछ सकेंगे, जैसे अंतरराष्ट्रीय रोमिंग प्लान। एआई एजेंट आपस में बात करेंगे और समाधान प्रस्तुत करेंगे। एयरटेल ने कुछ साल पहले अपने आईटी संचालन, जिसमें ऑपरेशंस और बिलिंग सपोर्ट शामिल थे, आईबीएम से इनसोर्स कर लिए थे। एआई के आने के बाद कंपनी ने आईटी खर्च को अपने कुल राजस्व का सिर्फ 1.5 फीसदी कर दिया है, जबकि वैश्विक टेलिकॉम कंपनियों का औसत 5.5-6 फीसदी है। एक्सटेल्फी के जरिए एयरटेल अब अपनी एआई-संचालित प्लेटफॉर्म सेवाएं यूरोपीय और अन्य वैश्विक कंपनियों को भी पेश करेगी।

न्यूज़ ब्रीफ

रेयर अर्थ मैग्नेट की कमी ने बजाज ऑटो को पांचवें स्थान पर धकेला

नई दिल्ली। अगस्त के महीने में भारतीय इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में पहली बार एथर एनर्जी ने ओला इलेक्ट्रिक को पछाड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया। वहीं, रेयर अर्थ मैग्नेट की कमी ने बजाज ऑटो को पांचवें स्थान पर धकेल दिया। जानकारों के मुताबिक, बजाज की चेतक इलेक्ट्रिक और गोगो 3डब्ल्यू की प्रोडक्शन चीन से आई सप्लाई चेन की रुकावट से बुरी तरह प्रभावित हुई। रेयर अर्थ मैग्नेट की कमी को लेकर कंपनी ने पहले ही चेतावनी दी थी कि अगस्त उनके लिए जीरो मंथ साबित हो सकता है। हालांकि, उम्मीद जताई जा रही है कि सप्लाई जल्द सुधरेगी और बजाज अपनी पुरानी पोजिशन पर लौट आएगा। ओला इलेक्ट्रिक को अगस्त में एक तरफ पीएलआई स्कीम की मंजूरी मिली, जिससे कंपनी को 2028 तक 13-18प्रतिशत तक का इंसेंटिव मिलेगा, लेकिन दूसरी ओर मार्केट शेयर में गिरावट और ग्राहकों का घटता भरोसा अभी भी कंपनी के लिए चुनौती बना हुआ है। इसका असर इसके शेयर प्राइस पर भी दिखा, जो 76 रुपये से गिरकर 50.8 रुपये तक पहुंच गया। दूसरी ओर, एथर एनर्जी ने अप्रत्याशित छलांग लगाई। मई में लिस्टेड हुई कंपनी का जून तिमाही में रेवेन्यू 79 प्रतिशत बढ़कर 644.6 करोड़ रुपये पहुंच गया। घाटा भी घटकर 178.2 करोड़ रह गया, जो पिछले साल से कुछ बेहतर स्थिति है। इस ग्रोथ ने एथर को ओला के ऊपर पहुंचा दिया है। उद्योग में चिंता का बड़ा कारण रेयर अर्थ एलिमेंट्स की कमी बनी हुई है। ये मिनरल्स ईवी, इलेक्ट्रॉनिक्स और डिफेंस सेक्टर के लिए बेहद अहम हैं। चीन की सप्लाई कर्ब्स ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। यही वजह है कि ओला समेत कई कंपनियां अब रेयर अर्थ-फ्री मोटर्स पर काम कर रही हैं, ताकि चीन पर निर्भरता कम की जा सके। अगस्त का यह उतार-चढ़ाव बताता है कि ईवी मार्केट सिर्फ प्रतिस्पर्धा का नहीं बल्कि सप्लाई चेन प्रबंधन का भी खेल है।

3नई ई-स्कूटर टीवीएस ऑर्बिटर लॉन्च

नई दिल्ली। टीवीएस मोटर कंपनी ने अपनी नई ई-स्कूटर टीवीएस ऑर्बिटर को लॉन्च कर दिया है। इसकी शुरुआती कीमत 99,900 रुपये (एक्स-शोरूम, बेंगलुरु और दिल्ली, पीएम ई-ड्राइव स्कीम के तहत) रखी गई है। यह स्कूटर स्मार्ट, स्टाइलिश और सस्टेनेबल अर्बन कम्यूट के लिए खासतौर पर डिजाइन की गई है। नई टीवीएस ऑर्बिटर में 3.1 केडब्ल्यूएच की बैटरी दी गई है, जो 158 किमी की आईडीसी रेंज देने में सक्षम है। यानी रोजाना शहर में आने-जाने के लिए पेट्रोल स्कूटर को अलविदा कहने का वक्त आ गया है। लंबी बैटरी लाइफ और बेहतर परफॉर्मेंस इसे अपने सेगमेंट में खास बनाते हैं। इस ई-स्कूटर को कई ऐसे फीचर्स से लैस किया गया है, जो इसे प्रतियोगियों से अलग करते हैं। पहली बार किसी स्कूटर में 14-इंच का बड़ा फ्रंट व्हील दिया गया है, जिससे राइडिंग स्टेबिलिटी और कम्फर्ट बढ़ जाता है। इसके अलावा इसमें क्रूज कंट्रोल, हिल होल्ड असिस्ट और 34 लीटर का अंडर-सीट स्टोरेज स्पेस जैसे एडवांस फीचर्स मौजूद हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली। देश में सोमवार को कुछ जगहों पर तेल की कीमतें बढ़ीं हैं जबकि कुछ जगहों पर कम हुई हैं। दुनिया भर के बाजारों में कच्चे तेल के दाम बढ़कर 68 डॉलर पहुंच गये। इससे देश भर में तेल की कीमतें भी प्रभावित हुई हैं। चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर। वहीं मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया। कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर रहा। वहीं उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल की कीमतें 27 पैसे कम हुई। इससे ये 94.87 रुपये लीटर पर है। वहीं डीजल की कीमतें भी 25 पैसे कम हुई हैं और 87.82 रुपये लीटर पहुंच गयी हैं। गाजियाबाद में पेट्रोल 21 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.76 रुपये लीटर पहुंच गया, जबकि डीजल 23 पैसे चढ़कर 87.52 रुपये लीटर बिक रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अफसरों को ...

(एक्यूआईएस) के सदस्य शामिल थे। जबकि भारत की खुफिया एजेंसी को मिली सूचना में मोड़ बस इतना था कि आतंकियों का निशाना अमेरिकी दूतावास के बजाय भारतीय उच्चायोग था। हमले की तैयारी कर रहे आतंकवादियों ने दूतावास-क्षेत्र में स्थित खुले मैदान में क्रिकेट खेल कर भारतीय उच्चायोग की रेकी की थी।

आतंकवाद-रोधी विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी एजेंसियों की कहानी जानबूझकर असली तथ्य को छिपाने और भारतीय एजेंसियों एवं बांग्लादेशी सुरक्षा अधिकारियों को गुमराह करने के लिए गढ़ी गई थी। ढाका में भारतीय दूतावास को निशाना बनाने की आतंकवादी साजिश के लीक होने के बाद, अमेरिका ने अपने बचाव में बांग्लादेश के स्पेशल प्रोग्राम फॉर एम्बैसी ऑगमेंटेशन एंड रेस्पॉन्स (स्पेयर) के साथ मिलकर दूतावास कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए एक विशेष बल बनाने पर चर्चा शुरू कर दी है। यह भी अमेरिका की नई चाल है। स्पेयर का संचालन और वित्तपोषण अमेरिकी विदेश विभाग की राजनयिक सुरक्षा सेवा (डीएसएस) के आतंकवाद-रोधी सहायता (एटीए) कार्यालय द्वारा किया जाता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, भागीदार देशों के कानून प्रवर्तन अधिकारियों से एक 24 घंटे सक्रिय त्वरित प्रतिक्रिया बल (क्यूआरएफ) का गठन किया जाता है, जो अमेरिकी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आपातकालीन स्थितियों में मिनटों में प्रतिक्रिया देने में सक्षम होता है। एटीए इन बलों को प्रशिक्षण, उपकरण और सलाह प्रदान करता है। स्पेयर टीमों ने पहले ही विभिन्न देशों में आतंकवादी हमलों को विफल किया है, दूतावासों के पास होने वाले अपराधों को रोका है, आपातकालीन चिकित्सा सहायता प्रदान की है और कई लोगों की जान बचाई है।

इस साजिश के समय को बांग्लादेश की अस्थिर राजनीतिक वास्तविकताओं से अलग नहीं किया जा सकता। अगस्त 2024 में शेख हसीना के अपदस्थ होने से ढाका के शासन में एक शून्य पैदा हो गया। चार बार प्रधानमंत्री रहीं हसीना को भारत लंबे समय से दक्षिण एशिया में अपना सबसे विश्वसनीय सहयोगी मानता रहा। उनके नेतृत्व में, ढाका ने अनगिनत आतंकवादी नेटवर्कों को ध्वस्त किया, सीमा पार आतंकवाद पर नकेल कसी और यह सुनिश्चित किया कि बांग्लादेश भारत-विरोधी विद्रोहियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह न बने। लेकिन उनके जाने के बाद, संयुक्त राज्य अमेरिका ने हिलेरी क्लिंटन और जॉर्ज सोरोस के दलाल मोहम्मद यूनुस को लाकर बांग्लादेश की सत्ता पर बैठा दिया। जबकि यूनुस के पास राजनीतिक वैधता और जमीनी समर्थन, दोनों का अभाव था। यूनुस के अंतरिम शासन को अमेरिकी डीप स्टेट एक्सपेरिमेंट कहा जाता है।

अमेरिकी इशारे और पाकिस्तानी मदद से बांग्लादेश में इस्लामिक चरमपंथी समूहों को बढ़ावा मिला। जमातुल अंसार फिल हिंदाल शर्किया (जेएएचएस), हिज्ब उत-तहरीर और अंसार अल-इस्लाम (अल कायदा का स्थानीय गुट), जो वर्षों से भूमिगत थे, फिर से उभरने लगे। यूनुस और उनके सलाहकारों द्वारा किया गया तथाकथित शून्य-उग्रवाद का दावा जमीनी हकीकत में एक खतरनाक गलतबयानी माना जाने लगा। भारत के लिए, शेख हसीना का अपने क्षेत्र में अचानक निर्वासन बहुत बड़ा रणनीतिक महत्व रखता था। नई दिल्ली को न केवल उनकी सुरक्षा की गारंटी देनी थी, बल्कि उनके भारत समर्थक रुख का विरोध करने वाली ताकतों के संभावित हमले के लिए भी खुद को तैयार रखना था। वाशिंगटन के लिए हसीना एक बाधा थीं। चीन और रूस के साथ उनके मजबूत संबंधों और पश्चिमी हुक्मों की अवज्ञा ने लंबे समय से अमेरिकी डीप स्टेट को परेशान कर रखा था। हसीना के निर्वासन ने विदेशी ताकतों को क्षेत्र को अस्थिर करने का मकसद और मौका दोनों दिया।

इसी नाजुक राजनीतिक पृष्ठभूमि में ढाका स्थित अमेरिकी दूतावास ने बांग्लादेशी अधिकारियों के साथ अपनी साजिशी हरकतें (बैठकें) तेज कर दीं। हालांकि सार्वजनिक रूप से इन्हें सुरक्षा सहयोग के रूप में पेश किया गया, लेकिन अंदरूनी जानकारों का मानना है कि इन बैठकों ने एक ऐसा आवरण प्रदान किया जिसके तहत डीप स्टेट ढाका पर दबाव बना सके और साथ ही असली साजिश का पर्दाफाश होने पर अपनी भटकाने वाली कहानी के लिए जमीन तैयार कर सके। इस साजिश का सबसे खतरनाक पहलू इसमें शामिल हथियारों और रसद का पैमाना था। खुफिया एजेंसियों ने इसकी पुष्टि की है कि वर्ष 2023 के अंत से पाकिस्तान से गुप्त रास्तों के जरिए सैकड़ों अत्याधुनिक हथियारों की तस्करी बांग्लादेश में की गई। इन खेपों में कथित तौर पर असॉल्ट राइफलें, स्नाइपर राइफलें, विस्फोटक, लड़ाकू वर्दी, सैटेलाइट फोन और नाइट-विजन दूरबीनें शामिल हैं।

कराची बंदरगाह और समुद्री तस्करी के जरिए लाए गए इन हथियारों को सीआईए और आईएसआई के तत्वों की जानकारी में बांग्लादेश पहुंचाया गया था। इस्लामी कट्टरपंथी झुकाव के लिए कुख्यात रिटायर बांग्लादेशी सैन्य अधिकारियों ने आतंकवादियों को प्रशिक्षित करने और उन्हें ऑपरेशन के लिए तैयार करने में पर्यवेक्षक की भूमिका निभाई। यह योजना अपनी सटीकता में खौफनाक थी। आतंकवादी भारतीय उच्चायोग परिसर में मासूमियत भरे बहाने से घुसपैठ करते। बड़े समूह बगल के मैदान में क्रिकेट खिलाड़ी और दर्शक बनकर खड़े होते। एक बार नियंत्रण स्थापित हो जाने पर, पास के शहजादपुर और बड्डा इलाकों में खड़ी वैन के अंदर छिपे रिमोट-नियंत्रित कार बम परिसर में घुस जाते।

खतरे को और बढ़ाते हुए, साजिशकर्ताओं ने अपनी घेराबंदी का सीधा प्रसारण करने के लिए एक एफएम ट्रांसमीटर लाने की योजना बनाई थी। इसे जेएएचएस, हिज्ब-उत-तहरीर, अंसार-अल-इस्लाम और यहां तक कि हिफाजत-ए-इस्लाम जैसे समूहों द्वारा नियंत्रित दर्जनों सोशल मीडिया अकाउंट्स द्वारा बढ़ावा दिया जाना था। उनका लक्ष्य न केवल आतंकित करना था, बल्कि मनोवैज्ञानिक युद्ध छेड़ना भी था, जिसमें भारत के अपमान और फिरौती में हसीना के संभावित प्रत्यर्पण का वृत्तांत प्रसारित किया जाता। यह अभियान सफल होता, तो परिणाम भयावह होते। भारतीय राजनयिकों को खतरे में डालने के अलावा, यह क्षेत्रीय संघर्ष को भड़का सकता था, जिससे भारत सीधे पाकिस्तान समर्थित नेटवर्कों के खिलाफ खड़ा हो सकता था और बांग्लादेश को अस्थिरता के एक अनियंत्रित चक्र में घसीट सकता था।

इस साजिश का प्रचारात्मक पहलू भी उतना ही ध्यान देने योग्य है। डीप स्टेट लंबे समय से अपने अभियानों को बढ़ाने के लिए सूचना युद्ध पर निर्भर रहा है। घेराबंदी का सीधा प्रसारण सुनिश्चित करके, षड्यंत्रकारियों का इरादा दुनियाभर में चरमपंथियों की सहानुभूति जुटाना, मीडिया का ध्यान आकर्षित करना और भारत को प्रतिक्रियावादी रुख अपनाने के लिए मजबूर करना था। इसके अलावा, अमेरिकी दूतावास पर हमले की झूठी कहानी का पूर्व-प्रसार करना यह दर्शाता है कि कैसे वास्तविक लक्ष्य को छिपाने के लिए दुष्प्रचार को हथियार बनाया गया था। इस जानबूझकर की गई हेराफेरी ने न केवल वाशिंगटन के गुप्त हितों की रक्षा की, बल्कि मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार को यह दावा करने का मौका भी दिया कि वह आतंकवाद के खिलाफ पश्चिमी शक्तियों के साथ सहयोग कर रही है। जबकि वास्तव में, यूनुस के शासन में आतंकवादी संगठन फिर से ताकत हासिल कर रहे हैं।

नाकाम साजिश शेख हसीना की सुरक्षा के भारत के संकल्प को मजबूत करती है। जब तक वह भारतीय धरती पर हैं, भारत शत्रुतापूर्ण दबाव में उनके अपहरण या जबरन प्रत्यर्पण का जोखिम नहीं उठा सकता। उनकी रक्षा करना न केवल एक दीर्घकालिक सहयोगी के लिए एक नैतिक दायित्व है, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए एक रणनीतिक अनिवार्यता भी है कि बांग्लादेश कट्टरपंथ और विदेशी हेरफेर की कक्षा में अपरिवर्तनीय रूप से न फंस जाए। ढाका में भारतीय उच्चायोग पर हमले की नाकाम साजिश इस बात की कड़ी याद दिलाती है कि पाकिस्तान की आईएसआई और स्थानीय आतंकवादी संगठनों की सहायता से वैश्विक डीप स्टेट अभिनेता अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किस हद तक जाने को तैयार हैं। यह केवल एक आतंकी साजिश नहीं थी, बल्कि यह भारत को ब्लैकमेल करने, बांग्लादेश को अस्थिर करने और अमेरिकी गुप्त अभियानों को जांच से बचाने के लिए रची गई एक भू-राजनीतिक चाल थी।

शांति प्रयासों के ...

रास्ता कुछ हद तक नई दिल्ली से होकर जाता है। उन्होंने कहा था कि मेरा मतलब है, यह मूलतः मोदी का युद्ध है, क्योंकि शांति का रास्ता कुछ हद तक नई दिल्ली से होकर जाता है। नवारो के इस बयान को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने अंतरराष्ट्रीय मंच से धो डाला और कहा कि युद्ध के लिए जिम्मेदार वे शक्तियां हैं जो यूक्रेन को गलत तरीके से मदद पहुंचाती रही हैं और रूस के समक्ष खतरे पैदा करती रही हैं।

पहलगाम आतंकी...

पर जोर दिया कि किसी भी तरह से आतंकवादी, अलगाववादी या उग्रवादी समूहों का निजी स्वार्थों के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। सदस्य देशों ने आतंकवाद के सभी रूपों की कड़ी निंदा की और यह भी कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंड अस्वीकार्य हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वह सीमा पार आतंकवाद सहित सभी रूपों में आतंकवाद से मिलकर लड़ें।

इसमें कहा गया कि यह घोषणा एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के संदेश को दोहराती है। सदस्य देशों ने 3 से 5 अप्रैल 2025 को नई दिल्ली में आयोजित 5वें एससीओ स्टार्टअप मंच के परिणामों का स्वागत किया, जिससे विज्ञान, तकनीकी प्रगति और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग और गहरा हुआ है। सदस्य देशों ने 21-22 मई 2025 को नई दिल्ली में हुई 20वीं एससीओ थिंक टैंक मंच की बैठक को भी महत्वपूर्ण बताया। साथ ही, उन्होंने विश्व मामलों की भारतीय परिषद (आईसीडब्ल्यूए) के तहत काम करने वाले एससीओ अध्ययन केंद्र की सराहना की, जिसने सांस्कृतिक और मानवीय आदान-प्रदान को मजबूत किया है।

दादागीरी और ताकत...

बहुपक्षीय कार्रवाई शुरू की। हमने कानून व्यवस्था और सुरक्षा सहयोग को लगातार आगे बढ़ाया।

उन्होंने कहा, हमने कानून व्यवस्था और सुरक्षा सहयोग को बढ़ाया, मतभेदों को सही तरीके से संभाला और सुलझाया, बाहरी दखल का स्पष्ट रूप से विरोध किया और क्षेत्र में शांति व स्थिरता बनाए रखी। हमने सबसे पहले बेल्ट एंड रोड पहल की शुरुआत की। हम हमेशा अंतरराष्ट्रीय न्याय और निष्पक्षता के पक्ष में खड़े रहते हैं, सभ्यताओं के बीच समावेश और आपसी सीख को बढ़ावा देते हैं और प्रभुत्ववादी सोच और शक्ति की राजनीति का विरोध करते हैं।

चीनी राष्ट्रपति ने कहा, भविष्य को देखते हुए हमें आज की चुनौतियों और बदलावों से भरी दुनिया में शंघाई-भावना को आगे बढ़ाना चाहिए। हमें मजबूत कदमों के साथ आगे बढ़ना चाहिए और अपने संगठन की संभावनाओं का बेहतर उपयोग करना चाहिए। हमें मतभेदों को किनारे रखकर एकता की राह पकड़नी चाहिए, क्योंकि साझा लक्ष्य ही हमारी ताकत और लाभ का स्रोत हैं। मतभेदों के बीच समानता तलाशने की इच्छा, समझदारी और दूरदर्शिता को दर्शाती है। अपने भाषण में जिनपिंग ने कहा, एससीओ के सभी सदस्य देश एक-दूसरे के दोस्त और साझेदार हैं। हमें एक-दूसरे के मतभेदों का सम्मान करना चाहिए, रणनीतिक संवाद बनाए रखना चाहिए, आम सहमति बनानी चाहिए और एकता व सहयोग को मजबूत करना चाहिए। हमें सहयोग के दायरे को और बड़ा करना चाहिए और हर देश की विशेष क्षमताओं का पूरा उपयोग करना चाहिए, ताकि हम इस क्षेत्र में शांति, स्थिरता, विकास और समृद्धि के लिए अपनी जिम्मेदारी निभा सकें।

चीनी राष्ट्रपति ने कहा, दुनिया की स्थिति अब भी अस्थिर और अशांत बनी हुई है। हमें धमकाने की राजनीति को नकारना होगा, बाहरी दखल का विरोध करना होगा और सभी देशों के वैध विकास के अधिकारों की रक्षा करनी होगी। जिनपिंग ने बहुपक्षीयता की पैरवी करते हुए संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को बचाए रखने और वैश्विक व्यापार की अखंडता बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हम न्याय और समानता का समर्थन करते हैं और हठधर्मी ताकतों और शक्ति की राजनीति का विरोध करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय मामलों में सम्मान पर आधारित रचनात्मक भागीदारी होनी चाहिए।

भारत जैसे देश को...

लेकिन भारत जैसे देश को, जो बाजारों और श्रम के लिए इतना महत्वपूर्ण है, उसे कमतर आंकना, मुझे नहीं लगता कि यह ठीक है। उन्होंने सुझाव दिया कि नई दिल्ली के पास इस धौंस जमाने वाले देश का सामना करने का अवसर है। टैंगन ने कहा कि पीएम मोदी और शी जिनपिंग की यह बैठक केवल भारत और चीन के बारे में नहीं थी, बल्कि कई देशों की चिंताओं के बारे में भी थी, जो अमेरिका के टैरिफ से परेशान हैं। उन्होंने कहा कि यह अहम पल है, जो वाशिंगटन को भारत के प्रति उसके मनमाने व्यवहार के लिए एक कड़ा संदेश देता है। टैंगन ने कहा, अमेरिका, भारत पर दबाव बनाना चाहता है। उसे चिंता है कि भारत गुटनिरपेक्ष दुनिया का नेतृत्व कर सकता है और अमेरिका को बता सकता है कि आप हमारे साथ औपनिवेशिक खेल नहीं खेल सकते और हमें चीन, रूस और कई अन्य देशों सहित एक-दूसरे के खिलाफ नहीं खड़ा कर सकते।

दुनिया ने देखी एक...

25वें शिखर सम्मेलन की औपचारिक शुरुआत रविवार रात राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा आयोजित एक भव्य भोज के साथ हुई। इसमें प्रधानमंत्री मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत अन्य नेता भी शामिल हुए। इस वर्ष का शिखर सम्मेलन एससीओ समूह का सबसे बड़ा शिखर सम्मेलन बताया गया है, क्योंकि इस वर्ष एससीओ के अध्यक्ष चीन ने एससीओ-प्लस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटारेस सहित 20 विदेशी नेताओं और 10 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों को आमंत्रित किया है। सोमवार को विभिन्न नेताओं ने बैठक को संबोधित किया और संगठन के लिए अपने भविष्य के दृष्टिकोण प्रस्तुत किए।

कई राष्ट्राध्यक्षों से...

पीएम मोदी ने व्यक्तिगत रूप से एससीओ देशों के राष्ट्राध्यक्षों से मुलाकात कर आपसी रिश्तों को मजबूत करने पर जोर दिया। इस मुलाकात से व्यापार, रक्षा, संपर्क, सांस्कृतिक संबंध समेत कई क्षेत्रों में दूरगामी परिणाम सामने आएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री केपी ओली से मुलाकात की तस्वीर भी सोशल मीडिया पर साझा की और लिखा कि नेपाल के साथ भारत के संबंध गहरे और बेहद खास हैं। पीएम मोदी ने मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू से भी मुलाकात की। पीएम मोदी ने लिखा, तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू से बातचीत की। मालदीव के साथ भारत का विकासात्मक सहयोग दोनों देशों के लोगों के लिए बेहद फायदेमंद है। पीएम मोदी ने मिस्र के प्रधानमंत्री मुस्तफा मदबौली से भी मुलाकात की। बातचीत के दौरान उन्होंने कुछ साल पहले की अपनी मिस्र यात्रा को याद किया। उन्होंने कहा कि भारत-मिस्र मित्रता प्रगति की नई ऊंचाइयों को छू रही है। पीएम मोदी इसके बाद बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको से मिले। उन्होंने ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमाली रहमान से भी बात की। मध्य एशिया के देश कजाकिस्तान के राष्ट्रपति तोकायेव से भी प्रधानमंत्री मोदी ने मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन से भी मुलाकात की। पीएम मोदी ने कहा कि भारत रक्षा, व्यापार, हरित ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों में वियतनाम के साथ संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए उत्सुक है। म्यांमार के कार्यवाहक राष्ट्रपति, वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग से भी पीएम मोदी ने मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, म्यांमार भारत की एक्ट ईस्ट और नेबरहुड फर्स्ट नीतियों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। हम दोनों इस बात पर सहमत हुए कि व्यापार, संपर्क, ऊर्जा, रेयर मिनरल्स और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देने की अपार संभावनाएं हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दक्षिण पूर्व एशियाई देश लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक के प्रधानमंत्री थोंगलाउन सिसोउलिथ से मुलाकात की। उन्होंने कहा, हमारे देशों के बीच घनिष्ठ मित्रता, विशेष रूप से व्यापार और संस्कृति के क्षेत्र में, अत्यंत लाभकारी है। प्रधानमंत्री मोदी ने तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति सरदार बर्दीमुहामेदोव से भी बातचीत की। उन्होंने अलग-अलग मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। अर्मेनिया के राष्ट्रपति निकोल पाशिनयान से मुलाकात को प्रधानमंत्री मोदी ने बहुत अच्छी बातचीत कहा। उन्होंने कहा, भारत और आर्मेनिया के बीच मधुर और प्रगाढ़ संबंध हैं, जो मित्रता और आपसी सहयोग पर आधारित हैं। अमेरिका की मध्यस्थता से आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच हुए समझौते के बाद, यह भारत और आर्मेनियाई राष्ट्रपति के बीच पहली सीधी बातचीत थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव से भी अपनी मुलाकात के बारे में सोशल मीडिया पर लिखा। उन्होंने लिखा, भारत और उज्बेकिस्तान एक अहम साझेदार हैं। ये संस्कृति, अर्थव्यवस्था और लोगों के बीच संबंधों के माध्यम से निरंतर आगे बढ़ रहा है। इसके अलावा, उन्होंने किर्गिस्तान के राष्ट्रपति सदिर जापारोव से भी बातचीत की। पीएम मोदी ने कहा, तिआनजिन में किर्गिज राष्ट्रपति सदिर जापारोव के साथ बहुत ही अहम बातचीत हुई। हमारे देशों के बीच एक मजबूत साझेदारी है और हम अपने विकास के इस सहयोग को और मजबूत बनाने के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।

आज बाबा रामदेव की दशमी

खम्मा-खम्मा हो म्हारा रुणिचै रा धनियां...!!

राजस्थान में अनेक ऐसे महापुरूष हुए जिन्होंने मानव देह धारण कर अपने कर्म और तप से यहां के लोक जीवन को आलोकित किया। उनके चरित्र, कर्म और वचनबद्धता से उन्हें जनमानस में लोकदेवता की पदवी मिली और वे जनजन में पूजे जाने लगे। ऐसे ही लोकदेवताओं में बाबा रामदेव जिनका प्रमुख मंदिर जैसलमेर जिले के रामदेवरा में है, सद्भावना की जीती जागती मिसाल हैं। हिन्दू समाज में वे बाबा रामदेव एवं मुस्लिम समाज रामसा पीर के नाम से पूजनीय हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि बाबा रामदेव को कृष्ण भगवान का अवतार माना जाता है। उनकी अवतरण तिथि भाद्र माह के शुक्ल पक्ष दितीय को रामदेवरा मेला 25अगस्त से शुरू होता है। यह मेला एक महीने से अधिक चलता है। वैसे बहुत से श्रद्धालु भाद्र माह की दशमी यानी 2 सितंबर को रामदेव जयंती पर रामदेवरा अवश्य पहुँचना चाहते हैं। म्हारो हेलो सुनो जी रामा पीर.., घणी-घणी खम्मा बाबा रामदेव जी नै..., पिछम धरां स्यूं म्हारा पीर जी पधारिया..., घर अजमल अवतार लियो, खम्मा-खम्मा हो म्हारा रुणिचै रा धनियां ...जैसे भजनों पर झूमते-नाचते हुए श्रद्धालु रामदेवरा पहुचते है। राजस्थान में पोकरण से क़रीब 12 किलोमीटर दूर रामदेवरा में मध्यकालीन लोक देवता बाबा रामदेव के दर्शन करने आते हैं।

वर्ष में दो बार रामदेवरा में भव्य मेलों का आयोजन किया जाता है। शुक्ल पक्ष में तथा भादवा और माघ

हिन्दू समाज में बाबा रामदेव एवं मुस्लिम समाज रामसा पीर के नाम से पूजनीय

में दूज से लेकर दशमीं तक मेला भरता है। भादवा के महिने में राजस्थान के किसी सड़क मार्ग पर निकल जायें, सफेद रंग की या पचरंगी ध्वजा को हाथ में लेकर सैंकड़ों जत्थे रामदेवरा की ओर जाते नजर आते हैं। इन जत्थों में सभी आयु वर्ग के नौजवान, बुजुर्ग, स्त्रीपुरूष और बच्चे पूरे उत्साह से बिना थके अनवरत चलते रहते हैं। बाबा रामदेव के जयकारे गुंजायमान करते हुए यह जत्थे मीलों लम्बी यात्रा कर बाबा के दरबार में हाजरी लगाते हैं। साथ लेकर गये ध्वजाओं को मुख्य मंदिर में चढ़ा देते हैं। भादवा के मेले में महाप्रसाद बनाया जाता है। यात्री भोजन भी करते हैं और चन्दा भी चढ़ाते हैं। यहां आने वालों के लिए बड़ी संख्या में धर्मशालाएं और विश्राम स्थल बनाये गये हैं। सरकार की ओर से मेले में व्यापक प्रबंध किये जाते है। रात्रि को जागरणों के दौरान रामदेवजी के भोपे रामदेवजी की थांवला एवं फड़ बांचते हैं।

सांप्रदायिक सदभाव के प्रतीक माने जाने वाले लोकदेवता बाबा रामदेव की समाधि के दर्शन के लिए विभिन्न धर्मों को मानने वाले, ख़ास तौर पर आदिवासी श्रद्धालु देश भर से इस सालाना मेले में आते हैं। मेले के दौरान बाबा के मंदिर में दर्शन के लिए चार से पांच किलोमीटर लंबी कतारें लगती हैं और जिला प्रशासन के अलावा विभिन्न स्वयंसेवी संगठन दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए निःस्वार्थ भोजन, पानी और स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराते हैं। लोकदेवता बाबा रामदेव जी

के मेले में देश के कोने कोने से लाखों श्रद्धालु सर्वप्रथम जोधपुर में मसूरिया पहाड़ी पर स्थित बाबा रामदेव जी के गुरु बाबा बालीनाथ जी की समाधि के दर्शन के बाद रूणिचा धाम बाबा रामदेव जी के दर्शन करने के लिए पैदलयात्रा के साथ साथ विभिन्न साधनों का प्रयोग करके बाबा रामदेव जी के प्रति अटूट श्रद्धा और आस्था का परिचय दे रहे हैं। इन श्रद्धालुओं के स्वागत व मान मनुहार और पैदल यात्रियों की सेवा के लिए जोधपुर में अनेकों सेवा शिविर आयोजित किए जाते हैं। लेकिन कोरोना महामारी के चलते मेला नहीं लगेगा।

श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार व्यक्तिगत, सामुदायिक, सामूहिक और संघीय समितियों के बेनर तले लगाये जाने वाले इन विभिन्न शिविरों में जातरूओं के लिए चाय, दूध, कॉफी, जूस, बिस्किट, फल, नाश्ता से लेकर पूर्ण भोजन की व्यवस्था के साथ साथ पैदल यात्रियों के पांवों में पड़े छालों पर मरहम पट्टी बांधकर, मालिश करके उनके विश्राम, नहाने धोने व नित्य कर्म करने की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं। कई शिविरों में बड़े अनुशासित ढंग से स्वच्छता और सुचिता के साथ उच्च कोटि की सुविधाओं से जातरुओं की सेवा की जाती है। एक और मान्यता है कि अगर कोई व्यक्ति ईश्वर के दर्शन करने के लिए यात्रा करने जाता है तो उसकी यात्रा को सुगम बनाने में अगर आप सहयोग देते हैं तो आपको भी ईश्वर के साक्षात दर्शन करने का पुण्य लाभ मिलता है। रुणिचा में बाबा ने जिस स्थान पर समाधि ली, उस स्थान पर बीकानेर के राजा गंगासिंह ने भव्य मंदिर का निर्माण करवाया। इस मंदिर में बाबा की समाधि के अलावा उनके परिवार वालों की समाधियां भी स्थित हैं। मंदिर परिसर में बाबा की मुंहबोली बहन डाली बाई की समाधि, डालीबाई का कंगन एवं राम झरोखा भी स्थित हैं।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेष़क
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

बाबा रामदेव जी की जन्मकथा

राजा अजमल जी द्वारिकानाथ के परमभक्त होते हुए भी उनको दुःख था उनके कोई पुत्र नहीं था। दूसरा दुःख था कि उनके ही राज्य में पड़ने वाले पोकरण से 3 मील उत्तर दिशा में भैरव राक्षस ने परेशान कर रखा था।

राजा अजमल जी पुत्र प्राप्ति के लिये दान पुण्य करते, साधू सन्तों को भोजन कराते, यज्ञ कराते, नित्य ही द्वारिकानाथ की पूजा करते थे। भैरव राक्षस को मारने का उपाय सोचते हुए राजा अजमल जी द्वारका जी पहुंचे। जहां अजमल जी को भगवान के साक्षात दर्शन हुए, राजा के आखों में आंसू देखकर भगवान में अपने पिताम्बर से आंसू पोछकर कहा, हे भक्तराज रो मत मैं तुम्हारा सारा दुःख जानता हूँ। मैं तेरी भक्ति देखकर बहुत प्रसन्न हूँ।

भगवान की असीम कृपा प्राप्त कर राजा अजमल जी बोले हे प्रभु अगर आप मेरी भक्ति से प्रसन्न हैं तो मुझे आपके समान पुत्र चाहिये, आपको मेरे घर पुत्र बनकर आना पड़ेगा और राक्षस को मारकर धर्म की स्थापना करनी पड़ेगी।

भगवान श्रीकृष्ण ने इस पर उन्हें आश्वस्त किया कि वे स्वयं उनके घर अवतार लेंगे। बाबा रामदेव के रूप में जन्मे श्रीकृष्ण संवत् 1409 में भाद्र मास की दूज को पालने में खेलते अवतरित हुए और अपने चमत्कारों से लोगों की आस्था का केंद्र बनते गए। इसीलिए बाबा रामदेव को कृष्ण (द्वारिकानाथ) का अवतार माना जाता है।

बाबा रामदेव जी की परचा (चमत्कार)

बाबा रामदेव के पिता और राजा अजमलजी को द्वारकाद्धीश श्रीकृष्ण ने ये वरदान दिया था कि वो स्वंय उनके घर अवतरित होंगे। उन्होंने बचपन में ही अपनी लीलाएं दिखानी शुरू कर दीं। माता के आंचल से दूध खुद ही उनके मुहं में चला जाता था। पांच साल की उम्र में उन्होंने लकड़ी और कपड़े का घोड़ा आकाश में उड़ाया और आदू राक्षस को मार गिराया। बाद में भैरव राक्षस का भी वध किया। बोहिता राजसेठ की नाव को समुद्र के तूफान से निकालकर किनारे लगाया। स्वारकीया सखा को सांप ने डस लिया और वह मर गया, तब रामदेव जी ने उसका नाम पुकारा और वो जिंदा हो गया। पीर रामदेव ने अंधों को आंखें दी, कोढ़ियों का कोढ़ ठीक किया, लंगड़ों को चलाया। बाद में उन्होंने पोखरण राज्य अपनी बहन को दहेज में दे दिया और रूणिचा के राजा बने।

रामापीर बनने का रहस्य

बाबा रामदेवजी के चमत्कार की परीक्षा लेने मुल्तान से 5 पीर रुणिचा पहुंचे। इस दौरान रामदेवजी ने पीरों का जोरदार आवभगत की और 'अतिथि देवो भव:' की भावना से उन्हें भोजन के लिए आमंत्रित किया। जब भोजन कराने के लिए बाबा ने पीरों के लिए जाजम लगाई तो पीरों ने कहा कि वे केवल अपने स्वयं के बर्तनों में ही भोजन करते हैं। दूसरों के बर्तनों में भोजन नहीं करते हैं यह उनका प्रण है। लेकिन सारे बर्तन मुल्तान में छोड़ आए हैं। आप यदि मुल्तान से वे कटोरे मंगवा सकते हैं तो मंगवा दीजिए, वर्ना हम आपके यहां भोजन नहीं कर सकते।

तब बाबा रामदेव ने उन्हें विनयपूर्वक कहा कि उनका भी प्रण है कि घर आए अतिथि को बिना भोजन कराए नहीं जाने देते। यदि आप अपने बर्तनों में ही खाना चाहते हैं तो ऐसा ही होगा। इस पर रामदेवजी ने अपना हाथ आगे बढ़ाते हुए उनके बर्तनों को उनके सामने रखकर चमत्कार कर दिया। इस चमत्कार (परचा) से वे पीर सकते में रह गए। तब उन पीरों ने कहा कि आप तो पीरों के पीर हैं। इसे देखकर पांचों पीरों ने उन्हें दुनिया में रामशापीर, रामापीर, रामपुरी, हिंदवपीर के नाम से पहचाने जाने का आशिर्वाद दिया। इस तरह से पीरों ने भोजन किया और श्रीरामदेवजी को 'पीर' की पदवी मिली और रामदेवजी, रामापीर कहलाए।

समाधि के अंतिम वक़्त रामापीर ने दिया था ये उपदेश

श्रद्धालुओं में मान्यता है कि भाद्रपद शुक्ल दशमी को बाबा रामदेव ने जीवित समाधि ली थी। बताया जाता है कि रामदेव जी ने अपने हाथ से श्रीफल लेकर सब बड़े बुजुर्गों को प्रणाम किया और श्रद्धा से अन्तिम पूजन किया था। साथ ही रामदेव जी ने समाधी में खड़े होकर अन्तिम उपदेश देते हुए कहा कि प्रति माह की शुक्ल पक्ष की दूज को पूजा पाठ, भजन कीर्तन करके पर्वोत्सव मनाना, रात्रि जागरण करना। बाबा ने जाते-जाते अपने ग्रामीणों को कहा कि इस युग में न तो कोई ऊँचा हैं, और न ही कोई नीचा, सभी जन एक समान हैं। सभी को एक समान ही समझना और उनमे किसी भी प्रकार का भेद न करना। मेरे जन्मोत्सव पर समाधि स्थल पर मेला लगेगा। मेरे समाधि पूजन में भ्रान्ति व भेद भाव मत रखना। मैं सदैव अपने भक्तों के साथ रहुंगा।

तकदीर बदलने वाला गुप्त और विलक्षण महापर्व सुरैया

16 दिनों की साधना से चमक सकती है किस्मत

भारत की आत्मा उसके पर्वों में बसती है। होली के रंग, दीपावली का आलोक, गणेशोत्सव का उल्लास, ये सब मिलकर जनमानस की सहज और चंचल प्रसन्नता के उत्सव हैं। वहीं नवरात्रि, शिवरात्रि और महानिशा जैसे पर्व साधना की गहराइयों में उतरने के अवसर हैं, जहाँ मनुष्य अपने ही अंतर की ऊर्जा से आमने-सामने होता है। परंतु इस भूमि की थाती में कुछ ऐसे महापर्व भी छिपे हैं, जो समय के साथ जनजीवन से ओझल हो गए। कभी वे उतने ही प्रचलित थे जितने आज के पर्व हैं, पर अब वे साधकों और सिद्धों की गुप्त परंपरा में जीवित हैं। इन्हीं में से एक है, आज से आरम्भ होने वाला सोहरैया या सुरैया महापर्व, उत्तर और पूर्व भारत का एक विलक्षण पर्व, जिसे लोक में कम और साधना-पथिकों में अधिक आदर मिला।

सोहरैया/सुरैया महापर्व का काल और रहस्य

भाद्रपद शुक्ल अष्टमी, जिसे राधाअष्टमी कहते हैं, से लेकर कृष्णपक्ष अष्टमी तक का सोलह दिवस का काल सोहरैया/सुरैया कहलाता है। सुरैयाअर्थात् वह कालखंड जो जीवन को सुर में ढाल दे, आत्मा को उसके मूल संगीत से जोड़ दे। किंवदंतियाँ कहती हैं कि इस महापर्व की साधना राम, परशुराम, दुर्वासा, विश्वामित्र, बुद्ध, महावीर और आचार्य चाणक्य जैसे महापुरुषों ने की थी। उस समय उत्तर भारत से नेपाल तक की आध्यात्मिक और वैज्ञानिक उन्नति का रहस्य इन्हीं सोलह दिनों में निहित था। यह वही काल है जिसने भारत को सोने की चिड़िया बनाया; वही समयखंड जिसने यांत्रिक और तांत्रिक प्रयोगों से लेकर आत्मिक जागरण तक के सभी द्वार खोल दिए।

लक्ष्मी साधना और यक्षिणी परंपरा

समय के साथ आत्मजागरण की यह गुप्त साधना लोक में लक्ष्मी उपासना के रूप में जानी जाने लगी। मान्यता है कि यक्ष-यक्षिणी स्थूल समृद्धि के नियंता हैं; कुबेर यक्षराज और लक्ष्मी यक्षिणी। इसीलिए कहा गया कि लक्ष्मी की सच्ची साधना दीपावली में नहीं, बल्कि इन षोडश रात्रियों में अपनी चरम सिद्धि को प्राप्त करती है। इन दिनों साधक यक्ष, यक्षिणी, योगिनी और दैविक ऊर्जाओं का आह्वान करता है। ऐंकार, सौःकार, श्रींकार, ह्रींकार, क्लींकार जैसे बीज मंत्रों का जप इन रात्रियों को अद्भुत शक्ति से मंडित कर देता है। साधना का यह काल धन की चाह रखने वालों से लेकर आत्मजागरण के पथिकों तक के लिए अमूल्य निधि है।

राधाअष्टमी का अध्यात्म

राधाअष्टमी स्वयं में एक महापर्व है। शास्त्र कहते हैं, इस दिन राधा वृषभानु की यज्ञभूमि से प्रकट हुईं। पर अध्यात्म इसकी व्याख्या और गहराई से करता है। यह वही क्षण था जब आत्माओं की एक दिव्य धारा निचले लोकों में उतरी और इस जड़ जगत को चेतना का स्पर्श मिला। उस धारा के विपरीत प्रवाहित होकर परम तत्व तक पहुँचना, यही राधा का सच्चा रहस्य है। सोहरैया/सुरैया साधारण उत्सव नहीं,बल्कि भाग्य-परिवर्तन की एक गुप्त कुंजी है। यहाँ भौतिक वैभव और आत्मिक उत्कर्ष दोनों एक ही दीपक की लौ की तरह एक-दूसरे को आलोकित करते हैं।

इस कार्य को करने से सफलता का रास्ता कोई भी ग्रह नहीं रोक सकता

सफलता की मंजिल तक पहुंचने के लिए व्यक्ति को अपनी कमजोरी और दोषों को दूर करना अनिवार्य है। जीवन में आगे बढ़ने के लिए यह अनिवार्य है कि हम समय-समय पर अपनी कमियों का मूल्यांकन करते रहें। आत्मविश्लेषण हमें यह समझने में मदद करता है कि हमारी असफलताओं का कारण वास्तव में कहां छिपा है। एक युवक ने ज्योतिषी से पूछा, 'मुझे जीवन में सफलता क्यों नहीं मिल रही' ज्योतिषी ने उसकी जन्मकुंडली देखकर कहा, 'तुम्हारे ग्रह सफलता के लिए अवसर दे रहे हैं, लेकिन तुम अपनी आदतों पर ध्यान दो, तुम्हारा आलस्य और गुस्सा ही तुम्हें पीछे धकेल रहा है।'

युवक ने अपनी आदतें बदलीं, परिश्रम और संयम को अपनाया, परिणाम यह हुआ कि कुछ वर्षों में वही युवक ज्योतिषीय उपाय और आत्म नियंत्रण के कारण सफलता और सम्मान की ऊंचाइयों पर पहुंच गया। कभी-कभी ज्योतिषियों के पास आने वाले लोग केवल ज्योतिषीय उपाय तो कर लेते हैं, परन्तु स्वयं का आत्मविश्लेषण और अपनी कमियों को दूर नहीं कर पाते हैं, जिसके कारण ज्योतिषीय उपाय आधा ही लाभ दे पाते हैं। जब व्यक्ति अपनी स्वयं की कमजोरी, आलस्य, दोष, अवगुण आदि कारणों से अनेक विद्वानों द्वारा राह दिखाने के बाद भी असफल होता रहता है, तो उसे लगता है कि ज्योतिषीय उपाय ने काम नहीं किया। सफलता उन्हीं को मिलती है, जो ज्योतिषी द्वारा बताई गई ग्रहों की चेतावनी को समझकर स्वयं को सुधारते हैं।

एक ज्योतिषी ने आपको बताया कि आपकी जन्मकुंडली में धन योग है और आपको व्यापार में सफलता मिलेगी। आप खुश होकर कार्य शुरू करते हैं, लेकिन अगर आप आलस्य के कारण मेहनत नहीं करते हैं, हर काम को कल पर टालते हैं और ग्राहकों से अहंकार से बात करते हैं, तो क्या आपको सफलता मिलेगी? ज्योतिष से दिशा मिल सकती है, पर मंज़िल तक पहुंचने के लिए अपनी कमजोरी और दोषों को दूर करना अनिवार्य है। कभी-कभी दोष ग्रहों का नहीं बल्कि आदतों का होता है। जब हम अपनी कमियों को सुधार लेते हैं, तो सफलता का रास्ता कोई भी ग्रह नहीं रोक सकता।

संकल्प के बिना पूजा नहीं होती है पूर्ण पूजा की पूर्णता और मनोकामना सिद्धि का द्वार है दृढ़ संकल्प

शास्त्रों के अनुसार संकल्प लेने का अर्थ यह है कि हम इष्टदेव और स्वयं को साक्षी मानकर संकल्प लें कि यह पूजन कर्म विभिन्न इच्छाओं की कामना पूर्ति के लिए कर रहे हैं और इस पूजन को पूर्ण अवश्य करेंगे। संकल्प लेते समय हाथ में जल, कुशा, अक्षत, दक्षिणा, फल, फूल रखा जाता है। अग्नि, पृथ्वी, आकाश, वायु और जल, इस पूरी सृष्टि के पंच महाभूतों में भगवान का अस्तित्व है, कामना पूर्ति के लिए प्रथम पूज्य गणेश जी का स्मरण कर गणेश जी के सनमुख अथवा गुरु एवं इष्ट के सनमुख संकल्प लिया जाता है।

जब भी कोई पूजन का विचार अथवा शुभ कर्म प्रारम्भ किया जाता है, तो उसमें विघ्न आने की संभावनाएं सर्वाधिक होती हैं, क्योंकि मन चलायमान है, इसलिए एक बार पूजा कराने का विचार आने पर फिर मन बदल न जाए इसलिए जब भी शुभ कर्म का विचार आए तो संकल्प द्वारा मन को स्थिर करने से मनोकामना पूर्ति एवं सिद्धियों की प्राप्ति होती है। श्रीगणेश की कृपा से पूजन कर्म बिना किसी बाधा के पूर्ण हो जाते हैं। एक बार पूजन का संकल्प लेने के बाद उस पूजा को पूरा करना अति आवश्यक होता है। इससे हमारी संकल्प शक्ति मजबूत होती है। व्यक्ति को विपरीत परिस्थितियों का सामना करने का साहस प्राप्त होता है।

संकल्प धारण करने से मन की चंचलता शान्त होती है। साथ ही बुद्धि पर जो अनिष्ट ग्रहों का प्रभाव होता है, उसका भी शमन होता है। जैसे-जैसे व्यक्ति की बुद्धि संकल्प पर दृढ़ होने लगती है, वैसे-वैसे मन में भी स्थिरता आने लगती है। जैसे-जैसे मन स्थिर होने लगता है वैसे-वैसे व्यक्ति भगवान की कृपा पात्रता प्राप्त होने का अधिकार प्राप्त होने लगता है। जैसे-जैसे आप भक्ति मार्ग अथवा अपनी सफलता के मार्ग पर बढ़ने लगते हैं, वैसे-वैसे आपको आपकी मनचाही वस्तु, चाहें वह भगवत प्राप्ति हो अथवा भौतिक सुख-सुविधा, सब कुछ प्राप्त होने लगता है। संकल्प के दृढ़ प्रभाव को ध्यान में रखकर ही कहा गया है, 'जो इच्छा करिहहुं मन माही, प्रभु प्रताप कछु दुर्लभ नाही।'

शाहरुख ने रानी मुखर्जी ने मिलकर बांटी खुशी, किंग खान बोले

अधूरी ख्वाहिश हुई पूरी

अभिनेता शाहरुख खान और रानी मुखर्जी को इस साल घोषित किए गए नेशनल फिल्म अवॉर्ड में बेस्ट एक्टर और एक्ट्रेस का पुरस्कार मिला था। सोमवार को दोनों ने मिलकर इसका जश्न मनाया।

इसका एक वीडियो शाहरुख खान ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो में दोनों को साथ देख आपको 90 के दशक की याद आ जाएगी जब दोनों साथ काम किया करते थे। रानी और शाहरुख ने 'चलते-चलते', 'कुछ-कुछ होता है', 'वीर जारा' और 'कभी अलविदा ना कहना' जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित दोनों कलाकारों ने शाहरुख के बेटे आर्यन खान की आगामी डेब्यू सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के मशहूर गाने 'तू पहली तू आ-खिरी' पर एक शानदार रील बनाई है।

वीडियो के अंत में शाहरुख और रानी मुखर्जी ने रोमांटिक पोज भी दिया है। इसमें गाने की स्टारकास्ट की झलक भी दिखती है। इसे शेयर करते हुए शाहरुख खान ने लिखा, राष्ट्रीय पुरस्कार पाने की हम दोनों की अधूरी ख्वाहिश पूरी हो गई। बधाई हो रानी, आप सचमुच में एक रानी हैं, मैं हमेशा आपको प्यार करता रहूंगा।

आपको बता दें कि इस साल 1 अगस्त को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का ऐलान हुआ था। इनमें शाहरुख को फिल्म 'जवान' के लिए बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला था। इस फिल्म में नयनतारा, दीपिका पादुकोण और विजय सेतुपति भी थे।

वहीं रानी मुखर्जी को फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला था।

आर्यन खान की सीरीज का गाना 'तू पहली तू आखिरी' लोगों को पसंद आ रहा है। इस गाने का संगीत शाश्वत सचदेव ने दिया है। इसके बोल कुमार ने लिखे हैं और अरिजीत सिंह ने इसे अपनी आवाज दी है।

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में बॉबी देओल, लक्ष्य, सहर बंबा, मनोज पाहवा, मोना सिंह, मनीष चौधरी, राघव जुयाल, गौतमी कपूर और रजत बेदी जैसे कलाकार हैं। यह 18 सितंबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इसमें सलमान खान सहित कई बॉलीवुड स्टार्स का कैमियो भी है। सीरीज में फिल्म

सोहा अली खान ने फिटनेस पर दिया जोर साझा किया पुल-अप्स का सफर

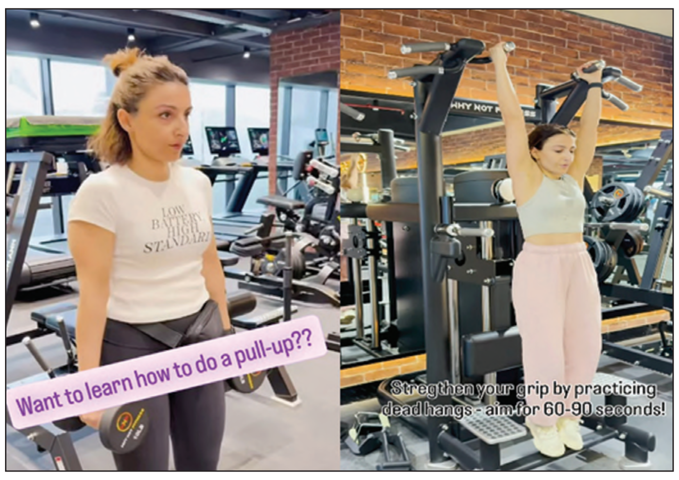

बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान अपनी फिटनेस और हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए जानी जाती हैं। सोमवार को उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए फिटनेस के प्रति अपने जुनून को साझा किया और पुल-अप्स जैसी मुश्किल एक्सरसाइज को आसान बनाने का तरीका बताया।

सोहा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह जिम में वॉर्म-अप, लैट पुल-डाउन और अन्य व्यायाम करती नजर आईं। अभिनेत्री ने इसके कैप्शन में लिखा, पुल-अप्स बहुत मुश्किल होते हैं! मैं लंबे समय से कोशिश कर रही थी, लेकिन नहीं कर पाती थी। यह सबसे कठिन, लेकिन सबसे अच्छी एक्सरसाइज है। उन्होंने बताया कि पुल-अप्स पीठ, बाजू, कंधे और पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाते हैं। सोहा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि स्टेप-बाय-स्टेप प्रक्रिया से इस एक्-सरसाइज को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने अपने प्रशंसकों को चार आसान स्टेप्स बताए। पहला, मांसपेशियों को वॉर्म-अप करें, जैसे कंधे, कलाई और पीठ को हल्की एक्सरसाइज से तैयार करें। इसमें आर्म सर्कल्स और स्कैपुलर पुल-अप्स शामिल हैं। दूसरा, जरूरी मांसपेशियों को मजबूत करें, जैसे लैट पुल-डाउन, डंबेल बाइसेप कर्ल्स और प्लैंक। तीसरा, असिस्टेड पुल-अप्स करें, जिसमें वेट्स या रेजिस्टेंस बैंड्स का इस्तेमाल हो। आखिर में, धीरे-धीरे फुल पुल-अप्स की प्रैक्टिस करें।

सोहा आगे कहती हैं, चौथा, फुल पुल-अप्स पर जाएं। बात ये है कि फिटनेस एक बहुत पर्सनल जर्नी है, तो हर स्टेप को सेलिब्रेट करें-पहले हैंग से लेकर पहला बिना मदद का रैप तक। मैं यहां अपना पहला बिना मदद का रैप सेलिब्रेट कर रही हूं; मेरा गोल 8 रैप्स का है और फिर शायद कुछ वेट ऐड करना भी है? अभिनेत्री का यह पोस्ट प्रशंसकों का उत्साह बढ़ाने वाला है। लोग उन्हें रियल मोटिवेटर बता रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री ने हाल ही में अपना पॉडकास्ट 'ऑल अबाउट हर' शुरू किया है, जो यूट्यूब पर स्ट्रीम हो रहा है, जिसमें अचीवर्स की जर्नी शेयर की गई है।

जुनून, जज्बे और महिला सशक्तिकरण की मिसाल 'सुनिधि चौहान'

सुनिधि चौहान भारत की बेहतरीन गायिकाओं में से एक हैं, जिन्होंने कई भारतीय भाषाओं में गाने गाए हैं। पार्टी नंबर हो या रोमांटिक ट्रैक, उनकी आवाज हर जॉनर में बेमिसाल है।

उनके कुछ यादगार गाने हैं 'कमली', 'मेरे हाथ में तेरा हाथ हो', 'बुमरो', 'ए वतन', 'इश्क सूफियाना', आदि। 14 अगस्त 1983 को जन्मी सुनिधि गायकी के क्षेत्र में अपने शानदार योगदान के लिए 3 फिल्मफेयर अवॉर्ड और एक साउथ फिल्मफेयर अवॉर्ड सहित कई सम्मान हासिल कर चुकी हैं। कम उम्र से ही संगीत की दुनिया में कदम रखने वाली सुनिधि, आज प्लेबैक से लेकर लाइव शो तक अपनी अनूठी पहचान बना चुकी हैं। मंच पर उनका आत्मविश्वास और ऊर्जा वर्ल्ड फेमस पॉप सिंगर्स को टक्कर देता है।वो बहुत ही सशक्त महिला हैं और चाहती हैं कि दूसरी महिलाएं भी उतनी ही सशक्त बनें। उनके अब तक के सफर पर नजर डालें तो ये साफ दिखता है।कॉस्मोपॉलिटन को दिए एक इंटरव्यू में सुनिधि ने अपने जीवन के बारे में खुलकर बात की थी।इतनी उम्र में भी लाइव परफॉर्मेंस करने पर सुनिधि चौहान ने कहा था कि ''अब वो इसकी आदी हो गई हैं। ये चैलेंज उन्होंने खुद ही विदेशी कलाकारों को देखकर लिया था।''सुनिधि कहती हैं, ''लाइव शो में अब मैं 'कैप्टन ऑफ द शिप' हूं, सब मेरे कंट्रोल में है। यह जिम्मेदारी भी है और रोमांच भी।''सुनिधि को महिलाओं की क्षमता पर विश्वास है। इस पर उन्होंने अपने विचार रखते हुए कहा था कि महिलाएं सब कुछ कर सकती हैं।सुनिधि ने कहा था कि अगर महिलाएं तय कर लें कि वो क्या चाहती हैं तो कुछ भी असंभव नहीं। बस समय के साथ चलें, सब आसान हो जाएगा।सुनिधि एक बच्चे की मां भी हैं। उन्होंने अपने मातृत्व के अनुभव के बारे में भी फैंस को बताया था। उन्होंने कहा था, मातृत्व सिखाता है कि आप में कितना प्यार है और आप जीवन से कैसे निपट सकते हैं। यह धैर्य, जिम्मेदारी और अच्छे पलों का आनंद लेना सिखाता है।इस अनुभव को उन्होंने जीवन का सबसे अच्छा अनुभव बताया था। सुनिधि का कहना है कि वो वर्तमान में जीती हैं और हर पल को महसूस करने में विश्वास करती हैं। गाना उनके लिए कभी काम नहीं रहा, ये उनके लिए एक जुनून है। उनकी लाइव परफॉर्मेंस को देखकर इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है।

सई मांजरेकर ने गणेशोत्सव से जुड़ी मीठी याद की साझा, बताया कैसे मंजीरे के लिए छिड़ती थी घर में जंग

महाराष्ट्र में गणेशोत्सव की धूम है। बॉलीवुड इंडस्ट्री के फैंस की नजर उन सितारों पर होती है जो अपने घर बप्पा को बड़े मान के साथ लाते हैं। किस्से और कहानियां भी खूब मन से सुने और कहे जाते हैं। बप्पा को लेकर अभिनेत्री सई मांजरेकर ने भी ऐसा ही दिलचस्प किस्सा सुनाया। सई ने सलमान खान की दबंग-3 से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। वो मशहूर फिल्म निर्देशक और अभिनेता महेश मांजरेकर की बेटी हैं।

उन्होंने बचपन की प्यारी सी कहानी बताई। कहा, गणेशोत्सव से जुड़ी बहुत सारी यादें हैं। हमारे घर में 'मंजीरे' थे, मराठी में इसे 'जंजे' कहते हैं। इसे आरती के दौरान बजाया जाता है। हम 8-9 भाई-बहन थे, लेकिन मंजीरे सिर्फ 5 थे, इसलिए हम हमेशा उनके लिए लड़ते थे। और जिन तीन को यह नहीं मिलता था, उन्हें ताली बजानी पड़ती थी। इसलिए हम खूब लड़ते थे।

सई मांजरेकर ने आगे कहा, मुझे लगता है कि मैं साल में सबसे अधिक गणेश चतुर्थी के 10 दिनों के लिए उत्साहित रहती हूं, क्योंकि मेरा पूरा परिवार आता है। घर में हमेशा लोग होते हैं। हम हंसते हैं, खेलते हैं, और स्वादिष्ट भोजन बनाते हैं। आरती के समय, हम खूब मस्ती करते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि बचपन से लेकर अब तक गणेश चतुर्थी की सारी यादें मुझे बहुत पसंद हैं।

सई मांजरेकर ने इससे पहले एक पोस्ट में कहा था कि उनके पिता हमेशा से उनकी प्रेरणा रहे हैं, लेकिन कभी भी उनका शॉर्टकट नहीं रहे। मतलब कभी उन्होंने अपने पिता के नाम का फायदा नहीं उठाया। पहली बार जब सई ने एक्टिंग करने का फैसला किया तब उनके पिता ने एक्ट्रेस को सपोर्ट किया था। साथ ही कहा था कि इसके लिए सई को खुद ही मेहनत करनी होगी और किसी फिल्म के लिए उनकी सिफारिश नहीं करेंगे।

अभिनेत्री हाल ही में तेलुगु एक्शन थ्रिलर फिल्म 'अर्जुन सन ऑफ वैजयंती' में नजर आई थीं। प्रदीप चिलुकुरी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में नंदमुरी कल्याण राम, विजय शांति, सोहेल खान और श्रीकांत जैसे सितारे भी हैं। अभी एक्ट्रेस ने अपनी नई फिल्म की घोषणा नहीं की है।

तारा सुतारिया पर छाया उत्सव का खुमार, साड़ी में दिखीं तो वीर पहाड़िया ने पेश किया दिल

छोटे पर्दे से मनोरंजन जगत में कदम रखने वाली स्टार तारा सुतारिया ने शनिवार को कुछ तस्वीरें साझा कीं। इनमें से चार में वो अकेली हैं, तो पांचवीं में उनके साथ वीर पहाड़िया नजर आ रहे हैं। ये दोनों के रिश्ते पर मुहर लगाती हैं, जिनकी चर्चा फिजाओं में महीनों से थी।

दरअसल, इन तस्वीरों में चार चांद वो शब्द लगा रहे हैं जो तारा ने लिखे हैं। उन्होंने बेहद सामान्य भाषा में लिखा है- भक्ति, विश्वास और उत्सव...गणपति बप्पा मोरया।तस्वीरों की पूरी शृंखला बेहद आकर्षक है। पहली चार में तो छोटी बिंदी और साड़ी पहने अभिनेत्री दिख रही हैं, लेकिन पांचवीं में उनके साथ खास दोस्त वीर पहाड़िया नजर आ रहे हैं। वो भी ट्रेडिशनल वियर में हैं।

तारा की यह पोस्ट प्रशंसकों को बहुत पसंद आ रही है। वे इसमें कई तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, ये लड़की अपनी लुक्स से कभी निराश नहीं करती, तो दूसरे यूजर ने लिखा, सुंदरी, एक और यूजर ने लिखा, कोई भी आपसे ज्यादा सुंदर नहीं है।

वीर भी खुद को कमेंट करने से रोक नहीं पाए और उन्होंने लाल दिल पेश कर दिया। इसके साथ ही इविल आई इमोजी भी पोस्ट किया, जिसका मतलब साफ है कि वो नहीं चाहते कि उनकी जोड़ी को किसी की बुरी नजर लगे। फैंस इस जोड़े की बलाएं लेते दिख रहे हैं। कुछ ने लिखा, 'पांचवीं तस्वीर में सब कुछ है।' तो किसी ने लिखा, 'तारा और वीर'। अभिनेत्री ने गायिका और टेलीविजन कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी। वह साल 2010 में डिज्नी चैनल के शो 'बिग बडा बूम' में नजर आईं थी। 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' (2019) से उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा, जिसके लिए फिल्मफेयर ने उन्हें बेस्ट डेब्युटेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया। उन्होंने 'मरजावां', 'तड़प', 'हीरोपंती 2', और 'एक विलेन रिटर्न्स' जैसी फिल्मों में अभिनय किया है और 'अपूर्वा' (2023) में टाइटल रोल अदा किया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अगर आप अपनी रचनात्मक प्रतिभा को सही तरीक़े से इस्तेमाल करें तो वह काफ़ी फ़ायदेमंद साबित होगी। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस–पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और कोशिश करें कि यह ज़्यादा–से–ज़्यादा रुमानी हो। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। बच्चे भले ही आपका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना चाहते हों, लेकिन साथ ही ख़ुशियों की वजह भी साबित होते हैं। ताज़ा फूल की तरह अपने प्यार में भी ताज़गी बनाए रखें। दफ़्तर में आपके दुश्मन भी आज आपके दोस्त बन जाएंगे – आपके सिर्फ़ एक छोटे–से अच्छे काम की बदौलत। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

अटके हुए मामले और घने होंगे व ख़र्चे आपके दिमाग़ पर छा जाएंगे। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस–पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें आप अपने जीवनसाथी के साथ प्रेम के चरम का अनुभव करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके परिवार को आपसे बहुत ज़्यादा उम्मीदें हैं, जिसके चलते आप खीज महसूस कर सकते हैं। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। अपने लक्ष्यों का पीछा करने के लिए उम्दा दिन है। इस मामले में आप अपने दोस्तों की मदद भी ले सकते हैं। इससे आपका उत्साह बढ़ेगा और उद्देश्य को पाने में सहायता मिलेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

दोस्त से मिली ख़ास तारीफ़ ख़ुशी का ज़रिया बनेगी। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। आज आपको लाभ मिलेगा, क्योंकि परिवार के सदस्य आपके सकारात्मक रुख़ से प्रभावित होंगे और उसे सराहेंगे। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। जो लोग अब तक बेरोजगार हैं उन्हें अच्छी जॉब पाने के लिए आज और अधिक मेहनत करने की जरुरत है। मेहनत करके ही आप सही परिणाम पा पाएंगे। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ख़ुद को ज़्यादा आशावादी बनने के लिए प्रेरित करें। इससे न सिर्फ़ आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और व्यवहार लचीला होगा, बल्कि डर, ईर्ष्या और नफ़रत जैसे नकारात्मक मनोभावों में भी कमी आएगी। व्यापार में आज अच्छा खास मुनाफा होने की संभावना है। आज के दिन आप अपने बिजनेस को नई ऊंचाईयां दे सकते है आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। काम और घर पर दबाव आपको थोड़ा गुस्सैल बना सकता है। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। नए पारिवारिक व्यवसाय को शुरू करने के लिए शुभ दिन है। इसे सफल बनाने के लिए दूसरे सदस्यों की भी मदद लें। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

किसी संत पुरुष का आशीर्वाद मानसिक शान्ति प्रदान करेगा। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। दफ़्तर में कोई आपकी योजनाओं में अड़ंगा लगा सकता है– इसलिए आँखें खोलकर रखिए और अपने चारों तरफ़ हो रही गतिविधियों के प्रति सजग रहिए

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। विदेश में रह रहे किसी संबंधी से मिला उपहार आपको ख़ुशी दे सकता है। याद रखिए कि आँखें कभी झूठ नहीं बोलतीं। आज आपके प्रिय की आँखें आपको वाक़ई कुछ ख़ास बताएंगी। दफ़्तर में आपके दुश्मन भी आज आपके दोस्त बन जाएंगे – आपके सिर्फ़ एक छोटे–से अच्छे काम की बदौलत। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के सदस्य आपके नज़रिए का समर्थन करेंगे। अपने प्रिय के लिए बदले की भावना से कुछ हासिल नहीं होगा– बजाय इसके आपको दिमाग़ शांत रखना चाहिए और अपने प्रिय को अपनी सच्चे जज़्बात से परिचित कराना चाहिए। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

शारीरिक और मानसिक लाभ के लिए ध्यान व योग करना उपयोगी रहेगा। आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे– लेकिन ख़र्च में इज़ाफ़ा आपके लिए बचत को और ज़्यादा मुश्किल बना देगा। अपना क़ीमती वक़्त अपने बच्चों के साथ गुज़ारें। यह सबसे बेहतर मरहम है। वे कभी न ख़त्म होने वाली ख़ुशियों का स्रोत साबित होंगे। मुहब्बत की टीस आज रात आपको सोने नहीं देगी। आज आपका मन ऑफिस के काम में नहीं लगेगा। आज आपके मन में कोई दुविधा होगी जो आपको एकाग्र नहीं होने देगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपको समझना चाहिए कि किसी का अनादर और गम्भीरता से न लेना रिश्ते में दरार डाल सकता है। नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। कोशिश करें की कोई आपकी बातों या काम से आहत न हो और पारिवारिक ज़रूरतों को समझें। प्रेम जीवन की डोर को मजबूत बनाए रखना चाहते हैं तो किसी तीसरे की बातों को सुनकर अपने प्रेमी के बारे में कोई भी राय न बनाएं। आज आप व्यस्त दि–नचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते है

आज का पंचांग

दिनांक : 02 सितंबर 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 03:54 तक
नक्षत्र : मूल रात्रि 09:52 तक
योग : प्रीति सायं 04:39 तक
करण : तैतिल सायं 03:24 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 06:28 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:29 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:22 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:19 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : रामदेवजी दशमी ,
महालक्ष्मी व्रत पूर्ण, दशावतार ,
गण्डमूल रात्रि 09:52 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मानसून सत्र के पहले ही दिन हंगामा

राजस्थान विधानसभा में वोट चोरी बनाम गालीबाज की जंग

जयपुर, 01 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र पहले ही दिन हंगामे की भेंट चढ़ गया। कांग्रेस विधायकों ने वोट चोर, गद्दी छोड़ के नारे लगाए, तो भाजपा ने पलटवार में गालीबाज राहुल गांधी के नारे बुलंद किए। स्पीकर की बार–बार की समझाइश भी नाकाम रही और सदन का माहौल गरमाता चला गया। कांग्रेस ने चुनाव आयोग और सरकार पर वोट चोरी का आरोप लगाया, जबकि भाजपा ने राहुल गांधी की भाषा शैली को मुद्दा बनाया। हंगामे के बीच झालावाड़ हादसे पर श्रद्धांजलि को लेकर विपक्ष ने सरकार की संवेदनशीलता पर सवाल उठाए, वहीं खेजड़ी संरक्षण कानून और एसआई भर्ती जैसे मुद्दे भी गूंजते रहे।

पहले ही दिन कांग्रेस विधायकों ने तख्तियां लहराईं और नारे लगाए – वोट चोर, गद्दी छोड़। यह नारा महज़ शोरगुल नहीं था, बल्कि एक सुनियोजित राजनीतिक रणनीति थी। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पहले से ही देशभर में 'चुनाव चोरी' का मुद्दा उठाती आ रही है। सचिन पायलट ने विधानसभा में इसी लाइन को आगे बढ़ाते हुए कहा कि कुछ लोग बार–बार वोट चोरी कर सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं, इसे कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेगी।

यह संदेश केवल राजस्थान की राजनीति तक सीमित नहीं है। कांग्रेस इसे राष्ट्रीय मुद्दा बनाकर लोकसभा और विधानसभा चुनावों में हुई हार का राजनीतिक स्पष्टीकरण गढ़ना चाहती है।

कांग्रेस की आक्रामकता का जवाब भाजपा विधायकों ने भी उतनी ही तेज़ी से दिया। सदन में नारे लगे – गालीबाज राहुल गांधी। सरकारी मुख्य सचेतक जागेश्वर गर्ग ने मीडिया के सामने यह लाइन और सख़्त की – गालीबाज कांग्रेस है, इसका रिकॉर्ड है और वीडियो भी सबूत हैं।

यहां भाजपा की रणनीति साफ़ है – वह कांग्रेस की ओर से उठाए जा रहे चुनाव आयोग और वोट चोरी के सवाल को सीधे संबोधित नहीं कर रही, बल्कि राहुल गांधी की भाषा–शैली को ही मुद्दा बनाकर चर्चा को भावनात्मक और व्यक्तिगत स्तर पर मोड़ना चाहती है। स्पीकर वासुदेव देवनानी को बार–बार दोनों दलों को टोकना पड़ा। उनका कथन – यहां बाजार या चौराहे जैसी हरकतें नहीं हो सकतीं – विधानसभा की गिरती मर्यादा की ओर सीधा संकेत था। राजनीतिक विश्लेषण यह बताता है कि आज सदन का संचालन किसी भी

स्पीकर के लिए आसान नहीं रह गया है। दोनों पक्ष अपनी–अपनी लाइन पर इतने अड़े रहते हैं कि विधायी कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ जाती है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरकार पर हमला करते हुए पूछा कि झालावाड़ स्कूल हादसे में जान गंवाने वाले मासूम बच्चों को श्रद्धांजलि क्यों नहीं दी गई?यहाँ कांग्रेस ने सत्ता पक्ष को संवेदनहीन बताने की कोशिश की। बड़ी घटनाओं और राष्ट्रीय स्तर पर हुई मौतों पर श्रद्धांजलि दी गई, लेकिन स्थानीय त्रासदी की अनदेखी पर सवाल खड़ा करना विपक्ष की रणनीति में मानवीय कोण जोड़ता है।

हंगामे के बीच भी विधानसभा में दूसरे स्वर गूंजे। निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने खेजड़ी संरक्षण कानून की मांग उठाई और पोस्टर तक लहराए। गृह राज्य मंत्री ने SI भर्ती पर कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि दोषियों पर कार्रवाई होगी, निर्दोषों को परेशान नहीं किया जाएगा।

ये दोनों बिंदु बताते हैं कि जबकि सत्ता और विपक्ष का बड़ा नैरेटिव वोट चोरी बनाम गालीबाज पर टिका रहा, वहीं स्थानीय और प्रशासनिक मुद्दों को उठाने की कोशिश भी हुई। सत्र को पूरी तरह वोट चोरी और चुनाव आयोग की पक्षधरता जैसे मुद्दों पर केंद्रित करना। इससे वह भाजपा की जीत की वैधता पर लगातार सवाल उठाना चाहती है।राहुल गांधी की छवि को कमजोर करना और कांग्रेस को गालीबाज पार्टी साबित करना, ताकि असल आरोपों की चर्चा दब जाए।

सदन में नारेबाज़ी और हंगामा आमजन के लिए यह संकेत है कि आने वाले दिनों में विकास और विधायी कामकाज से ज़्यादा जोर राजनीतिक बयानबाज़ी पर रहेगा।मानसून सत्र का पहला दिन यह तय कर गया है कि आने वाले दिनों में सदन में बहस कम और हंगामा ज़्यादा होगा।सत्ता और विपक्ष दोनों ने अपने–अपने पॉलिटिकल नैरेटिव फिक्स कर दिए हैं । बीच में चाहे खेजड़ी संरक्षण का सवाल हो, डख भर्ती का विवाद हो या झालावाड़ हादसे का दर्द, इन मुद्दों को कितना स्पेस मिलेगा, यह इस पर निर्भर करेगा कि दोनों बड़ी पार्टियां अपने शोर–शराबे से उन्हें कितना दबाती हैं या जगह देती हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील पहल

पंजाब के सीएम भगवंत मान से बात कर बाढ़ पीड़ितों को दिया मदद का आश्वासन

जयपुर, 01 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब के फाजिल्का और फिरोज़पुर ज़िलों में सतलज, व्यास और रावी नदियों के जलस्तर बढ़ने से आई बाढ़ की स्थिति को देखते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय दिया है। मुख्यमंत्री शर्मा ने सोमवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से फ़ोन पर बात कर राहत कार्यों के लिए हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि आपदा की इस घड़ी में पड़ोसी राज्य के साथ खड़े रहना मानवीय कर्तव्य है और राजस्थान सरकार इस दिशा में पूरा सहयोग करेगी।

भजनलाल शर्मा ने राजस्थान के सीमावर्ती ज़िलों–विशेषकर पंजाब से सटे क्षेत्रों–के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे आपदा प्रबंधन में पंजाब प्रशासन को यथासंभव सहयोग प्रदान करें। उन्होंने मेडिकल टीमों को भी सतर्क रहने और ज़रूरत पड़ने पर तुरंत सहायता पहुँचाने के निर्देश दिए। सीमावर्ती ज़िलों के जनप्रतिनिधियों से बातचीत कर मुख्यमंत्री ने राहत और बचाव कार्यों में सक्रिय सहयोग सुनिश्चित करने की अपील की। पंजाब के फाजिल्का और फिरोज़पुर ज़िले राजस्थान की सीमा से लगे हुए हैं, जहाँ बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

अधिकारियों पर हुई कार्रवाई की रिपोर्ट जल्द पेश करे सरकार: हाईकोर्ट

झुंझुन, 01 सितंबर (एजेंसियां)। पब्लिक अगेंस्ट करप्शन की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राजस्थान उच्च न्यायालय ने झुंझनू जिले में हुई नियमविरुद्ध रजिस्ट्रियां और रजिस्ट्री शुल्क में चोरी के मामलों में अधिकारियों पर हुई कार्यवाही की रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता पूनम चंद भंडारी, अभिनव भंडारी और डॉ टी एन शर्मा ने बताया कि सन 2018 से 2020 के मध्य झुनझुन जिले में बहुत सारी रजिस्ट्री नियम विरुद्ध की गई जिसमे राज्य सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व की हानि हुई। बहुत सारी संपत्ति जो व्यवसायिक थी उनको आवासीय बताते हुए पंजीयन विभाग के अधिकारियों ने मिली भगत करके रजिस्ट्रियां करवा दी गई या संपत्तियों का मूल्य कम बताते हुए रजिस्ट्रियां कर दी गई और करोड़ो रुपए के राजस्व का राज्य सरकार को नुकसान पहुंचाया।

इस विषय में याचिकाकर्ता के द्वारा सक्षम स्तर पर शिकायतें की गई जिस पर डीआईजी स्टांप अजमेर के जाँच अधिकारियों ने करोड़ो रूपए के राजस्व की हानि को प्रमाणित पाया और अधिकारियों को दोषी माना लेकिन लंबे समय तक उनके बीच कोई कार्यवाही नहीं की गई और ना उनको वहां से स्थानांतरित किया गया।

राज्य सरकार की तरफ़ से अतिरिक्त अधिवक्ता विज्ञान शाह ने बताया कि संबंधित कार्मिको के ख़िलाफ़ अन–ुशासनात्मक कार्यवाही की गई है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ताओ ने बताया की राज्य सरकार ने दोषी कार्मिको और अधिकारियों के ख़िलाफ़ कोई भी प्रभावी कार्यवाही नहीं की है यहां तक कि उनके वहां से स्थानांतरण भी नहीं किया गया और ना रूपों की वसूली की गई। सुनवाई के पश्चात राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर खंडपीठ के न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और न्यायाधीश संजीत पुरोहित की पीठ ने राज्य सरकार ने सभी अधिकारियों के विरुद्ध की गई अनुशासनात्मक कार्यवाही का परिणाम कोर्ट में पेश करने के आदेश जारी किए और यह भी आदेश किया कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में अगर मामला दर्ज किया है तो उसकी भी जानकारी कोर्ट में प्रस्तुत करे।

आरएसएस 2 अक्टूबर से मनाएगा संघ शताब्दी वर्ष

भीलवाड़ा, 01 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ – भीलवाड़ा महानगर द्वारा आगामी 02 अक्टुबर से 20 अक्टूबर विजयादशमी तक संघ शताब्दी वर्ष मनाएगा। शताब्दी वर्ष के अंतर्गत अखिल भारतीय स्तर पर तय कार्यक्रमों के आधार पर विशाल कार्यक्रम नही होकर समाज जागरण हेतु छोटे–छोटे आयोजनों व कार्यक्रमों के द्वारा संघ प्रत्येक परिवार तक अपना विचार लेकर जाएगा। इस अवसर पर बड़े कार्यक्रमों के बजाय छोटे–छोटे बस्ती–स्तरीय कार्यक्रमों के माध्यम से संघ प्रत्येक घर तक पहुँचेगा। भीलवाड़ा महानगर की जानकारी देते हुए महानगर के मा. संघचालक कैलाश खोईवाल ने बताया कि भीलवाड़ा शहर को 50 बस्तियों में विभाजित किया गया है, और इन्हीं बस्तियों के अनुसार वर्षभर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रमों के प्रारंभ में भीलवाड़ा महानगर में लगने वाली प्रत्येक शाखा अपना–अपना शाखा संचलन वह अपने – अपने शाखा क्षेत्र में दिनांक 30 अगस्त शनिवार से 7 सितंबर रविवार के मध्य निकालेगी जिसकी तैयारी को लेकर सभी शाखों में कार्यकर्ता उत्साहित है प्रत्येक शाखा अपने शाखा क्षेत्र के प्रत्येक परिवारों में संपर्क कर उन्हें शाखा संचलन में आने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं व उनकी संघ की गणवेश पूर्ण करवा रहे हैं। संचलन को लेकर प्रत्येक शाखा अपने स्तर पर घोष के वादन की तैयारी भी कर रही है कार्यकर्ता रात्रि के समय प्रातः काल के समय घोष की स्वर लहरियो पर अपना अभ्यास कर रहे हैं।

हरियाणा के राष्ट्रीय राजमार्गों पर होगा बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण: अनिल विज

चंडीगढ़, 01 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने बताया है कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हरियाणा में राष्ट्रीय राजमार्गों के सौंदर्यकरण के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। विज ने हाल ही में राष्ट्रीय राजमार्गों के सौंदर्यकरण को लेकर श्री गडकरी को पत्र लिखा था। केंद्रीय मंत्री ने इसके जवाब में कहा कि राजमार्गों के किनारों पर वृक्षारोपण और सौंदर्यकरण कार्य मानसून सत्र में एजेंसियों या राज्य के वन विभाग के माध्यम से किया जाएगा। इस वर्ष भी आगामी बारिश के दौरान बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण होगा और इस संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं।

विज ने कहा कि केंद्रीय मंत्री के मार्गदर्शन और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के प्रयासों से हरियाणा में कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण हुआ है, जिनमें 152–डी, जम्मू–कटरा एक्सप्रेसवे, पानीपत–रोहतक, अंबाला–हिसार और पंचकूला–यमुनानगर मार्ग शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि इन सड़कों के निर्माण से प्रदेश की जनता को बहुत सुविधा मिली है और उन्होंने इसके लिए केंद्रीय मंत्री का आभार व्यक्त किया। विज ने यह भी कहा कि राजमार्गों के किनारों पर वृक्षारोपण से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और सड़कों की सुंदरता भी बढ़ेगी।

प्रो. असीम कुमार घोष बने 'निक्षय मित्र', 5 टीबी रोगियों को अपनाया

चंडीगढ़, 01 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष एवं उनकी धर्मपत्नी मित्रा घोष ने सोमवार को राजभवन, चंडीगढ़ में राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत 5 टीबी रोगियों को 'निक्षय मित्र' के रूप में गोद लिया। इस अवसर पर उन्होंने रोगियों को पोषण संबंधी सहायता भी प्रदान की।

कार्यक्रम में राज्य टीबी अधिकारी डॉ. राजेश राजू और डब्ल्यूएचओ के नोमिनी डॉ. सुखवंत ने राज्यपाल को प्रदेश में चल रहे टीबी अभियान की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया।

राज्यपाल प्रो. घोष ने कहा कि वे हरियाणा को टीबी मुक्त राज्य बनाने के अभियान में हर संभव सहयोग देने को तैयार हैं। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से इस मुहिम में शामिल होने का

आह्वान करते हुए कहा– आइए, हम सब मिलकर एक टीबी मुक्त समुदाय का निर्माण करें।

उन्होंने बताया कि सामुदायिक सहायता कार्यक्रम 'निक्षय मित्र' को 9 सितम्बर 2022 को माननीया राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत लॉन्च किया गया था। इसका उद्देश्य टीबी रोगियों को इलाज के दौरान पोषण, जांच और व्यावसायिक सहयोग उपलब्ध कराना है, ताकि उपचार के परिणाम बेहतर हो सकें। हरियाणा में यह पहल 17 सितम्बर 2022 से शुरू की गई थी और अब तक लगभग 2200 गांव टीबी मुक्त घोषित किए जा चुके हैं। राज्यपाल ने कहा कि सरकार और समाज के सामूहिक प्रयासों से पूरा प्रदेश जल्द ही टीबी मुक्त हरियाणा बनेगा।

हरियाणा पुलिस महानिदेशक की मधुबन में कानून व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण पर उच्च स्तरीय बैठक

चंडीगढ़, 01 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने मधुबन में आयोजित दो दिवसीय उच्च स्तरीय बैठक में प्रदेशभर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कानून व्यवस्था और अपराध नियंत्रण से जुड़े मुद्दों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अपराध नियंत्रण, जनसुरक्षा और जनसेवा को लेकर कई अहम दिशा–निर्देश जारी किए और कहा कि पुलिसिंग का मूल उद्देश्य जनता को न्यायसंगत, पारदर्शी और प्रभावी सेवाएँ उपलब्ध कराना है। महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कपूर ने निर्देश दिए कि महिला विरुद्ध अपराधों का पर्यवेक्षण उच्च अधिकारी स्वयं करें और पीड़िताओं की काउंसलिंग सुनिश्चित की जाए । उन्होंने कहा कि यदि जेल से बाहर आने के बाद भी आरोपी महिला को परे–शान करता है तो इसे गंभीरता से लिया जाए।

बैठक में बताया गया कि वर्ष 2025 में वर्ष 2024 की समान अवधि की तुलना में बलात्कार, बलात्कार के प्रयास, अपहरण, छेड़छाड़ और दहेज हत्या जैसे सभी प्रमुख शीर्षकों में 16% से 25% तक की कमी आई है। इस उपलब्धि पर पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने महिला सुरक्षा के प्रति पुलिसबल की प्रतिबद्धता की सराहना की और समर्पित प्रयासों से अपराध नियंत्रण करने वाले पुलिस अधिकारियों और जवानों का मनोबल बढ़ाया।

यह भी बताया गया कि डीएसआरएएफ के 46 वाहनों को डायल 112 के साथ एकीकृत कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, रोहतक के सुनारिया में एक

महिला पुलिस 'दुर्गा बटालियन' स्थापित की गई है, जिसमें कुल 540 महिला पुलिसकर्मी तैनात हैं। इसके साथ ही, प्रदेश में महिलाओं से छेड़छाड़ वाले संवेदनशील क्षेत्रो में हॉटस्पॉट तथा हॉटरूट चिन्हित किए गए हैं जहां पर सीसीटीवी कैमरे लगाये गए है तथा पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है ताकि महिलाओ को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाया जा सके।

बैठक में हिंसक अपराधों की रोकथाम के लिए जिलों के सीलिंग प्लान का गहन अध्ययन करने और इन्हें और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। साथ ही ईआरवी और पीसीआर पर जिम्मेदार अधिकारियों की ड्यूटी सुनिश्चित करने को कहा गया ताकि अपराधियो को अपराध करने से रोक जा सके एवं अपराध हो जाने के बाद उन्हें जल्द से जल्द पकड़ा जा सके।

बैठक में बताया गया कि 1 जनवरी 2024 से अब तक हरियाणा पुलिस ने अपराधियों पर कड़ा प्रहार किया है। इस अवधि में 110 मुठभेड़ों में 13 खूंखार अपराधी मारे गए और 156 घायल हुए। केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से 9 कुख्यात बदमाशों का प्रत्यर्पण कराया गया, 70 लुकआउट सर्कुलर और 27 रेड कॉर्नर नोटिस जारी किए गए। साथ ही 29 फर्जी पासपोर्ट मामलों में एफआईआर दर्ज कर 21 पासपोर्ट रद्द किए गए। संगठित अपराध और उसके ऑनलाइन महिमामंडन पर भी प्रभावी कार्रवाई की गई, जिसमें 54 आपत्तिजनक गाने और कई अपराधियों के सोशल मीडिया अकाउंट बंद कराए गए। डीजीपी शत्रुजीत कपूर ने कहा कि हरियाणा पुलिस की टीम ने साहस और प्रतिबद्धता से अपराधियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई कर कानून व्यवस्था को मजबूत किया है। उन्होंने पुलिस के जवानों को बधाई देते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीजीपी कपूर ने सबसे पहले सूदखोरी की अमानवीय प्रथा पर कठोर रुख अपनाने

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

धर्मस्थल मामले में एनआईए जांच की जरूरत नहीं: सीएम सिद्धरामैया

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने रविवार शाम को धर्मस्थल घटना की राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) से जाँच कराने की जरूरत से इनकार किया। साथ ही, उन्होंने आगाह किया कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती से राज्य के खजाने को सालाना 15,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है।

यहां पत्रकारों से बात करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि धर्मस्थल मामले की जाँच एक विशेष जाँच दल (एसआईटी) के तहत चल रही है और इसे एनआईए को सौंपने की कोई आवश्यकता नहीं है।

सिद्धरामैया ने कहा हमने एसआईटी को पूरी आजादी दी है। हमने कोई दखल नहीं दिया है। उन्हें अपना काम करने दीजिए। शिकायत धर्मस्थल के खिलाफ दर्ज की गई थी। लोगों को सच्चाई जानने का हक है। उन्होंने मामले का राजनीतिकरण करने के लिए भाजपा की आलोचना की। उन्होंने आगे कहा चाहे वे धर्मस्थल जाएँ या कहीं और, यह उनकी अपनी पसंद है।

लेकिन एसआईटी के गठन का धर्मस्थल के धर्माधिकारी वीरेंद्र हेगड़े ने भी स्वागत किया था। हमने इसका गठन इसलिए किया ताकि सच्चाई सामने आ सके। अन्यथा, धर्मस्थल को लेकर संदेह बना रहेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि शिकायतकर्ता ने अदालत में बयान दिया है और कई संगठनों ने एसआईटी जैसी स्वतंत्र संस्था से जाँच की माँग की है। उन्होंने कहा जब एसआईटी की घोषणा हुई थी, तब भाजपा नेताओं ने भी इसका स्वागत किया था।

लेकिन अब वे इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं। जीएसटी सुधारों के विषय पर, सिद्धरामैया ने कहा कि कर स्लैब को युक्तिसंगत बनाना स्वागत योग्य है, लेकिन केंद्र को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि राज्यों के राजस्व हितों की रक्षा हो। उन्होंने कहा जीएसटी दरों में कमी से कर्नाटक को सालाना 15,000 करोड़ रुपये का नुकसान होगा। यह कोई छोटी रकम नहीं है। आठ राज्यों ने मिलकर इस पर चर्चा की है और हमने अपनी चिंताओं से उन्हें अवगत करा दिया है। जीएसटी लागू होने के बाद से, केंद्र ने राज्यों को केवल पाँच वर्षों तक मुआवजा दिया, जिसके बाद यह सहायता बंद हो गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नाटक में जीएसटी राजस्व में केवल 12-13 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि हुई है, और उन्होंने विलासिता की वस्तुओं पर उपकर बढ़ाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा हमने केंद्र से सिगरेट, गुटखा, बेंज जैसी लग्जरी कारों जैसी वस्तुओं पर उपकर लगाने और उस राजस्व को राज्यों में वितरित करने का अनुरोध किया है। आगामी जीएसटी परिषद की बैठक 3 और 4 सितंबर को होने वाली है। सिद्धरामैया ने पुष्टि की है कि वह इसमें शामिल नहीं होंगे, और राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे और इस मुद्दे को गंभीरता से उठाएँगे। सिद्धरामैया ने भाजपा सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों की आलोचनाओं का भी जवाब दिया, जिन पर कर्नाटक के हित में बोलने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने पूछा हमें 11,950 करोड़ रुपये का राजस्व का नुकसान हुआ है। क्या उन्होंने इसके बारे में कुछ कहा है? वे धार्मिक उद्देश्यों के लिए धर्मस्थलों पर जाते हैं, लेकिन कर्नाटक के साथ हो रहे अन्याय पर चुप क्यों हैं?

अवैध शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कोनाजे पुलिस ने रविवार को अवैध शराब उत्पादन में लिप्त एक घर पर छापा मारकर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान कासरगोड निवासी प्रणव वी शेनॉय (24) और थालीपाडपु निवासी अनुश आर (24) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि दोनों, थॉमस और मणिकुट्टन के साथ, कोनाजे थाना क्षेत्र के पजिरू गाँव के कम्बलपाडवु में श्री दुर्गा काली मंदिर की ओर जाने वाली सड़क पर स्थित एक घर में अवैध शराब के धंधे में शामिल थे।

पुलिस ने बताया कि छापेमारी के दौरान थॉमस और मणिकुट्टन भागने में सफल रहे। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों को महाजर कार्यवाही के लिए घर ले गई। निरीक्षण के दौरान, अधिकारियों ने 1,15,110 रुपये मूल्य की अवैध सामग्री जब्त की, जिसमें तीन शराब बनाने वाली मशीनें, एक मिक्सर मशीन, शराब की बोतलें और मैनशन हाउस ब्रांडी की आठ बोतलें शामिल हैं - जिनका लाइसेंस केवल गोवा में बिक्री के लिए है, साथ ही शराब उत्पादन में इस्तेमाल होने वाली अन्य सामग्री भी। आरोपी के खिलाफ कोनाजे पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

मुख्यमंत्री ने मैसूरु में सीए साइटें सरकारी विभागों को सौंपीं

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मैसूरु में 63 गैर-आवंटित मैसूरु विकास प्राधिकरण (एमडीए) नागरिक सुविधाओं (सीए) स्थलों के स्वामित्व-पत्र विभिन्न सरकारी विभागों को सौंप दिए हैं। एमडीए को पहले मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) के नाम से जाना जाता था। सिद्धरामैया ने रविवार की शाम मैसूरु स्थित अपने आवास पर 63 एमडीए स्थलों को सरकारी विभागों को हस्तांतरित करने के आदेश सौंपे।

23 स्थल चामुंडेश्वरी विद्युत आपूर्ति निगम (सीईएससी) को सौंपे गए, जबकि पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग और अल्पसंख्यक कल्याण विकास विभाग को 11-11 स्थल आवंटित किए गए हैं। कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केपीटीसीएल) को 10 नागरिक सुविधा (सीए) स्थल सौंपे गए हैं, जबकि समाज कल्याण विभाग और अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग को दो-दो स्थल दिए गए हैं। बोगाडी नगर पंचायत, लघु सिंचाई विभाग, मैसूरु नगर निगम और अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं को एक-एक नागरिक सुविधाओं (सीए) स्थल सौंपे गए हैं।

इस अवसर पर मैसूरु के उपायुक्त जी. लक्ष्मीकांत रेड्डी, जो मुडा के अध्यक्ष भी हैं, और मुडा के आयुक्त रक्षित उपस्थित थे।

बेहतर भीड़ प्रबंधन के लिए बीसीसीआई और स्टेडियमों के साथ मिलकर करेंगे काम: आरसीबी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) ने इस साल जून में हुई जानलेवा भगदड़ के बाद 'सुरक्षित और समावेशी वातावरण बनाने' की प्रतिबद्धता जताई है। आरसीबी सीएआरईएस पहल के तहत, फ्रैंचाइजी ने कहा कि वह बेहतर भीड़ प्रबंधन प्रोटोकॉल तैयार करने के लिए स्टेडियम अधिकारियों, खेल निकायों और लीग भागीदारों के साथ मिलकर काम करने का इरादा रखती है। एक बयान में, 2025 के आईपीएल चैंपियन ने भीड़ सुरक्षा पर स्वतंत्र शोध में निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई। इसमें प्रशंसक-सुरक्षा ऑडिट ढाँचा तैयार करना और भीड़ प्रबंधन व आपातकालीन प्रतिक्रिया पर ऑन-ग्राउंड भागीदारों को प्रशिक्षण देना शामिल है। वित्तीय मुआवजे से परे सहायता प्रदान करना और सामाजिक विकास कार्यक्रमों के साथ सिद्दी समुदाय को सशक्त बनाना, कुछ अन्य पहल हैं जिन्हें फ्रैंचाइजी लागू करने का इरादा रखती है। शनिवार को, आरसीबी ने 4 जून को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ में मारे गए ग्यारह लोगों को 25-25 लाख का मुआवजा देने की घोषणा की।

ब्रेकअप के बाद पूर्व दोस्त को आग लगाने के आरोप में कैब ड्राइवर गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
हुलीमावु पुलिस ने रविवार को बेंगलूरु के होम्मादेवनहल्ली मुख्य मार्ग पर एक कैब ड्राइवर को अपने 25 वर्षीय पूर्व मित्र को कथित तौर पर आग लगाने के आरोप में गिरफ्तार किया। यह घटना उनके ब्रेकअप के बाद हुई। मृतका, वनजक्षी, अपने पति से अलग हो गई थी और अपने नाबालिग बेटे के साथ रह रही थी। कथित तौर पर पिछले कुछ सालों से उसका आरोपी, लगभग 50 वर्षीय विट्ठल, के साथ संबंध था। आरोपी, वनजक्षी से कथित तौर पर उसे धोखा देने और उससे बचने के लिए झगड़ा करता था। 31 अगस्त को, वनजक्षी, उसकी बहन और भतीजा मुनियप्पा नामक एक कार में सेंट जॉन्स अस्पताल जा रहे थे, जिसे मुनियप्पा चला रहा था। मुनियप्पा, एक दूर का रिश्तेदार था जिसके साथ उसका कथित तौर पर संबंध था। विट्ठल ने कथित तौर पर एक कार में उनका पीछा किया और हॉर्न बजाना शुरू कर दिया। जब मुनियप्पा ने गाड़ी धीमी की, तो आरोपी अपनी कार से उतरा और कथित तौर पर उनकी कार में पेट्रोल डाल दिया। विरोध करने पर मुनियप्पा घायल हो गया।

मुसीबत का आभास होने पर, वनजक्षी कार से उतर गई और मौके से भाग गई। विट्ठल ने कथित तौर पर उसका पीछा किया और जब वह लड़खड़ाकर जमीन पर गिर पड़ी, तो उस पर पेट्रोल डाल दिया। उसने लाइटर से पेट्रोल जलाया। इस घटना में उसे भी चोटें आईं। राहगीरों ने आग बुझाई और वनजक्षी को अस्पताल पहुँचाया, जहाँ 1 सितंबर को 60 प्रतिशत जलने के कारण उसकी मौत हो गई। मुनियप्पा द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर, पुलिस ने विट्ठल का पता लगाया और उसे हिरासत में ले लिया। कथित तौर पर, अपनी अंतिम सांस लेने से पहले, वनजक्षी ने मुनियप्पा से अपने नाबालिग बेटे की देखभाल करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि विट्ठल को उसके अपराध की सजा मिले।

2.20 करोड़ रुपये के नकली तंबाकू उत्पाद जब्त, 8 गिरफ्तार

बीदर/शुभ लाभ ब्यूरो।
पुलिस ने बीदर जिले में नकली गुटखा और पान मसाला बेचने वाले एक नेटवर्क पर छापा मारा और कुल 2.20 करोड़ रुपये के नकली तंबाकू उत्पाद जब्त किए और 8 लोगों को गिरफ्तार किया। एसपी प्रदीप गुंते ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान हैदराबाद के तनवीर, बीदर के रिजवान, तनवीर शेरिकर, बसीरुद्दीन, मणिपुर के यासीन, एमडी सिराज, शरीफ, अनस, रोहित, चेसन, मोहम्मद अनस के रूप में हुई है।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने गांधीगंज थाना क्षेत्र के चिद्रीबुट्टी बसवन्ना के पास एक घर पर छापा मारा, जहाँ अवैध पान मसाला और मिलावटी गुटखा रखा हुआ था।

न्यू सिटी थाना क्षेत्र के कोलारा औद्योगिक क्षेत्र में एक शेड पर भी छापा मारा गया। वहाँ पाया गया कि बाहर दो अक्षरों का बोर्ड लगा हुआ था और अंदर बिना लाइसेंस के मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक रासायनिक पदार्थ रखे हुए थे। वर्तमान में, 2.5 करोड़ रुपये जब्त किए गए हैं। 43.30 लाख रुपये का माल जब्त किया गया है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार लोगों के खिलाफ बीएनएस एक्ट 2023 की धारा 7 और कोटा एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मार्च 2026 तक हासन में मेगा डेयरी तैयार हो जाएगी: एच.डी. रेवन्ना

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व मंत्री और हासन सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ के अध्यक्ष एच.डी. रेवन्ना ने कहा है कि 790 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बन रही इस मेगा डेयरी का उद्घाटन मार्च 2026 तक हो जाएगा। संघ उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित करने पर विचार कर रहा है। यहां सोमवार को संघ की वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए, रेवन्ना ने कहा कि हासन के बाहरी इलाके केआईएडीबी औद्योगिक क्षेत्र में बन रही यह मेगा डेयरी, हासन डेयरी को बेहतर बनाने में मदद करेगी। अभी तक, संघ राज्य की अधिकांश डेयरियों से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा कि डेयरियाँ प्रशासनिक खर्चों के लिए अपनी आय का 2 प्रतिशत तक उपयोग कर सकती हैं। हालाँकि, हासन संघ प्रशासनिक खर्चों के लिए अपनी आय का केवल 1.69 प्रतिशत ही उपयोग कर रहा था। हालाँकि, बेंगलूरु महासंघ प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए 4.49 प्रतिशत तक का उपयोग कर रहा था। पूर्व मंत्री ने कहा कि हासन डेयरी में 240 रिक्तियाँ थीं। पिछले सात-आठ सालों से कोई भर्ती नहीं हुई थी। हालाँकि, कर्मचारी डेयरी का प्रबंधन बहुत अच्छी तरह से कर रहे थे। उन्होंने कहा जब मैं 1994 में पहली बार यूनियन का अध्यक्ष बना था, तब वार्षिक कारोबार केवल 4 करोड़ था। अब यह कारोबार 3,000 करोड़ हो गया है।

बीएमटीसी ईवी बस की सड़क दुर्घटना में मंदिर के पुजारी की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
चन्नासंद्रा मुख्य मार्ग पर रविवार को तेज रफ्तार इलेक्ट्रिक (ईवी) बीएमटीसी बस ने कथित तौर पर एक 80 वर्षीय मंदिर के पुजारी को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। मृतक की पहचान पास के एक मंदिर के पुजारी नारायण शास्त्री के रूप में हुई है, जो एम.वी.जे. बस स्टॉप की ओर जा रहे थे, तभी होप फार्म से आ रही एक बस ने उन्हें टक्कर मार दी। शास्त्री गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें वैदेही अस्पताल ले जाया गया, जहाँ बाद में उनकी मृत्यु हो गई। महादेवपुरा यातायात पुलिस ने बस चालक गंगाराजू को गिरफ्तार कर लिया और आगे की जाँच के लिए उस पर लापरवाही और लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण मृत्यु का आरोप लगाया। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब हाल के दिनों में बीएमटीसी बसों से जुड़ी कम से कम पाँच घातक दुर्घटनाएँ हुई हैं। बेंगलूरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (बीएमटीसी) ने अपनी बसों से जुड़ी सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा के बाद, अपने कर्मचारियों द्वारा दुर्घटना-मुक्त ड्राइविंग सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा उपायों को बढ़ा दिया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com